पारा आपडेट
मैक्सिमम 29.00 | मिनीमम 23.00
सूर्यास्त (आज) 18.33
सूर्योदय (कल) 05.18
बोकारो से प्रकाशित

सेंसेक्स 77,654.60 ● निफ्टी 24,250.20 ● डॉलर 95.68 ₹ ● सोना 1,40,330 ₹ ● चांदी 2,35,000₹

पेज 06 रिकॉर्ड एफडीआई ने बताया क्यों...
पेज 08 30 जुलाई से 28 अगस्त तक...

हिन्दी दैनिक

झारखंड दर्शन

हर खबर पर नजर
श्रावण कृष्ण पक्ष प्रतिपदा संवत 2083

पेज 10

RNI No. : JHAHIN/2018/76658 | बोकारो, गुरुवार 30 जुलाई 2026 ● पृष्ठ : 12 मूल्य : 3/- रुपया ● वर्ष : 09 अंक : 30 Email : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

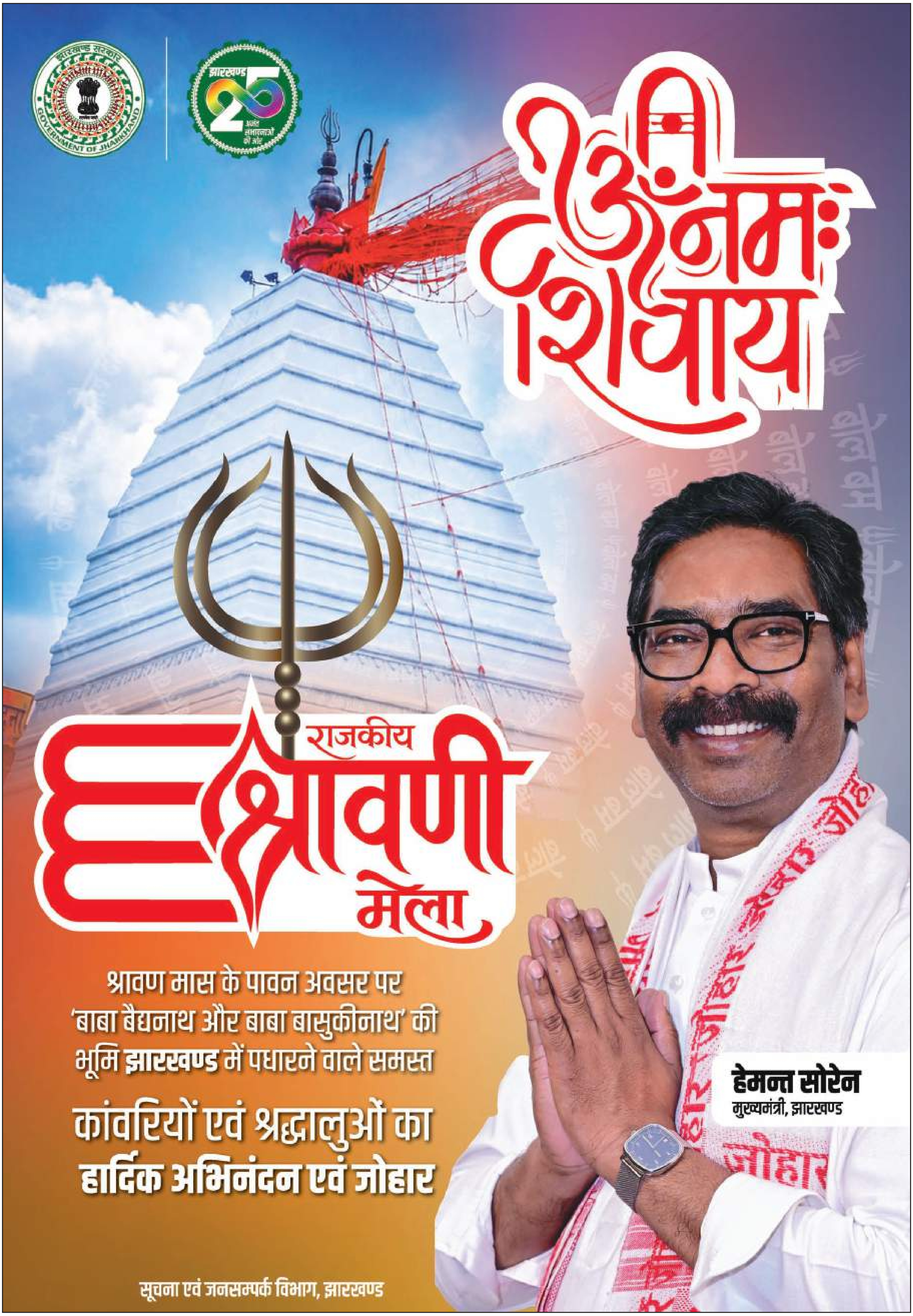

संक्षिप्त खबरें

प्रणामी मंदिर में उमड़ी श्रद्धा, गुरु चरणों में भक्तों ने अर्पित की आस्था

रांची। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया गया। गुरुजी संत शिरोमणि परमहंस डॉ. सदानंद जी महाराज के सानिध्य में आयोजित योजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरुजी श्री मंगल दासजी महाराज, श्री श्री 108 संत गुरु राधिका दासजी महाराज एवं परमहंस डॉ. संत सदानंद जी महाराज का विधिवत पूजन एवं वंदन किया गया। श्रद्धालुओं ने गुरु चरणों में पुष्प एवं श्रद्धा अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान भक्तों ने गुरु के प्रति अपनी आस्था एवं समर्पण व्यक्त करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस मौके पर मंदिर में भगवान श्री कृष्ण एवं श्री राधारानी का दिव्य एवं अलौकिक श्रृंगार किया गया। मंदिर के पुजारी अरविंद पांडे द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना संपन्न कराई गई। पूजा के उपरांत भगवान श्री राधा-कृष्ण को 51 किलो केसरिया खीर का भोग अर्पित किया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं द्वारा दीप प्रज्वलित किए गए तथा सामूहिक आरती में सभी ने श्रद्धापूर्वक भाग लिया। आरती के दौरान पूरा मंदिर परिसर दीपों की रोशनी और भक्तिमय जयकारों से गूंज उठा। भजन-कीर्तन का भी आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालु भक्ति में सराबोर होकर खूब झूमे। भक्तिमय गीतों और संकीर्तन से वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक हो गया। कार्यक्रम के समापन पर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण किया।

रांची शहरी क्षेत्र की नव नियुक्त एएनएम के लिए नियमित टीकाकरण प्रशिक्षण का आयोजन

रांची। रांची शहरी क्षेत्र की नव नियुक्त एएनएम के लिए नियमित टीकाकरण पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य नव नियुक्त एएनएम को नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं, टीकाकरण की समय-सारिणी, वैक्सीन प्रबंधन, कोल्ड चेन रखरखाव तथा लाभार्थियों तक गुणवत्तापूर्ण टीकाकरण सेवाएं सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक जानकारी एवं कौशल प्रदान करना था। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य पदाधिकारी डॉ असीम मांझी तथा डब्ल्यूएचओ के स्टेट मॉनिटरिंग ऑफिसर डॉ सुधानंद के मार्गदर्शन एवं सहयोग से किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के महत्व, टीकाकरण सत्रों के प्रभावी संचालन, प्रतिकूल घटनाओं के प्रबंधन तथा टीकाकरण से संबंधित अभिलेखों के सही संधारण के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। प्रशिक्षको ने बताया कि नियमित टीकाकरण कार्यक्रम बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को विभिन्न जानलेवा बीमारियों से सुरक्षित रखने का एक प्रभावी माध्यम है। नव नियुक्त एएनएम स्वास्थ्य प्रणाली की महत्वपूर्ण कड़ी हैं और समुदाय तक टीकाकरण सेवाओं को पहुंचाने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम स्वास्थ्य कर्मियों की क्षमता वृद्धि के साथ-साथ टीकाकरण कार्यक्रम को और अधिक सुदृढ़ बनाने में सहायक होते हैं। इस अवसर पर प्रशिक्षण में शामिल सभी प्रतिभागियों से नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के दिशा-निदेशों का पालन करते हुए शत-प्रतिशत पात्र लाभार्थियों तक टीकाकरण सेवाएं सुनिश्चित करने को कहा गया।

जेपीएससी और जेएसएससी की धांधली के खिलाफ देवेन्द्र महतो के साथ सड़क पर उतरे हजारों छात्र

अल्बर्ट एक्का चौक में छात्र नेताओं की हुई दहाड़

वरीय संवाददाता

रांची। जेपीएससी और जेएसएससी की रिजल्ट में हुई खरीद बिक्री जैसी धांधली के खिलाफ रांची के छात्रों ने भी मोर्चा खोल दिया है, बुधवार को छात्र नेता देवेन्द्र महतो की अगुवाई में राज्य भर से हजारो छात्र छात्राएं रांची पहुंच कर सभी में शमिल हुए।

सुबह से ही बाहर से आने वाले छात्रों का जुटान जयपाल सिंह स्टेडियम में होने लगा, जिसे उस रास्ते में घंटो जाम लग गया,इधर प्रशान किसी अनहोनी को टालने के लिए पुरी तरह से मुस्तैद रही, कई जगह बैरिकेडिंग कर छात्रों को रोकने की कोशिश भी की गयी फिर भी छात्र अपने भविष्य के लिए हर

बाधाओं को तोड़ते हुए रांची में एकता का परिचय दिया।

जयपाल सिंह स्टेटियम से निकल कर जुलूस अलबर्ट एक्का चौक पहुंचा जहां छात्र नेता देवेन्द्र महतो सहित कई नेताओं ने जेपीएसपी और जेएसएससी की धांधली का पर्दापाफाश किया, मौके पर छात्रों के हित की बात करते हुए देवेन्द्र महतो ने वर्षों की मेहनत करने वाले छात्रों का भविष्य खराब करने के दोषियों पर कड़ी कारवाई करने की मांग रखी। उन्होंने खुले लफ्जों में झारखंड के युवाओं में भर्ती परीक्षाओं को लेकर हुई नाराजगी को दूर करने के लिए सरकार से मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कारवाई और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करने की मांग की। वहीं प्रदर्शन में भाग लेने वाले नेता व छात्रों ने साफ कहा कि जब तक उनकी मांगों पर सरकार ठोस कारवाई नहीं करती है तब तक छात्र चैन से बैठने वाले नहीं हैं।

तीन लाख का 15 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ एक गिरफ्तार

वरीय संवाददाता

रांची। धुर्वा थाना पुलिस ने गुप्त सूचना पर कारवाई करते हुए मॉन्टसरी मैदान से ब्राउन शुगर बिक्री कर रहे एक तस्कर को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अनिल कुमार तिवारी ने बताया कि जिले के पुलिस कप्तान के निर्देशपर जिले भर में नशीली पर्दाथ और नशे के सौदागरों के खिलाफ सख्त अभियान चलायी जा रही है। इसी दौरान मंगलवार की रात पुलिस को सूचना मिली की मॉन्टेसरी मैदान में कुछ असाजिक तत्व के लोगों का जमावड़ा है जो आपस में ब्राउन शुगर खरीब बिक्री कर रहे हैं, सूचना के आधार पर पुलिस मौके पर पहुंची जहां आधा दर्जन युवकों की भीड़ जमा दिखी जो पुलिस को देखते ही भागने लगे उसी में से एक युवक जवानों के हत्थे चढ़ गया जिससे पूछताछ करने पर उसने अपना नाम उमंग रात बताया, उसकी तलाशी

लेने पर उसके पॉकेट से कई पुड़ियों में बंद 15 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त किया गया, उन्होंने बताया कि जब्त ब्राउन शुगर की बाजार में तीन लाख रुपये होगी।

थानों में साप्ताहिक जन शिकायत समाधान शिविर में एसएसपी ने भी सुनी समस्याएं

वरीय संवाददाता

रांची। जिले की पुलिस द्वारा आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के के लिए जिले के सभी थाना एवं ओपी में साप्ताहिक जन शिकायत समाधान कार्यक्रम आयोजित किया गया, इस मौके पर जिले पुलिस कप्तान राकेश रंजन ने भी लोअर बाजार थे सहित अन्य थानों में फरियादकताओं से मिले और कई मामलों को सुलझाया वहीं कई मामलों के लिए संबंधित थाने के पदाधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। एसएसपी से मिलनेवाले को शिकायतों का ऑन-द-स्पॉट समाधान होने से पुलिस प्रशासन के प्रति विश्वास और सहयोग की भावना मजबूत हुई।

बुधवार को जिले का पूरा पुलिस प्रशासन सक्रिय नजर आया।

सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, थाना प्रभारी एवं अन्य अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में उपस्थित रहकर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करते रहे।

पुलिस का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य आम नागरिकों को सुलभ, पारदर्शी एवं संवेदनशील पुलिस व्यवस्था उपलब्ध कराना है, ताकि लोगों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

राज्य स्तरीय पंचायत सहायक संघ का पांच को सीएम आवास घेराव

रांची। राज्य स्तरीय पंचायत सहायक संघ झारखंड प्रदेश के द्वारा 5 अगस्त को संघ अपनी आठ सूत्री मांगों के समर्थन में मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया करेगा। सभी सदस्य मोराबादी मैदान के गांधी प्रतिमा के पास जूटेंगे और वहां से 2:00 बजे से जुलूस के रूप में निकलेंगे। संघ के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रदीप कुमार ने बताया कि हम लोगों के साथ अन्याय एवं भेदभावपूर्ण पदाधिकारी के द्वारा किया जा रहा है हम लोगों के हो रही समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है।

सरकार के द्वारा किसी भी प्रकार की सुविधा पंचायत सहायक को नहीं दीया जा रहा है। समय पर मानदेय का भुगतान भी नहीं किया जा रहा है। मानदेय भी इतना कम है जिससे गुजारा करना बहुत मुश्किल हो गया है। हम लोगों का मांग अगर सरकार पूरा नहीं करती है तो चरणवध आंदोलन किया जाएगा। और अंत में अनिश्चितकालीन भी आंदोलन शुरू किया जाएगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने राजकीय होम्योपैथिक कॉलेज के लिए 6 लेक्चररों की नियुक्ति

राजनीति नहीं, पढ़ाई होगी: डॉ. इरफान अंसारी

वरीय संवाददाता

रांची। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने स्वास्थ्य शिक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में एक और बड़ा एवं ऐतिहासिक कदम उठाया है। राजकीय होम्योपैथिक महाविद्यालय एवं अस्पताल, परसापानी (गोड्डा) में 6 नए लेक्चररों की नियुक्ति की गई है। यह निर्णय राज्य में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा को मजबूत करने, पठन-पाठन की व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। इससे पूर्व भी स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी द्वारा इस महाविद्यालय के लिए 4 लेक्चररों की नियुक्ति की जा चुकी है। लगातार हो रही नियुक्तियां इस बात का प्रमाण हैं कि राज्य सरकार होम्योपैथिक शिक्षा को मजबूत करने तथा संस्थान के सुचारु संचालन के लिए पूरी

गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि उनका उद्देश्य स्पष्ट है–झारखंड के प्रत्येक छात्र-छात्रा को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराना और राज्य के चिकित्सा संस्थानों को उत्कृष्ट बनाना।

उन्होंने कहा कि मैं किसी भी कीमत पर इस कॉलेज को बंद नहीं होने दूंगा। इरफान अंसारी कॉलेज खोलने और उन्हें मजबूत करने का काम करता है, बंद करने का नहीं। आज झारखंड में मेडिकल कॉलेजों और नर्सिंग कॉलेजों की स्थापना का कार्य तेजी से हो रहा है।

जो काम राज्य गठन के बाद वर्षों तक नहीं हो सका, उसे हमारी सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि एक डॉक्टर होने के नाते स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी को वे केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि जनसेवा का मिशन मानते हैं। दिन-रात मेहनत कर स्वास्थ्य व्यवस्था और चिकित्सा शिक्षा को मजबूत करना मेरी प्राथमिकता है। मेरी सबसे बड़ी इच्छा है कि झारखंड के बच्चे उत्कृष्ट शिक्षा प्राप्त करें, योग्य डॉक्टर बनें और देश-दुनिया में राज्य का नाम रोशन करें। स्वास्थ्य मंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कॉलेज और अस्पताल शिक्षा एवं सेवा के केंद्र हैं, राजनीतिक गतिविधियों के नहीं। उन्होंने कहा कि यदि किसी प्रकार की मूलभूत आवश्यकता, संसाधनों की कमी या अन्य समस्या है तो उसे सीधे उनके संज्ञान में लाया जाए।

मारवाड़ी भवन में चार दिवसीय 'परंपरा' महोत्सव का आयोजन आज से

वरीय संवाददाता

रांची। राजधानी की सबसे पुरानी संस्था मारवाड़ी सहायक समिति द्वारा गरुवार से आगमी 2 अगस्त तक हरमू रोड स्थित मारवाड़ी भवन में चार दिवसीय सांस्कृतिक एवं पारंपरिक समाज की महिलाओं द्वारा आयोजित 'परंपरा' महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव का उद्घाटन आज दिन के 11:00 होगा।

समिति के अध्यक्ष पवन शर्मा ने बताया कि उद्घाटन समारोह में झारखंड सरकार की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की मुख्य अतिथि होंगी।

महापौर श्रीमती रोशनी खलखो एवं उपमहापौर नीरज कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। सचिव विनोद जैन ने कहा कि इस चार

दिवसीय आयोजन में संस्कृति, परंपरा, कला, हस्तशिल्प, खान-पान तथा समाज की विविध प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान किया जाएगा।

उन्होंने रांचीवासियों से आग्रह किया कि वे अपने परिवार सहित इस आयोजन में शामिल होकर भारतीय संस्कृति एवं मारवाड़ी समाज की समृद्ध परंपराओं का आनंद लें और आयोजन को सफल बनाने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। प्रोजेक्ट चेयरमैन अरुण भरतीया ने जानकारी दी कि यह आयोजन प्रतिदिन सुबह 11 बजे से रात 8 बजे तक संचालित होगा, जिसमें विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, पारंपरिक प्रदर्शनी, मनोरंजक गतिविधियां, लजीज खाने - पिने के व्यंजनों एवं अनेक आकर्षक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

विधायक एवं महापौर ने योजना का किया विधिवत शिलान्यास

वरीय संवाददाता

रांची। शहर के विकास योजनाओं और जनसुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में रांची नगर निगम द्वारा परियोजना की शुरूआत हुई। हटिया के विधायक नवीन जायसवाल एवं महापौर रोशनी खलखो ने योजना का विधिवत शिलान्यास किया।

इस प्रमुख योजना की हुई शुरुआत:- वार्ड नंबर 31 अंतर्गत ऑफिसर कॉलोनी के बगल वाली गली में शोभा मेहरा के घर से उमेश सिंह के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास : गरिमामयी उपस्थितिः कार्यक्रम में मुख्य रूप से माननीय उप महापौर नीरज कुमार, अशोक मुंडा, अशोक श्रीवास्तव, परमार जी सहित स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सीसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक संपन्न

वरीय संवाददाता

रांची। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) मुख्यालय, दरभंगा हाउस, रांची में आज राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता निदेशक (मानव संसाधन) श्री हर्ष नाथ मिश्र ने की। बैठक में महाप्रबंधक (राजभाषा) श्री अशोक कुमार सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, महाप्रबंधकगण, राजभाषा नोडल अधिकारी तथा सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

बैठक के प्रारंभ में महाप्रबंधक (राजभाषा) श्री अशोक कुमार ने सभी उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया। तत्पश्चात उप-प्रबंधक (राजभाषा) श्री दिविक दिवेश द्वारा गत तिमाही में संचालित राजभाषा कार्यक्रमों, योजनाओं एवं उपलब्धियों का विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया गया। तिमाही प्रगति रिपोर्ट के माध्यम से

कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग, प्रगति एवं सुधार के विभिन्न पहलुओं की समग्र समीक्षा की गई।

अपने संबोधन में महाप्रबंधक (राजभाषा) श्री अशोक कुमार ने कहा कि ₹राजभाषा हिंदी केवल संप्रेषण का साधन नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज, संस्कृति एवं राष्ट्रीय पहचान का दर्पण है। इसमें हमारी सोच और संवेदनाएं उतनी ही सहजता से झलकती हैं, जितनी किसी दर्पण में हमारा प्रतिबिंब झलकता है।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में निदेशक (मानव संसाधन) श्री हर्ष नाथ मिश्र ने कहा कि राजभाषा हिंदी हमारे प्रशासनिक कार्यों को सरल, सहज और प्रभावी बनाने का सशक्त माध्यम है। यदि हम अपने दैनिक कार्यालयीन कार्यों में हिंदी को प्राथमिकता दें, तो न केवल राजभाषा नीति के उद्देश्यों की पूर्ति होगी, बल्कि संगठन में संवाद और कार्य निष्पादन भी अधिक प्रभावी होगा। राजभाषा हिंदी का प्रयोग करना मात्र एक प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि राष्ट्र की सेवा के समान है, क्योंकि इससे हमारी सांस्कृतिक अस्मिता एवं राष्ट्रीय एकता सुदृढ़ होती है।₹ उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से हिंदी के प्रयोग को एक नियमित कार्य-संस्कृति के रूप में अपनाने का आग्रह किया।

छात्रों एवं युवाओं के मुद्दे पर कांग्रेस कर रही दोहरी राजनीति : आदित्य साहू

वरीय संवाददाता

रांची/नई दिल्ली। झारखंड में जेपीएससी, जेएसएससी सीजीएल, उत्पाद सिपाही भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी और पेपर लीक के मामले को लेकर झारखंड भाजपा के सांसदों ने दिल्ली के मकर द्वार के समक्ष कांग्रेस की दोहरी राजनीति के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया।

इस मौके पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने छात्रों एवं युवाओं के मुद्दे पर कांग्रेस द्वारा दोहरी राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि एक तरफ कांग्रेस दिल्ली में छात्रों के मुद्दे पर हाय तौबा मचा रही है जबकि दूसरी तरफ झारखंड में जेपीएससी, जेएसएससी सीजीएल सहित अन्य भर्ती परीक्षा घोटाले पर उनकी जुबान पर ताला जड़ा हुआ है। उत्पाद सिपाही भर्ती दौड़ में तो झारखंड के 19 बच्चों की मौत हो गई। कांग्रेस के नेताओं की जुबान इस मामले पर बंद क्यों है।

श्री साहू ने कहा कि जब-जब झारखंड में कांग्रेस के समर्थन से सरकार बनी है, तब तब छात्रों, युवाओं के साथ खिलवाड़ किया गया है। कांग्रेस दोहरी राजनीति करती है। दिल्ली में मांग करती है कि जांच हो और झारखंड में पूरी तरह मौन है।

19 अभ्यर्थी उत्पाद सिपाही दौड़ में मारे गए हैं। कांग्रेस झारखंड में मांग करे कि उन मृत बच्चों के परिजनों को हेमंत सरकार एक-एक करोड रुपए मुआवजा तत्काल भुगतान करे। हमारी पार्टी की मांग है कि दिल्ली से कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी झारखंड की धरती पर जाएं, वहां की

जनता इनका चेहरा देखना चाहती है और इनसे पूछना चाहती है कि आप लोगों का यह दोहरा चरित्र क्यों? दिल्ली के मामले में आप नंगा नाच कर रहे हो, अप्रत्यक्ष रूप से छात्रों को भड़काने का काम करते हो, जबकि जहां झारखंड में कांग्रेस के समर्थन से सरकार है वहां पर आप लोगों के मुंह पर ताला बंद क्यों है श्री साहू ने कहा कि अब इस देश में दोहरी राजनीति चलने वाली नहीं है। भाजपा मांग करती है कि झारखंड में पिछले 6 वर्षों में हेमंत सरकार में जितनी भी भर्ती परीक्षा में अनियमिताएं हुई है, पेपर लीक हुआ है, सभी मामलों की सीबीआई जांच हो।

कांग्रेस झामुमो जैसे चोरों के समर्थन से जो सरकार चल रही है, इस मामले में जो भी दोषी हो, उन्हें जेल की सलाखों में भेजने का काम किया जाए। श्री साहू ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास किसी से छिपा नहीं है। इसके पहले भी झारखंड आंदोलन को पैसे के बल पर कांग्रेस ने खरीदने का काम किया है। कांग्रेसी चोर झारखंड के बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का काम कर रहे हैं। उनका रोजगार छीनने का काम कर रहे हैं। इसलिए कांग्रेस के नेताओं को झारखंड के मुद्दे पर मुंह खोलना चाहिए और बिरसा मुंडा की धरती पर उन्हें अविलंब जाना चाहिए ताकि इन दोहरे चरित्र वाले पार्टी का चेहरा वहां की जनता देख सके। अगर कांग्रेस वास्तव में छात्रों के मुद्दे पर, युवाओं के मुद्दे पर गंभीर है तो कांग्रेस को आज ही हेमंत सोरेन सरकार से अपना समर्थन वापस लेना चाहिए और हेमंत सोरेन से इस्तीफा की मांग करनी चाहिए।

एनटीए से कोर्ट ने मांगा जवाब, अगली सुनवाई 4 अगस्त को

वरीय संवाददाता

रांची। नीट यूजी पुर्नपरीक्षा 2026 के रिजल्ट को लेकर झारखंड हाई कोर्ट में दाखिल एक याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने एनटीए यानी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को अभ्यर्थी लक्ष्य सिंह की मूल ओएमआर शीट सीलबंद लिफाफे में पेश करने का निर्देश दिया है।जस्टिस आनंद सेन की अदालत ने टेस्ट बुकलेट सीरियल नंबर 265208914 और रोल नंबर 2603107066 वाले अभ्यर्थी की मूल डटफशीट अगले सप्ताह कोर्ट में प्रस्तुत करने को कहा है। मामले की सुनवाई 28 जुलाई को हुई थी। कोर्ट ऑर्डर के मुताबिक, सुनवाई की अगली तारीख 4 अगस्त निर्धारित की गई है।

वेबसाइट पर 660 अंक, रिजल्ट में सिर्फ 116 अंक

याचिकाकर्ता लक्ष्य सिंह ने हाई कोर्ट में दायर याचिका में दावा किया है कि री-नीट परीक्षा के बाद एनटीए की वेबसाइट पर अपलोड की गई डटफशीट के अनुसार, उसे 720 में से 660 अंक मिल रहे थे। लेकिन जब आधिकारिक रिजल्ट जारी हुआ तो उसमें उसे सिर्फ 116 अंक दिए गए। इसी अंतर को चुनौती देते हुए उन्होंने अदालत का दरवाजा खटखटाया और पूरे मामले की जांच की मांग की।

ओएमआर की असल कॉपी से साफ होगी तस्वीर

याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अजीत कुमार ने अदालत को बताया कि छात्र ने वेबसाइट पर उपलब्ध ओएमआर शीट का स्क्रीनशॉट और स्कैन सुरक्षित रखा है। उनका कहना था कि जब वेबसाइट पर दिखाई गई डटफके आधार पर 660 अंक बन रहे हैं तो रिजल्ट में 116 अंक कैसे दिए गए। उन्होंने अदालत से मूल ओएमआर शीट मंगाने का आग्रह किया ताकि पूरे मामले की सच्चाई सामने आ सके। इस पर हाई कोर्ट ने एनटीए को मूल ओएमआर शीट सीलबंद लिफाफे में पेश करने का आदेश दिया।

एनटीए से कोर्ट ने मांगा जवाब

सुनवाई के दौरान अदालत ने एनटीए से यह भी पूछा कि यदि वेबसाइट पर अपलोड ओएमआर शीट के आधार पर अभ्यर्थी के अधिक अंक बन रहे थे तो अंतिम रिजल्ट में इतने कम अंक क्यों दिए गए।

पारा आपडेट
मैक्सिमम 29.00 | मिनीमम 23.00
सूर्यास्त (आज) 18.33
सूर्योदय (कल) 05.18
बोकारो से प्रकाशित

सेंसेक्स 77,654.60 ● निफ्टी 24,250.20 ● डॉलर 95.68 ₹ ● सोना 1,40,330 ₹ ● चांदी 2,35,000 ₹

पेज 06 रिकॉर्ड एफडीआई ने बताया क्यों...
पेज 08 30 जुलाई से 28 अगस्त तक...

हिन्दी दैनिक

झारखंड दर्शन

हर खबर पर नजर

श्रावण कृष्ण पक्ष प्रतिपदा संवत 2083

पेज 12

RNI No. : JHAHIN/2018/76658 | बोकारो, गुरुवार 30 जुलाई 2026 ● पृष्ठ : 12 मूल्य : 3/- रुपया ● वर्ष : 09 अंक : 30 Email : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

झारखंड दर्शन के पाठकों व शुभेच्छुओं से आग्रह है कि किसी भी प्रकार के विज्ञापन देने के लिए आप फोन नंबर 9262578999 पर सम्पर्क कर सकते हैं। साथ ही अगर आप तक हमारे अखबार की प्रति नहीं पहुंच रही है तो भी उपरोक्त नंबर पर सम्पर्क कर सकते हैं।

प्रबंधक

आवश्यकता

हमारे हिंदी दैनिक झारखंड दर्शन को अपने लेखा विभाग के लिए एक योग्य और अनुभवी अकाउंटेंट और मार्केटिंग के लिए व्यक्ति की आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति अपना रिज्यूमे इस ईमेल एवं फोन नंबर पर भेज सकते हैं।

email - jharkhanddarshan405@gmail.com
Phone - 91025 69636, 92625 78999

'ऑपरेशन दौरा पहाड़' के तहत झारखंड पुलिस व केन्द्रीय सुरक्षाबलों को मिली कामयाबी

2.20 करोड़ का इनामी मिसिर बेसरा सहित पांच नक्सली गिरफ्तार

संवाददाता

रांची। झारखंड पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों ने नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता हासिल करते हुए भाकपा (माओवादी) के एकमात्र सक्रिय पोलित ब्यूरो सदस्य तथा 2.20 करोड़ रुपये के इनामी शीर्ष नक्सली मिसिर बेसरा उर्फ सागर उर्फ भास्कर उर्फ सुर्निमल को गिरफ्तार कर लिया है। उसके साथ संगठन के चार अन्य सक्रिय सदस्यों को भी पकड़ा गया है। संयुक्त अभियान के दौरान उनके कब्जे से तीन एके-47 राइफल, आठ मैगजीन और 288 जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।

यह कार्रवाई 28 जुलाई की देर शाम धनबाद जिले के बरवड्डा थाना क्षेत्र के जंगलों में चलाए गए संयुक्त अभियान 'ऑपरेशन दौरा पहाड़' के तहत की गई। अभियान में धनबाद और गिरिडीह जिला पुलिस के साथ केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 209 कोबरा बटालियन के जवान शामिल थे। मिसिर बेसरा पर झारखंड सरकार ने एक करोड़ रुपये और ओडिशा सरकार ने 1.20 करोड़ रुपये का इनाम घोषित कर रखा था।

पुलिस मुख्यालय में बुधवार को आयोजित संयुक्त प्रेसवार्ता में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) तदाशा मिश्रा, महानिरीक्षक (आईजी) अभियान नरेंद्र सिंह, आईजी साकेत सिंह, आईजी अनूप बिरथरे, उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) इंद्रजीत महथा, धनबाद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रभात रंजन और पुलिस अधीक्षक विमल कुमार ने अभियान की विस्तृत जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि मिसिर बेसरा के साथ संगठन के रीजनल कमेटी सदस्य (आरसीएम) तथा 15 लाख रुपये के इनामी मेहनत उर्फ मोछू उर्फ विभीषण, एरिया कमेटी सदस्य (एसीएम) गौरव उर्फ बिरेंद्र हांसदा उर्फ सौरभ और संगठन के दो अन्य सदस्य मंगल मुर्मू तथा दिनेश राय को भी गिरफ्तार किया गया है। सभी के कब्जे से तीन एके-47 राइफल, आठ मैगजीन और 288 जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, मिसिर बेसरा पिछले तीन दशक से अधिक समय से झारखंड, ओडिशा, बिहार तथा अन्य राज्यों में माओवादी गतिविधियों का संचालन कर रहा था। उसके खिलाफ विभिन्न राज्यों में 175 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह संगठन की रणनीति तैयार करने, शीर्ष नेतृत्व का संचालन करने और कई बड़े नक्सली हमलों की साजिश रचने में प्रमुख भूमिका निभाता रहा है।

● **तीन एके-47 समेत भारी मात्रा में हथियार बरामद**

बड़ी नक्सली घटनाओं में शामिल रहने का आरोप

पुलिस ने बताया कि मिसिर बेसरा पर वर्ष 2001 में हजारीबाग के चुरचू में सीआरपीएफ के 12 जवानों की हत्या, धनबाद के तोपचांची में 13 पुलिसकर्मियों की हत्या, पश्चिमी सिंहभूम के मनोहरपुर में पुलिस बल पर हमला, बोकारो के चंद्रपुरा रेल थाना पर हमला, गिरिडीह होमगार्ड शस्त्रागार से 186 रायफल की लूट, जहानाबाद जेल ब्रेक, वर्ष 2018 की कुचाई मुठभेड़, वर्ष 2022 में पूर्व विधायक गुरुचरण नायक के अंगरक्षकों की हत्या, वर्ष 2023 में विस्फोटक भंडार की लूट, चाईबासा और गोइलकेरा क्षेत्र की कई मुठभेड़ों तथा वर्ष 2025 में आईईडी विस्फोट सहित अनेक बड़ी नक्सली घटनाओं में शामिल रहने का आरोप है।

'ऑपरेशन दौरा पहाड़' बड़ी उपलब्धियों में से एक : डीजीपी

डीजीपी तदाशा मिश्रा ने कहा कि 'ऑपरेशन दौरा पहाड़' झारखंड पुलिस के नक्सल विरोधी अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों में पुलिस ने योजनाबद्ध रणनीति के तहत माओवादी संगठन के शीर्ष नेतृत्व को लगातार निशाना बनाया है। पहले बड़ी संख्या में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया, उसके बाद शीर्ष कमांडर रविंद्र गंझू और अजय महतो उर्फ टाइगर की गिरफ्तारी हुई। एरिया कमेटी सदस्य बबिता उर्फ अनिता किस्कू ने भी आत्मसमर्पण किया और अब मिसिर बेसरा की गिरफ्तारी से संगठन के शीर्ष नेतृत्व को सबसे बड़ा झटका लगा है। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति का सकारात्मक प्रभाव लगातार देखने को मिल रहा है। बड़ी संख्या में नक्सली हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौट रहे हैं। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के साथ बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी पुलिस के कब्जे में आए हैं, जिससे संगठन की ताकत लगातार कमजोर हुई है।

राज्य को पूरी तरह नक्सलमुक्त बनाना उद्देश्य

डीजीपी ने कहा कि मिसिर बेसरा लंबे समय से माओवादी संगठन की रणनीति तैयार करने और विभिन्न राज्यों में उसकी गतिविधियों के संचालन में केंद्रीय भूमिका निभा रहा था। उसकी गिरफ्तारी से झारखंड में माओवादी संगठन का शीर्ष नेतृत्व लगभग समाप्त हो गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि झारखंड पुलिस का उद्देश्य केवल नक्सलियों की गिरफ्तारी नहीं, बल्कि राज्य को पूरी तरह नक्सलमुक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि जब तक अंतिम सक्रिय माओवादी आत्मसमर्पण नहीं कर देता या कानून के दायरे में नहीं आ जाता, तब तक अभियान निरंतर जारी रहेगा। पुलिस का कहना है कि लगातार हो रही गिरफ्तारियों, आत्मसमर्पण और संयुक्त अभियानों ने माओवादी संगठन की कमर तोड़ दी है तथा झारखंड में नक्सल उन्मूलन अभियान निर्णायक चरण में पहुंच गया है।

संक्षिप्त खबरें

भारत बाघ संरक्षण में दुनिया में नंबर-1, देश में 3,682 बाघ

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि भारत ने बाघ संरक्षण के क्षेत्र में अपनी वैश्विक नेतृत्व की स्थिति को और मजबूत किया है। देश में अब दुनिया के लगभग 75 प्रतिशत बाघ मौजूद हैं। ताजा आंकड़ों के अनुसार, भारत में बाघों की संख्या 3,682 तक पहुंच गई है, जो देश के 58 टाइगर रिजर्व में फैले हुए हैं। यादव ने अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस के मौके पर बुधवार को एक्स पोस्ट में कहा कि बाघों की बढ़ती संख्या भारत के जंगलों की बेहतर स्थिति और वन्यजीव संरक्षण के प्रति लगातार किए जा रहे प्रयासों का प्रमाण है। यह उपलब्धि दर्शाती है कि देश में संरक्षण संबंधी नीतियां और पहल प्रभावी रही हैं। उन्होंने कहा कि बाघों और उनके प्राकृतिक आवास की सुरक्षा के लिए उसकी प्रतिबद्धता आगे भी जारी रहेगी। जंगलों से जुड़े स्थानीय समुदायों की आजीविका को सशक्त बनाने और उनके हितों की रक्षा के लिए भी निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

कुलगाम में तलाशी अभियान, हथियार, गोला-बारूद बरामद

कुलगाम। सुरक्षा बलों ने बुधवार को दक्षिण कश्मीर के कुलगाम ज़िले के तंत्रिपोरा-सुरसनू बाग इलाके में एक संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान हथियार और गोला-बारूद बरामद किए। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस से मिली खास जानकारी के आधार पर कुलगाम पुलिस, 34 राष्ट्रीय राइफल्स और सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन ने तंत्रिपोरा-सुरसनू बागों में एक संयुक्त तलाशी अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन के दौरान संयुक्त टीम ने इलाके से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। बरामद सामान को जब्त कर लिया गया है और आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

मणिपुर में यूएनएलएफ (पी) संगठन का उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। सुरक्षा बलों ने 28 जुलाई को चलाए गए उगाही विरोधी अभियान के दौरान प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन यूएनएलएफ (पी) के एक सक्रिय उग्रवादी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार उग्रवादी की पहचान संगठन के सार्जेंट मेजर समाद्रम जगत सिंह उर्फ थम्बालजाओ उर्फ रोमन (49) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से थौबल हाओखा का निवासी है और वर्तमान में काकचिंग जिले के तोकपा चिंग मयाई लैकाई क्षेत्र में रह रहा था। सुरक्षा बलों ने उसे अरोंग थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वह उगाही गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल था। मामले में आगे की जांच जारी है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने की ऊर्जा विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक, दिये निर्देश

ग्रिड व ट्रांसमिशन लाइनों से जुड़ी सभी बाधाओं का त्वरित निदान करें : हेमंत

संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य में निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बुधवार को प्रोजेक्ट भवन में बिजली विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। मंत्रालय के सभाकक्ष में आयोजित इस बैठक में ग्रिड और ट्रांसमिशन लाइनों के विस्तार में आ रही दिक्कतों को दूर करने पर गहन मंथन हुआ।

मुख्यमंत्री ने पीसीसीएफ वाइल्डलाइफ सहित हजारीबाग, बोकारो और धनबाद जिलों के उपायुक्तों को स्पष्ट निर्देश दिया कि वे ग्रिड और ट्रांसमिशन लाइनों से जुड़ी सभी तरह की बाधाओं और तकनीकी समस्याओं का त्वरित निदान करें। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों और बुनियादी ढांचे के विस्तार में वन विभाग की स्वीकृतियों या अन्य कारणों से हो रही देरी को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

निर्धारित समय-सीमा में काम पूरा करने की हिदायत

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सभी संबंधित जिला पदाधिकारियों को कड़े शब्दों में कहा कि उनके जिलों में बिजली आपूर्ति और बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण से जुड़ी परेशानियों को एक निश्चित समय-सीमा के भीतर दूर किया जाए। ट्रांसमिशन नेटवर्क के सुचारू संचालन से ही राज्य के हर घर तक बिना कटौती के बिजली पहुंचाई जा सकती है।

मुफ्त बिजली योजनाओं को धरातल पर उतारने की तैयारी

समीक्षा बैठक के दौरान विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को राज्य सरकार की हालिया जन-कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति से अवगत कराया। गौरतलब है कि राज्य सरकार ने हाल ही में कैबिनेट बैठक के माध्यम से राज्य के 39.44 लाख उपभोक्ताओं के लिए 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने और पुराने बकाए बिलों को माफ करने का ऐतिहासिक फैसला लिया है। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 'एक पेड़ लगाने पर 5 यूनिट मुफ्त बिजली' की योजना भी शुरू की गई है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि इन योजनाओं का लाभ हर पात्र उपभोक्ता तक पारदर्शिता के साथ पहुंचाना सुनिश्चित करें।

पेपर लीक रोकथाम संशोधन विधेयक लोक सभा से परित

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में पेपर लीक से जुड़े मामलों में मौजूदा कानून को अधिक कठोर किए जाने वाला संशोधन विधेयक शोर-शराबे के बीच बुधवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री डॉ जितेन्द्र सिंह ने कहा कि उन्हें आशा थी कि सकारात्मक सुझाव प्राप्त होंगे लेकिन इस विषय पर राजनीति करने का प्रयास किया गया। डॉ. सिंह ने लोकसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक-2026 पर कल से शुरू हुई चर्चा पर आज जवाब दिया। विधेयक के पारित होने के बाद लोकसभा की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित कर दी गई।

डॉ सिंह ने बताया कि सदन में इस विधेयक पर अनेक सदस्यों ने अपने सुझाव दिए। लगभग 40 से 45 वक्ताओं ने चर्चा में भाग लिया और विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखे। हालांकि उन्हें नेता प्रतिपक्ष के व्यवहार पर हैरानी हुई। उन्होंने कहा, 'हमें नेता प्रतिपक्ष के व्यवहार पर हैरानी है। उन्होंने जिन अपशब्दों का इस्तेमाल किया, वे न केवल संसदीय मर्यादा के विरुद्ध हैं, बल्कि सदन की गरिमा और लोकतांत्रिक परंपराओं के भी प्रतिकूल हैं।'

प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री

उन्होंने कहा कि जनवरी 2024 में लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम लागू किया गया था। हालांकि हाल की घटनाओं के बाद सरकार ने विशेषज्ञों की सलाह और अनुभव के आधार पर इसे और अधिक प्रभावी बनाने का निर्णय लिया। पहले भी यह अपराध संज्ञेय, गैर-जमानती और गैर-समझौतायोग्य था, लेकिन अब इसके प्रावधान और सख्त किए गए हैं।

विधेयक में कड़ी सजा का प्रावधान

उन्होंने बताया कि कदाचार में शामिल व्यक्तियों के लिए सजा तीन से पांच वर्ष के स्थान पर पांच से दस वर्ष कर दी गई है तथा जुर्माना बढ़ाकर 50 लाख रुपये तक किया गया है। सेवा प्रदाताओं पर अधिकतम जुर्माना एक करोड़ रुपये से बढ़ाकर पांच करोड़ रुपये कर दिया गया है और उन्हें आठ वर्षों तक परीक्षा संचालन से वंचित किया जा सकेगा। निदेशकों और प्रबंधन से जुड़े दोषियों के लिए भी सजा और जुर्माने में वृद्धि की गई है। संगठित अपराध के मामलों में न्यूनतम सजा बढ़ाकर सात वर्ष कर दी गई है तथा जुमार्ना बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये तक करने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि यह कहना गलत है कि 2024 में कानून बनने के बाद कोई कार्रवाई नहीं हुई। पिछले दो वर्षों में इस कानून के तहत 52 एफआईआर दर्ज की गई हैं। इनमें 29 मामले अनुचित साधनों की रोकथाम से जुड़े हैं, जबकि 23 मामले भारतीय न्याय संहिता के विभिन्न प्रावधानों के अंतर्गत दर्ज किए गए हैं।

राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक राज्यसभा में ध्वनि मत से पारित

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के अपमान के लिये दंड का प्रावधान करने से संबंधित राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक को राज्यसभा ने विपक्ष के बहिर्गमन के बीच बुधवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया। विपक्ष के सदस्यों ने विधेयक के कुछ प्रावधानों में संशोधन के प्रस्ताव दिये थे लेकिन उनके सदन में मौजूद नहीं होने के कारण इन्हें पेश नहीं किया जा सका।

उप सभापति हरिवंश ने स्थगन के बाद सदन की कार्यवाही शुरू करते हुए विधेयक पर चर्चा शुरू करने को कहा। कांग्रेस सहित विपक्ष के सदस्यों ने गृह मंत्री अमित शाह के सदन में आने की मांग करते हुए शोर शराबा किया और बाद में वह सदन से बहिर्गमन कर गये। इससे पहले कुछ विपक्षी दलों के सदस्यों ने विधेयक पर अपनी संक्षिप्त बात भी रखी। विधेयक पर संक्षिप्त चर्चा और गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के संक्षिप्त जवाब के बाद सदन ने विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया।

यह विधेयक 1971 के राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम में संशोधन करता है। यह कानून राष्ट्रीय ध्वज, देश के संविधान और राष्ट्रगान के अपमान के लिए सजा का प्रावधान करता है। इस कानून में राष्ट्रगान (जन गण मन) के गायन को जानबूझकर रोकने या राष्ट्रगान गाने वाली सभा में रुकावट पैदा करने को दंडनीय अपराध बताया गया है और इनके लिए तीन वर्ष के कारावास, जुमार्ने या दोनों सजा का प्रावधान करता है। दूसरी बार या उसके बाद जितनी बार भी इस तरह का अपराध साबित होगा इसके लिए कम से कम एक वर्ष के कारावास की सजा होगी। यह विधेयक इन प्रावधानों को अब राष्ट्रीय गीत (वंदे मातरम्) पर भी लागू करता है।

अभी वंदे मातरम् के गायन से संबंधित अपमान को रोकने के लिए कोई विशिष्ट विधिक प्रावधान नहीं है। यह संशोधन विधेयक इसलिए लाया गया है जिससे राष्ट्रीय गीत के अपमान को दंडनीय अपराध बनाया जा सके। विधेयक पारित किये जाने के बाद सदन में सदस्यों ने विशेष उल्लेख के तहत विभिन्न विषयों पर अपनी बात रखी जिसके बाद सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गयी।

मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ वारंट, जारी, अगली सुनवाई 19 सितंबर को

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब में संगरूर की जिला अदालत ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ वारंट जारी किया है। उन्हें अदालत में पेश होने का आदेश दिया गया है। मामले की सुनवाई 19 सितंबर को होगी। खरगे के वकील एडवोकेट ललित गर्ग ने बताया कि यह मामला 2023 का है, जब संगरूर निवासी हितेश भारद्वाज (बजरंग दल सदस्य) ने खरगे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। खरगे पर आरोप है कि उन्होंने कर्नाटक विधानसभा चुनाव के घोषणापत्र में बजरंग दल पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने बजरंग दल की तुलना पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन पीएफआई से की थी और कहा था कि सत्ता में आने पर वे इस संगठन पर प्रतिबंध लगा देंगे।

पहले यह मामला सिविल प्रकृति का था, जिसमें मल्लिकार्जुन खरगे के वकील पेश हुए थे। अब कोर्ट ने इसे आपराधिक मामला बना दिया है। यदि खरगे इस मामले में पेश नहीं होते हैं, तो अदालत उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट भी जारी कर सकती है। मामले की अगली सुनवाई 19 सितंबर को निर्धारित की गई है।

रेल सुरक्षा रेल सुरक्षा में बड़ा सुधार, चालू वित्त वर्ष में अब तक केवल दो बड़ी रेल दुर्घटनाएं

2,569 रूट किलोमीटर पर लागू हुआ कवच 4.0

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने कहा है कि सुरक्षा उपायों, आधुनिक प्रौद्योगिकी, बेहतर बुनियादी ढांचे और उन्नत रखरखाव व्यवस्था के कारण रेल दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। वर्ष 2026-27 में जून तक केवल दो गंभीर रेल दुर्घटनाएं दर्ज की गई हैं, जबकि 2014-15 में इनकी संख्या 135 थी। इसी अवधि में दुर्घटना सूचकांक भी घटकर 0.01 रह गया है। रेलवे ने दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा जैसे व्यस्त रेल मार्गों पर स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली कवच 4.0 को 2,569 रूट किलोमीटर पर सफलतापूर्वक लागू कर दिया है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि वर्ष 2025-26 में कांसिक्वेंशल रेल दुर्घटनाओं की संख्या घटकर 16 रह गई, जो 2014-15 की तुलना में 88 प्रतिशत कम है। चालू वित्त वर्ष 2026-27 में जून तक केवल दो ऐसी दुर्घटनाएं हुई हैं। दुर्घटना सूचकांक भी 2014-15 के 0.11 से घटकर 2025-26 में 0.01 रह गया, जो 91 प्रतिशत की कमी दर्शाता है।

उन्होंने बताया कि रेलवे में सुरक्षा संबंधी व्यय लगातार बढ़ाया गया है। वर्ष 2013-14 में यह 39,200 करोड़ रुपये था, जो 2026-27 के बजट में बढ़कर 1.20 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। रेलवे ने 6,671 स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग और पूर्ण ट्रैक सर्किटिंग, 10,395 लेवल क्रॉसिंग पर इंटरलॉकिंग, आधुनिक रेल पटरियों, लंबी रेल पैनलों, अल्ट्रासोनिक फ्लॉ डिटेक्शन, ट्रैक रिकॉर्डिंग प्रणाली तथा अन्य तकनीकों को अपनाकर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया है।

रेल मंत्री ने कहा कि जनवरी 2019 तक ब्रॉड गेज नेटवर्क से सभी मानव रहित रेलवे फाटकों को समाप्त कर दिया गया है। इसके अलावा एलएचबी कोचों का निर्माण, रेलवे पुलों का नियमित निरीक्षण, अग्नि सुरक्षा प्रणाली, आधुनिक सिग्नलिंग, ट्रैक मशीनों के उपयोग और कर्मचारियों के नियमित प्रशिक्षण जैसे कदम भी सुरक्षा बढ़ाने में सहायक रहे हैं।

उन्होंने बताया कि कवच भारत में विकसित स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली है, जो लोको पायलट द्वारा निर्धारित गति सीमा का पालन नहीं करने पर स्वतः ब्रेक लगाकर दुर्घटनाओं की संभावना कम करती है। जुलाई 2024 में स्वीकृत कवच संस्करण 4.0 में बेहतर लोकेशन सटीकता, बड़े यार्डों में सिग्नल की अधिक सटीक जानकारी और इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली के साथ सीधा समन्वय जैसी नई सुविधाएं जोड़ी गई हैं।

वैष्णव ने कहा कि इस वर्ष 20 जुलाई तक देश के सबसे व्यस्त रेल मार्ग दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा पर कुल 2,569 रूट किलोमीटर पर कवच 4.0 का सफलतापूर्वक संचालन शुरू हो चुका है। इसके अलावा 21,858 रूट किलोमीटर पर ट्रैक साइड कवच कार्य प्रगति पर है।

संक्षिप्त खबरें

विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर निःशुल्क शिविर आयोजित, 90 मरीजों की हुई जांच

बोकारो। विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर बोकारो जनरल अस्पताल के मेडिसिन विभाग द्वारा निःशुल्क फाइब्रोस्कैन जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। दिनभर चले इस शिविर का उद्घाटन कार्यकारी निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं ने मुख्य चिकित्सा अधिकारियों, वरिष्ठ चिकित्सकों और अस्पताल के अधिकारियों व कर्मचारियों की गरिमामयी उपस्थिति में किया। फाइब्रोस्कैन जांच के जरिए लिवर की स्टिफनेस (कड़ापन) का सटीक आकलन किया जाता है। यह जांच विशेष रूप से मधुमेह, मोटापा, अत्यधिक शराब के सेवन, क्रोनिक हेपेटाइटिस-बी तथा सी संक्रमण से पीड़ित फैटी लिवर के मरीजों के लिए अत्यंत उपयोगी है। चिकित्सकों के अनुसार, यह एक त्वरित, दर्दरहित और बिना किसी चीरे-टांके वाली (नॉन-इनवेसिव) जांच है, जो क्रोनिक लिवर रोगों की पहचान के लिए सामान्य अल्ट्रासोनोग्राफी की तुलना में अधिक उन्नत तकनीक मानी जाती है। इससे गंभीर लिवर बीमारियों का शुरूआती चरण में ही पता लगाकर समय पर इलाज संभव हो पाता है। शिविर के दौरान उपस्थित वरिष्ठ चिकित्सकों ने कहा कि लिवर रोगों की समय पर पहचान से उनका प्रभावी उपचार किया जा सकता है। उन्होंने आम लोगों से बीजीएच में उपलब्ध इस सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। शिविर के दौरान लगभग 90 मरीजों की चिकित्सकों द्वारा फाइब्रोस्कैन मशीन से जांच की गई।

युवक के साथ मारपीट कर तीन हजार रुपए छीने, मामला दर्ज

बोकारो। हरला थाना क्षेत्र अंतर्गत सेक्टर-9बी में एक युवक के साथ मारपीट करने और उसकी जेब से 3,000 रुपए छीन लेने का मामला प्रकाश में आया है। घटना को लेकर पीड़ित के पिता रघुनाथ महतो ने हरला थाना प्रभारी को लिखित आवेदन देकर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। लिखित शिकायत के अनुसार, 28 जुलाई की रात करीब 7:40 बजे पीड़ित आतिश कुशवाहा अपनी स्कूटी से सेक्टर-4 से घर लौट रहा था। इसी दौरान बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) के समीप एक अपाचे बाइक पर सवार तीन युवकों ने उसका पीछा करना शुरू कर दिया। जब आतिश अपने आवास सेक्टर-9बी (स्ट्रीट-12, क्वार्टर नंबर-337) पहुंचा, तो पीछा कर रहे तीनों युवक भी वहां आ धमके और उसे घेरकर गाली-गलौज करने लगे। आतिश द्वारा विरोध किए जाने पर आरोपियों ने फोन करके अपने तीन अन्य साथियों को भी मौके पर बुला लिया और जान से मारने की नीयत से मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित परिवार का आरोप है कि हमलावरों में शामिल छोटू यादव ने आतिश की जेब से 3,000 रुपए निकाल लिए, जबकि बंटी यादव नामक युवक ने उसका गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया। पीड़ित परिवार ने बताया कि यह पूरी वारदात पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसके फुटेज से आरोपियों की पहचान आसानी से की जा सकती है।

यूरिया की कालाबाजारी करनेवालों पर प्रशासन कसेगा नकेल

अधिक दाम वसूलने और जमाखोरी करने वाले जाएंगे जेल, डीसी ने दिया निर्देश

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। जिले में किसानों को यूरिया उर्वरक की कालाबाजारी और सरकार द्वारा तय दरों से अधिक मूल्य पर बिक्री की मिल रही शिकायतों को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा ने बेहद गंभीरता से लिया है। विभिन्न स्रोतों से किसानों द्वारा प्राप्त सूचनाओं के अनुसार, कुछ उर्वरक विक्रेताओं द्वारा यूरिया खाद की कृत्रिम किल्लत पैदा कर उसकी जमाखोरी की जा रही है और उसे निर्धारित मूल्य से मनमाने दामों पर अवैध रूप से बेचा जा रहा है। मामले की संवेदनशीलता और गंभीरता को देखते हुए उपायुक्त ने अनुमंडल पदाधिकारी चास एवं तेनुघाट के साथ-साथ जिले के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों (बीडीओ) को तत्काल अपने-

अपने क्षेत्रों में उर्वरक दुकानों, गोदामों की बिक्री एवं भंडारण की सघन जांच करने का सख्त निर्देश दिया है।

उपायुक्त ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जांच के दौरान यदि कोई भी उर्वरक विक्रेता निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर यूरिया बेचता, जमाखोरी करता या किसी भी प्रकार की कालाबाजारी में संलिप्त पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश तथा अन्य सुसंगत कानूनी प्रावधानों के तहत तुरंत प्राथमिकी दर्ज कर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

उपायुक्त ने सभी जांच अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में की गई त्वरित कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट जल्द से जल्द उपलब्ध कराने के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही जिला कृषि अधिकारी को पूरी व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा पूरे जिले में हुई जांच और प्रशासनिक कार्रवाई से संबंधित समेकित प्रतिवेदन जमा करने का निर्देश दिया गया है, ताकि कालाबाजारी के इस पूरे नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त किया जा सके। मामले पर अपना सख्त रुख स्पष्ट करते हुए उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि जिले के किसानों को सरकार द्वारा निर्धारित उचित दर पर पर्याप्त मात्रा में खाद व उर्वरक उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने साफ लहजे में कहा कि अन्नदाताओं के हितों के साथ किसी भी प्रकार की अनियमितता, धोखाधड़ी, जमाखोरी या अवैध कालाबाजारी को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ कठोरतम कदम उठाए जाएंगे।

हाइवा की टक्कर से स्कॉर्पियो सवार तीन लोग घायल, दो की हालत गंभीर

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। जिले के जरीडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत कल्याणपुर के समीप एनएच-23 पर बुधवार दोपहर करीब 3 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। रांची से धनबाद की ओर जा रही एक स्कॉर्पियो गाड़ी को सामने से आ रहे बेकाबू हाइवा ने जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण दुर्घटना में स्कॉर्पियो सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान रांची के बरियातू स्थित वृन्दावन कॉलोनी निवासी संजीत कुमार तथा चिरोंजी निवासी मुन्ना कुमार और मनीष कुमार के रूप में हुई है। दुर्घटना में स्कॉर्पियो के आगे बैठे मनीष और मुन्ना के सिर में गंभीर चोटें आई हैं, जिससे उनकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैनामोड़ की दिशा से आ रहे तेज रफ्तार और अनियंत्रित हाइवा ने टर्निंग प्वाइंट पर रांची की तरफ से आ रही स्कॉर्पियो (जेएच-01बीएन-5338) को सामने से सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कॉर्पियो घूमकर सड़क के बीचों-बीच आ खड़ी हुई और उसका अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद चालक हाइवा लेकर मौके से फरार हो गया। घायलों ने बताया कि लगभग एक महीने पूर्व धनबाद के कतरास में संजीत की बहन की शादी हुई थी। तीनों लोग उसे ही लाने के लिए कतरास जा रहे थे कि रास्ते में यह हादसा हो गया। घटना की सूचना मिलते ही जरीडीह थाना के एसआई संजीव कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को तुरंत इलाज के लिए जैनामोड़ रेफरल अस्पताल भिजवाया। दुर्घटनाग्रस्त वाहन के सड़क के बीच में होने के कारण कुछ देर के लिए यातायात बाधित रहा, जिसे हटाने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। जरीडीह पुलिस फरार हाइवा और उसके चालक की पहचान कर आगे की कानूनी कार्रवाई में जुट गई है।

बीएसएल के परियोजना विभाग में सुरक्षा सम्मान समारोह, 11 कर्मी पुरस्कृत

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र के परियोजना विभाग द्वारा अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में सुरक्षा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कार्यस्थल पर सुरक्षा के प्रति जागरूकता को सुदृढ़ करना, सुरक्षित कार्यप्रणाली को बढ़ावा देना तथा सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले कर्मियों का उत्साहवर्धन करना था।

कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ अधिशासी निदेशक, परियोजना द्वारा किया गया।

अपने संबोधन में उन्होंने कार्यस्थल पर निर्धारित सुरक्षा मानकों एवं प्रक्रियाओं के निरंतर अनुपालन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कर्मियों को दैनिक कार्यों में सजगता, सतर्कता और सुरक्षित

कार्य व्यवहार को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित किया। समारोह के दौरान परियोजना विभाग के अंतर्गत पांच जोन के नौ श्रमिकों को उनकी उत्कृष्ट व सुरक्षित कार्यप्रणाली और सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता के लिए सम्मानित किया गया। इसके अलावा परियोजना सुरक्षा विभाग के दो कर्मियों को भी सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने में विशेष योगदान हेतु पुरस्कृत किया गया। संयंत्र में जीरो हार्म और सुरक्षा सर्वोपरि की संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में यह आयोजन बेहद सराहनीय रहा। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

संगीत और कला से होता है व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास : ऋषभ

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। दिल्ली पब्लिक स्कूल चास में बुधवार को चार दिवसीय अंतर सदन सांस्कृतिक महोत्सव आविर्भाव का शानदार शुभारंभ हुआ। पहले दिन आयोजित वाद्य यंत्र प्रतियोगिता में विद्यालय के चारों सदनों के विद्यार्थियों ने तबला, की-बोर्ड, गिटार, बांसुरी, ड्रम्स, कोंगो और डरबुक्का जैसे वाद्यों पर अपनी सुरमयी प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि जैप-4 के समादेष्टा (कमांडेंट) सह आईपीएस अधिकारी ऋषभ कुमार झा, प्राचार्या डॉ. मनीषा तिवारी और डी.एस. मेमोरियल सोसाइटी के सचिव सुरेश अग्रवाल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

मुख्य अतिथि श्री झा, जिन्हें असाधारण वीरता के लिए दो बार

राष्ट्रपति वीरता पुरस्कार मिल चुका है, ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सांस्कृतिक गतिविधियां बच्चों में अनुशासन, धैर्य, रचनात्मकता और आत्मविश्वास का विकास करती हैं।

उन्होंने प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान विद्यार्थियों को करियर और सफलता के उपयोगी टिप्स भी दिए। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में द पेंटेकोस्टल असेंबली स्कूल के प्रसेनजीत शर्मा, जीजीपीएस सेक्टर-5 के संजीव मजूमदार और एमजीएम स्कूल के अश्विनी कुमार शामिल थे। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर सतलज सदन ने प्रथम, जमुना सदन ने द्वितीय तथा गंगा और चेनाब सदन ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रो वाइस चेयरमैन राजेश अग्रवाल, प्राचार्या डॉ. मनीषा तिवारी और सोसाइटी के सचिव सुरेश अग्रवाल ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ ने सीजीएम को मांगपत्र सौंपा

आधुनिकीकरण और रिकॉर्ड उत्पादन के बावजूद बुनियादी सुविधाओं के अभाव पर यूनियन ने जताई चिंता

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र के एसएमएस-1 विभाग में कार्यरत गैर-कार्यपालक कर्मचारियों की गंभीर समस्याओं को लेकर बुधवार को 'बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ' के प्रतिनिधिमंडल ने एसएमएस-1 के मुख्य महाप्रबंधक के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। वार्ता के दौरान यूनियन ने कर्मचारियों से जुड़ी 21 प्रमुख समस्याओं और मांगों को विस्तार से रखते हुए एक माह के भीतर उनके समयबद्ध समाधान की मांग की। यूनियन प्रतिनिधियों ने सीजीएम का ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा कि आधुनिकीकरण के बाद एसएमएस-1 संयंत्र का सबसे आधुनिक विभाग बन चुका है और यहां उत्पादन के नए-नए कीर्तिमान स्थापित हो रहे हैं। इसके बावजूद वहां कार्यरत कर्मचारियों को

पेयजल, शौचालय, जर्जर सड़कों, जल निकासी, सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग, क्षतिग्रस्त छत, फ्लाई डस्ट, बाथरूम और रेस्ट रूम जैसी मूलभूत सुविधाओं की किल्लत से जूझना पड़ रहा है। बैठक के दौरान यूनियन ने कास्टर मैकेनिकल सेक्शन में चार्जमैन के रिक्त पदों को अविलंब भरने, कनिष्ठ कर्मचारियों से शटडाउन लेने की व्यवस्था को स्पष्ट करने तथा ड्यूटी समाप्ति के बाद कर्मचारियों को बेवजह रोके जाने की प्रथा पर रोक लगाने की मांग उठाई। इसके साथ ही बंद किए गए एक्टिंग अलाउंस एवं इंसेंटिव की समीक्षा करने, ठेका कंपनी 'प्रोटेक्टिव इंजीनियरिंग' में स्थायी सुपरवाइजर की नियुक्ति करने तथा कर्मचारी लक्ष्मीधर अधिकारी को कथित रूप से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए बाध्य किए जाने के मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराने का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया।

सिविल सर्जन के खिलाफ धरना कल, निलंबन और तबादले की मांग

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। बोकारो जिला सिविल सर्जन डॉ० अभय भूषण प्रसाद के खिलाफ आगामी 31 जुलाई को सिविल सर्जन कार्यालय के समक्ष संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले एक दिवसीय महाधरना दिया जाएगा। इस प्रदर्शन के जरिए भ्रष्टाचार व मनमानी के आरोपी सिविल सर्जन को तत्काल निलंबित कर उनका स्थानांतरण करने की मांग की जाएगी। चास के बायपास रोड स्थित एक स्थान पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कार्यक्रम की संयोजक गायत्री देवी महतो ने यह जानकारी दी। श्रीमती महतो ने कहा कि इस संबंध में महामहिम राज्यपाल, मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, मुख्य सचिव, स्वास्थ्य सचिव और उपायुक्त बोकारो को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की जा चुकी है, लेकिन आठ महीने बीतने के बाद भी कोई कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सिविल सर्जन का आवासीय परिसर भ्रष्टाचार का केंद्र बना हुआ है और वहां लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच होनी चाहिए। सदर अस्पताल में रैबीज इंजेक्शन सहित अन्य जीवनरक्षक दवाइयों की भारी किल्लत है तथा आयुष्मान भारत योजना समेत अन्य योजनाओं में अनियमितताएं बरती जा रही हैं। मौके पर नगर विकास समिति के अध्यक्ष अभय कुमार मुन्ना, झारखंड पेंशनर्स कल्याण समाज के जिलाध्यक्ष बालकृष्ण मुरारी, झारखंड गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी के प्रधान जसमीत सिंह सोढ़ी, अशोक जगनानी, प्रमोद कुमार, विकास कुमार महतो, अशोक कुमार महतो, अतीश कुमार सिंह, जितेंद्र प्रसाद सिंह, मीरा देवी, विक्रम कुमार, अभिषेक कुमार व सोनू कुमार सहित कई अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

बोकारो में 'पीटर थंगराज मेमोरियल' ग्रामीण युवा फुटबॉल चैंपियनशिप शुरू

एशिया के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर की याद में हो रहा आयोजन, 8 टीमें ले रहीं हिस्सा

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा एवं नागरिक सुविधाएं विभाग के तत्वावधान में बुधवार से 'पीटर थंगराज मेमोरियल' ग्रामीण युवा फुटबॉल चैंपियनशिप 2026-27 का शानदार आगाज हुआ। बोकारो के परिधीय ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं में खेल भावना को बढ़ावा देने, सामुदायिक सहभागिता को सुदृढ़ करने तथा उभरती फुटबॉल प्रतिभाओं को बेहतर मंच प्रदान करने के उद्देश्य से यह प्रतियोगिता 29 जुलाई से 2 अगस्त 2026 तक आयोजित की जा रही है। इस टूनामेंट का विधिवत उद्घाटन बीएसएल के निदेशक प्रभारी ने संयंत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में किया। यह टूनामेंट बोकारो इस्पात संयंत्र के भूतपूर्व कर्मचारी (1976-1997), अर्जुन

पुरस्कार से सम्मानित, पूर्व ओलंपियन फुटबॉलर तथा वर्ष 1958 में 'एशिया के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर' चुने गए स्वर्गीय पीटर थंगराज की पावन स्मृति में आयोजित किया जा रहा है। चैंपियनशिप में बोकारो ग्रामीण फुटबॉल चैंपियनशिप 2025-26 की क्वार्टर फाइनलिस्ट 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इनमें भर्रा एकादश, तुपकाडीह, परटांड, झोपड़ो, नरकरा, राधानगर, शिबुटांड़ और सेल फुटबॉल अकादमी की टीम शामिल हैं।प्रतियोगिता का आगाज 29 जुलाई को राउंड ऑफ-8 के मुकाबलों के साथ हुआ। खेले गए मैचों में भर्रा ने नरकरा को 2-1 से हराया, सेल फुटबॉल अकादमी ने तुपकाडीह पर 9-0 से एकतरफा जीत दर्ज की, परटांड़ ने झोपड़ो को 2-0 से शिकस्त दी तथा राधानगर ने शिबूटांड़ को 2-1 से पराजित किया।

बोकारो — नाकामी को अपनी कमजोरी नहीं, कामयाबी की सीढ़ी बनाएं : शुभम

यूपीएससी में 142वीं रैंक लाकर आईएएस चुने गए डीपीएस बोकारो के पूर्व छात्र ने अपने जूनियरों का किया मार्गदर्शन

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। असफलता सफलता की सीढ़ी है। नाकामी से घबराने, हताश होने या निराशा में डूबने की बजाय इसे अपनी ताकत बनाएं। हर बार की विफलता कुछ न कुछ सिखाती है तथा और अधिक बेहतर करने के लिए प्रेरित करती है। यह कहना है संघ लोकसेवा आयोग (यूपीएससी) सिविल सर्विस परीक्षा 2025 में ऑल इंडिया रैंक 142 लाकर आईएएस के लिए चुने गए डीपीएस बोकारो के पूर्व छात्र शुभम कुमार महतो का। वर्ष 2015 बैच के पूर्व छात्र शुभम बुधवार को अपनी उक्त कामयाबी के बाद अपने विद्यालय पहुंचे तथा

पुरानी यादें साझा कीं। उन्होंने अपनी सफलता के पीछे के लंबे संघर्ष से बच्चों को रू-ब-रू कराया और इसके जरिए उनका मार्गदर्शन किया। अतिथि व्याख्यान कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को उन्होंने बताया कि यूपीएससी में उन्होंने पहले भी सफलता पाई थी, लेकिन आईएएस नहीं मिल सका था। प्रत्यक्ष राष्ट्रसेवा के ध्येय से आईएएस बनना उनका सपना और उनकी जिद थी, जिसके लिए उन्होंने कभी हार न मानी। पहली बार की विफलता के बाद ब्रेक लेकर खूब मेहनत की, अध्ययन किया और चार बार के प्रयासों के बाद अंततः पांचवीं बार उन्होंने अपना मुकाम हासिल कर लिया। इसलिए, कभी भी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। शुभम ने बच्चों से कहा कि चाहे वह यूपीएससी हो या कोई और परीक्षा, अपना एक लक्ष्य तय कर खुद पर भरोसा रखते हुए उसे पाने के लिए पूरी लगन और मेहनत से तैयारी करें। इस दिशा में स्वयं पर पूर्ण विश्वास तथा खुद के साथ ईमानदारी जरूरी है। जब आप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास जारी रखेंगे, तो एक न एक दिन कामयाबी जरूर आपके कदम चूमेगी।

शिक्षक आपको पढ़ाएंगे, ट्रिक्स देंगे, लेकिन निरंतर अभ्यास आपको स्वयं करना होगा। शुभम ने विद्यार्थियों को मोबाइल और इंटरनेट के संतुलित इस्तेमाल की प्रेरणा देते हुए कहा कि अगर इसका सही इस्तेमाल करें तो यह आपकी पढ़ाई में सहायक बन सकता है। यदि दुरुपयोग करेंगे तो यह कामयाबी की राह में आज के दौर का सबसे बड़ा रोड़ा साबित हो सकता है। इस क्रम में छात्र-छात्राओं ने अपने सीनियर शुभम के साथ सीधे सवाल-जवाब भी किए और अपनी जिज्ञासाएं शांत कीं। यूपीएससी की तैयारी के तौर-तरीके, अन्य करियर विकल्पों के साथ इसकी तुलना आदि विषयों पर बच्चों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देकर शुभम ने उनका मार्गदर्शन किया।

विद्यार्थियों में सेवा-भावना और नेतृत्व क्षमता बढ़ाएगा रोटरी का इंटरेक्ट क्लब का गठन

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। रोटरी क्लब चास की ओर से समाजसेवा एवं युवा नेतृत्व को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल (जीजीपीएस) चास में इंटरेक्ट क्लब का औपचारिक गठन किया गया। इस अवसर पर आयोजित एक गरिमामय समारोह में नवगठित इंटरेक्ट क्लब की अध्यक्ष यशिका एवं सचिव शीतल कुमारी को आधिकारिक चार्टर सर्टिफिकेट प्रदान किया गया।।कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता उपस्थित जोनल यूथ चेयर श्वेता रस्तोगी ने विद्यार्थियों को इंटरेक्ट क्लब के उद्देश्यों, सेवा कार्यों, नेतृत्व विकास तथा सामाजिक उत्तरदायित्व की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने

कहा कि इंटरेक्ट क्लब विद्यार्थियों में सेवा भावना, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक दायित्वों के प्रति सजगता विकसित करने का एक बेहतरीन माध्यम है। विद्यालय प्रबंधन ने रोटरी क्लब चास की इस पहल की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया और विश्वास जताया कि इंटरेक्ट क्लब के जरिए छात्र-छात्राएं समाजोपयोगी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे और अपने व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करेंगे। इस अवसर पर रोटरी क्लब चास के अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, सचिव विनोद चोपड़ा, सहायक मंडल अध्यक्ष पूजा बैद, ललिता चोपड़ा, संजय बैद, विद्यालय की प्राचार्या सुमन नांगिया, नरेंद्र सिंह, कुमार अमरदीप, ज्योति झा व अरविंद कुमार सहित कई शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

पुटकी से कांवरियों के जत्थे को जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह ने किया रवाना

धनबाद। जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती शारदा सिंह ने बुधवार को पुटकी स्थित शिव मंदिर परिसर में नंदी सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित निःशुल्क कांवरिया सेवा शिविर से कांवरियों के जत्थे को राजबाड़ा, कटोरिया के लिए रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना कर सभी श्रद्धालुओं की सुखद, सुरक्षित एवं मंगलमय यात्रा की कामना की। श्रीमती शारदा सिंह ने कहा कि भगवान शिव के प्रति अटूट श्रद्धा और विश्वास के साथ निकाली जाने वाली कांवर यात्रा आस्था, सेवा और समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य है। उन्होंने ट्रस्ट के सभी पदाधिकारियों एवं स्वयंसेवकों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सेवा कार्य सामाजिक एकता और मानवता की भावना को सुदृढ़ करते हैं। इस अवसर पर धनबाद विधायक राज सिन्हा, डुमरी विधायक जयराम महतो, विजय झा, नंदी सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष जितेंद्र यादव सहित ट्रस्ट के पदाधिकारी, सदस्य तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने कांवरियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी सफल एवं सुरक्षित यात्रा की शुभकामनाएं दीं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का गुरु दक्षिणा कार्यक्रम संपन्न, राष्ट्रसेवा का लिया संकल्प

सिंदरी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विवेकानंद शाखा द्वारा सरस्वती विद्या मंदिर, सिंदरी में गुरु दक्षिणा कार्यक्रम का श्रद्धापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों ने सहभागिता करते हुए भगवा ध्वज के समक्ष गुरु दक्षिणा अर्पित की और राष्ट्रसेवा के प्रति अपनी निष्ठा दोहराई। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवा ध्वज को प्रणाम कर किया गया। इस अवसर पर धनबाद विभाग प्रमुख एवं विद्या विकास समिति, झारखंड के नीरज कुमार लाल, प्रोफेसर सुधीर कुमार सिंह, विकास गिरि, प्रकाश बाउरी तथा सुनील कुमार पाठक सहित अनेक स्वयंसेवक उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता नीरज कुमार लाल ने अपने संबोधन में गुरु दक्षिणा की परंपरा एवं उसके महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ किसी व्यक्ति विशेष का नहीं, बल्कि राष्ट्र को समर्पित सांस्कृतिक संगठन है। संघ स्वयंसेवकों से केवल आर्थिक सहयोग की अपेक्षा नहीं करता, बल्कि समय, समर्पण, अनुशासन और समाजहित में सक्रिय भागीदारी को अधिक महत्व देता है। उन्होंने स्वयंसेवकों से नियमित शाखा में उपस्थित रहने तथा समाज और राष्ट्र के नव निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी स्वयंसेवकों ने श्रद्धा एवं समर्पण के साथ गुरु दक्षिणा अर्पित की और राष्ट्रहित में कार्य करने का संकल्प दोहराया। अंत में संघ प्रार्थना के साथ कार्यक्रम का शांतिपूर्ण एवं गरिमामय समापन हुआ।

गुरु पूर्णिमा पर संतमत सत्संग आश्रम पहुंचीं भाजपा नेत्री तारा देवी, संतों का लिया आशीर्वाद

सिंदरी। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर सिंदरी स्थित संत सद्गुरु महर्षि मेंहीं आश्रम में आयोजित संतमत सत्संग कार्यक्रम में भाजपा झारखंड प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं सिंदरी की लोकप्रिय भाजपा नेत्री श्रीमती तारा देवी शामिल हुईं। उन्होंने आश्रम पहुंचकर संत-महात्माओं का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा परमहंस जी महाराज के श्रीचरणों में श्रद्धापूर्वक नमन कर उनका आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर आश्रम परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया। तारा देवी ने कहा कि गुरु भारतीय संस्कृति के मार्गदर्शक होते हैं और उनके बताए आदर्शों का अनुसरण कर ही समाज में सद्भाव, सेवा और आध्यात्मिक चेतना का विस्तार किया जा सकता है। सभी के उज्ज्वल भविष्य की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि गुरु का सान्निध्य मनुष्य के जीवन को सही दिशा प्रदान करता है और समाज में सकारात्मक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करता है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं से भी आत्मिक उन्नति, सामाजिक समरसता और राष्ट्रहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आग्रह किया। अंत में उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं देते हुए संतों का आशीर्वाद प्राप्त किया।

आषाढ़ी पूजा महोत्सव में भाजपा नेत्री तारा देवी ने की मां शीतला की आराधना

सिंदरी। सिंदरी विधानसभा क्षेत्र के मनोहरटांड़ स्थित शीतला माता मंदिर में आयोजित श्री श्री वार्षिक आषाढ़ी पूजा महोत्सव में भाजपा झारखंड प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं सिंदरी की लोकप्रिय भाजपा नेत्री श्रीमती तारा देवी श्रद्धापूर्वक शामिल हुईं। उन्होंने विधि-विधान से माँ शीतला की पूजा-अर्चना कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। धार्मिक वातावरण में आयोजित इस महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर माँ शीतला के दर्शन किए और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर तारा देवी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में धार्मिक पर्व एवं पूजा-अर्चना समाज को एकता, आस्था और सद्भाव का संदेश देते हैं। उन्होंने माँ शीतला से सिंदरी विधानसभा क्षेत्र सहित समस्त प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और मंगलमय जीवन की प्रार्थना की। उन्होंने कामना की कि माँ शीतला की कृपा से प्रत्येक परिवार में सुख-शांति, आनंद और उन्नति का संचार हो तथा समाज निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर रहे। उन्होंने श्रद्धालुओं के साथ पूजा-अर्चना में भाग लेकर धार्मिक परंपराओं के संरक्षण और सामाजिक एकता को मजबूत करने का संदेश भी दिया।

उपायुक्त ने मिड डे मील की गुणवत्ता पर दिया जोर, रागी लड्डू शामिल करने का प्रस्ताव

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में बुधवार को प्रधानमंत्री पोषण योजना के अंतर्गत जिला स्तरीय संचालन एवं अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के सरकारी विद्यालयों में संचालित मध्याह्न भोजन योजना की प्रगति, भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं पारदर्शिता की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि विद्यालयों में बच्चों को परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने भोजन तैयार करने के स्थान, उपयोग में आने वाले बर्तनों

की नियमित सफाई तथा रसोइयों की व्यक्तिगत स्वच्छता सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। साथ ही निर्देश दिया कि सरकार द्वारा निर्धारित साप्ताहिक मीनू के अनुसार ही बच्चों को प्रतिदिन ताजा एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने जिला शिक्षा अधीक्षक को निर्देश दिया कि जिला एवं प्रखंड स्तर पर प्रतिदिन मध्याह्न भोजन योजना की निगरानी सुनिश्चित की जाए। बैठक के दौरान उपायुक्त ने सप्ताह में दो दिन बच्चों को मिड डे मील के साथ रागी के लड्डू उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि रागी पोषण से भरपूर है और इससे बच्चों को ऊर्जा, कैल्शियम तथा आवश्यक पोषक तत्व प्राप्त होंगे। उपायुक्त ने जिले के सभी विद्यालयों में शत-प्रतिशत पोषण वाटिका विकसित करने तथा उपलब्ध कराए गए फलदार पौधों का रोपण सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने प्रत्येक विद्यालय में एक जिम्मेदार व्यक्ति को पौधों की देखभाल के लिए नामित करने को कहा। बैठक में बच्चों के बीच प्लेट-थाली वितरण, विद्यालयों के ऑडिट तथा अन्य महत्वपूर्ण विषयों की भी समीक्षा की गई। इस अवसर पर जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा, जिला शिक्षा अधीक्षक शालिनी डुंगडुंग तथा समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

महापौर संजीव सिंह ने कांवड़िया सेवा शिविर की सामग्री वाहन को दिखाई हरी झंडी

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। खंडेलवाल वैश्य महासंघ झारखंड-बिहार के तत्वावधान में तथा धनबाद जिला खंडेलवाल वैश्य संघ द्वारा कटोरिया-राजबाड़ा में संचालित होने जा रहे कांवड़िया सेवा शिविर के लिए सामग्री से लदे वाहन को धनबाद के महापौर संजीव सिंह ने बुधवार को भगवा ध्वज दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने सेवा कार्य में जुटे सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी पहल बताया। महापौर संजीव सिंह ने कहा कि सावन माह में बाबा बैद्यनाथ धाम जाने वाले कांवड़ियों की सेवा करना अत्यंत पुण्य और धार्मिक कार्य है। उन्होंने कहा कि धनबाद जिला खंडेलवाल वैश्य संघ द्वारा पूरे सावन माह संचालित किया जाने वाला यह सेवा शिविर संगठन के मूल मंत्र सेवा, सद्भाव, समर्पण को समाज को अर्पण को सार्थक रूप से चरितार्थ करता है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को इस जनसेवा अभियान के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में धनबाद जिला खंडेलवाल वैश्य संघ के संरक्षक ओमप्रकाश कायथवाल, पवन खंडेलवाल, शंकरलाल दुसाध, अध्यक्ष सुनील डंगायच, सचिव आनंद खुटेटा तथा कोषाध्यक्ष श्याम कानूनगो उपस्थित रहे। युवा कार्यकर्ताओं में पंकज खुटेटा, रमन मेठी, आनंद घीया, नितिन कुलवाल, नवलकिशोर खंडेलवाल, संजय घीया एवं राकेश घीया सहित अनेक सदस्य मौजूद थे।

मजदूर मसीहा स्वर्गीय बच्चा सिंह की दूसरी पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। सरायढेला स्थित हर्ष विहार कॉलोनी के आवास सर्वोदय में झारखंड सरकार के प्रथम नगर विकास एवं आवास मंत्री तथा मजदूर मसीहा के रूप में विख्यात स्वर्गीय बच्चा सिंह की दूसरी पुण्यतिथि भावपूर्ण वातावरण में मनाई गई। इस अवसर पर विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, मजदूर संगठनों के प्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 10 बजे भजन-कीर्तन से हुई, जिससे पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। जनता मजदूर संघ की अध्यक्षा एवं झरिया की पूर्व विधायक श्रीमती पूर्णिमा नीरज सिंह तथा महासचिव अभिषेक सिंह ने सबसे पहले श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके बाद स्वर्गीय बच्चा सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती शिवकुमारी सिंह परिवार के सदस्यों

के साथ श्रद्धांजलि देने पहुंचीं, जिससे माहौल भावुक हो उठा। संघ के संयुक्त महासचिव एवं पूर्व महापौर एकलव्य सिंह सहित परिवार के अन्य सदस्यों ने भी उन्हें नमन किया। धनबाद नगर निगम के प्रथम महापौर स्वर्गीय नीरज सिंह की माताजी श्रीमती सरोजनी सिंह, हर्ष सिंह, आदर्श सिंह, शिवानी सिंह तथा अन्य परिजनों ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा में राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन के ए.के. झा, सीटू के ए.एम. पाल, जनता दल (यूनाइटेड) के जिला अध्यक्ष पिंटू सिंह, जनता मजदूर संघ के सुग्रीव सिंह, सुभाष सिंह, जी.पी. सिंह, जगदीश सिंह, भुवनेश्वर सिंह, रामकृष्ण पाठक, मृणालकांत सिंह, जटाशंकर सिंह, श्रवण कुमार, कांग्रेस नेता मुख्तार खान, भोला सिंह, रामजी सिंह, प्रीतम रवानी, रमेश यादव, मंटू साव, पूर्व पार्षद रविंद्र प्रसाद, निरंजन कुमार, डब्लू साव, झुन्नू गुप्ता, वेद प्रकाश ओझा, भारतीय मजदूर संघ के बिंदेश्वरी प्रसाद, निताई महतो सहित अनेक लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। उपस्थित सभी लोगों ने स्वर्गीय बच्चा सिंह के व्यक्तित्व, कृतित्व और श्रमिक हितों के प्रति उनके योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

धनबाद में अवैध कोयला कारोबार पर ईडी की बड़ी कार्रवाई, 150 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद/रांची। अवैध कोयला खनन, परिवहन और भंडारण से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने धनबाद में बड़े पैमाने पर छापेमारी कर 150 करोड़ रुपये से अधिक की बैंक जमा, म्यूचुअल फंड एवं अन्य वित्तीय निवेश जब्त किए हैं। मंगलवार सुबह करीब पांच बजे से ईडी की 25 टीमों ने कोयला कारोबारी अनिल गोयल, गणेश यादव, पप्पू मंडल, अनूप चौहान, हरेंद्र चौहान, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रोहित यादव तथा उनके सहयोगियों से जुड़े 25 ठिकानों पर एक साथ कार्रवाई शुरू की, जो देर रात तक जारी रही। छापेमारी के दौरान ईडी को लगभग डेढ़ करोड़ रुपये नकद भी मिले हैं। इसके अतिरिक्त बड़ी संख्या में अचल संपत्तियों से संबंधित बिक्री विलेख बरामद हुए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 500

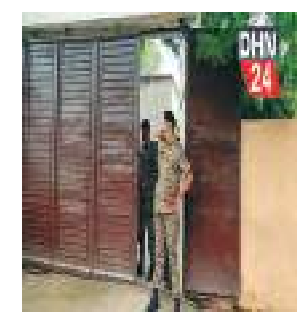

करोड़ रुपये बताई जा रही है। ईडी सभी दस्तावेजों, निवेश संबंधी अभिलेखों तथा संपत्तियों के स्वामित्व का सत्यापन कर रही है। जांच पूरी होने के बाद संपत्तियों के वास्तविक मूल्य और मामले की पूरी तस्वीर स्पष्ट होगी। ईडी ने इस कोयला घोटाले से संबंधित चार अलग-अलग प्रवर्तन मामला सूचना प्रतिवेदन दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच एजेंसी को संदेह है कि एलबी सिंह और उनके सहयोगियों ने अवैध कोयला खनन, परिवहन और भंडारण के माध्यम से भारी मात्रा में अवैध संपत्ति अर्जित की है। गौरतलब है कि 21 नवंबर 2025 को भी ईडी ने एलबी सिंह और उनके सहयोगियों के धनबाद एवं दुमका स्थित लगभग 20 ठिकानों पर छापेमारी की थी। उस कार्रवाई में दो करोड़ 20 लाख रुपये नकद तथा 150 से अधिक भूमि संबंधी दस्तावेज बरामद हुए थे। उन्हीं दस्तावेजों के सत्यापन और जांच में मिले साक्ष्यों के आधार पर इस बार व्यापक कार्रवाई की गई है। इधर, मेमको मोड़ स्थित नालंदा कॉटेज में छापेमारी के दौरान एक रोचक स्थिति भी सामने आई। जानकारी के अभाव में ईडी की टीम पहले पड़ोसी के मकान की छत पर सीढ़ी लगाकर पहुंच गई। बाद में पता चला कि वह मकान माधव सिंह का नहीं है। इसके बाद टीम सही आवास पर पहुंची और वहां तलाशी की कार्रवाई शुरू की।

डीएवी पब्लिक स्कूल, सिंदरी में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

झारखंड दर्शन संवाददाता

सिंदरी। डीएवी पब्लिक स्कूल, सिंदरी में लीगल लिटरेसी क्लब के तत्वावधान में द्वितीय विधिक जागरूकता शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके मौलिक अधिकारों, कर्तव्यों तथा बुनियादी कानूनों की जानकारी देकर उन्हें जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनाना था। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को संविधान, न्याय व्यवस्था तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित उपयोगी जानकारियां प्रदान की गईं। साथ ही उन्हें यह भी बताया गया कि लीगल लिटरेसी क्लब के माध्यम से समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों तक कानूनी सहायता और जागरूकता पहुंचाने का कार्य किया जाता है। इस अवसर पर धनबाद जिला न्यायालय से आए विधिक विभाग के प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों के साथ संवाद कर उनके प्रश्नों के उत्तर दिए। कार्यक्रम में डिप्टी चीफ एलएडीसीएस अजय भट्ट, असिस्टेंट एलएडीसीएस नीरज गोयल, पीएलवी हेमराज चौहान एवं आनंद चक्रवर्ती उपस्थित रहे। विद्यालय के प्राचार्य द्विवेन्दु त्रिपाठी ने ऐसे कार्यक्रमों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक बताया। हिंदी शिक्षक अमित महतो ने भी विद्यार्थियों को विधिक जागरूकता का महत्व समझाया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में शिक्षक संदीप कुमार, अभिजीत दत्ता और कालीचरण बनर्जी का विशेष योगदान रहा। इसी अवसर पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में अलिशा वर्मा और संजीव कुमार महतो संयुक्त रूप से प्रथम, प्रियेश चौधरी द्वितीय तथा गौरव प्रसाद तृतीय स्थान पर रहे। अंत में विद्यार्थियों ने कानून और अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का संकल्प लिया।

गुरु पूर्णिमा पर धार्मिक आयोजनों में शामिल हुईं झरिया विधायक रागिनी सिंह

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर झरिया विधायक रागिनी सिंह ने कोयला नगर स्थित श्री साईं मंदिर में आयोजित वार्षिक उत्सव समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरित किया तथा श्री साईं बाबा के श्रीचरणों में नमन कर क्षेत्रवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामना की। उन्होंने कहा कि साईं बाबा का प्रेम, सेवा और मानवता का संदेश समाज को एकजुट करने और आपसी सद्भाव के साथ जीवन जीने की प्रेरणा देता है। इसके पश्चात विधायक रागिनी सिंह कोयला नगर स्थित श्री वेद माता गायत्री मंदिर में आयोजित गुरु पूर्णिमा महोत्सव में भी शामिल हुईं। उन्होंने पूज्य गुरुओं के श्रीचरणों में श्रद्धापूर्वक नमन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया तथा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास और जनकल्याण की कामना की। उन्होंने कहा कि गुरु भारतीय संस्कृति, संस्कार और ज्ञान परंपरा के मूल आधार हैं। गुरु का मार्गदर्शन केवल व्यक्ति का ही नहीं, बल्कि पूरे समाज का जीवन आलोकित करता है। गुरु के आदर्शों और शिक्षाओं को आत्मसात कर ही एक सशक्त, संस्कारित और समरस समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने कहा कि जनसेवा, सामाजिक समरसता और क्षेत्र के समग्र विकास के संकल्प के साथ वह जनता के विश्वास पर सदैव खरा उतरने का प्रयास करती रहेंगी। विधायक रागिनी सिंह ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सभी श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह पर्व गुरुजनों के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का संदेश देता है। अंत में उन्होंने सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए भगवान से क्षेत्र की निरंतर उन्नति और खुशहाली का आशीर्वाद मांगा।

रेलवे के आईबीएस से कॉपर केबल चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। हजारीबाग टाउन रेलवे सुरक्षा बल ने रेलवे के इंटरमीडिएट ब्लॉक सिग्नल से कॉपर केबल चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के चार सदस्यों और चोरी का माल खरीदने वाले दो कबाड़ियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। इस कार्रवाई से पूर्व में दर्ज सात मामलों का भी सफल उद्भेदन हो गया है। 27 जुलाई 2026 की रात लगभग 9:41 बजे नियंत्रण कक्ष से सूचना मिलने पर आरपीएफ एवं अपराध आसूचना शाखा की संयुक्त टीम हजारीबाग टाउन-बेस स्टेशन के बीच स्थित आईबीएस पर पहुंची। वहां चार युवक रेलवे के कॉपर केबल काटते हुए मिले। घेराबंदी कर दो आरोपितों को मौके पर ही दबोच लिया गया, जबकि दो अन्य भाग निकले। छापेमारी के दौरान दोनों फरार आरोपितों को भी गिरफ्तार कर लिया गया। उनके पास से कुल 35 किलोग्राम कॉपर स्ट्रिप एवं तार, जिसकी अनुमानित कीमत 55,500 रुपये है, तथा गैंती, कुल्हाड़ी, हेक्सा ब्लेड, पेचकस, वायर कटर सहित अन्य उपकरण बरामद किए गए। पूछताछ में आरोपितों ने खुलासा किया कि चोरी का कॉपर केबल गया जिले के वजीरगंज स्थित कबाड़ी अजय कुमार कसेरा को बेचते थे। इसके आधार पर संयुक्त छापेमारी में अजय कुमार कसेरा और राजू कुमार के कब्जे से चोरी का रेलवे कॉपर बरामद किया गया। दोनों को रिसीवर के रूप में गिरफ्तार किया गया। वहीं पटना के कुम्हरार टोली निवासी गौरी शंकर की तलाश जारी है, जिसे भी मामले में आरोपित बनाया गया है। आरपीएफ ने चारों मुख्य आरोपितों के विरुद्ध रेलवे संपत्ति अधिनियम, 1966 की धारा 3 के तहत मामला दर्ज किया है। पूछताछ के आधार पर पोस्ट हजारीबाग टाउन में पूर्व में दर्ज कांड संख्या 02/2026 से 07/2026 तक के सभी मामलों का सफलतापूर्वक खुलासा कर लिया गया है।

कार्यक्रम राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर में गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा व उल्लास के साथ संपन्न

माता-पिता ही जीवन के प्रथम गुरु होते हैं

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर, अशोक नगर, धनसार में गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के विशाल सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य सुमंत कुमार मिश्रा ने कहा कि गुरु जीवन में संस्कारों का बीजारोपण करते हैं तथा अज्ञानरूपी अंधकार से ज्ञानरूपी प्रकाश की ओर ले जाते हैं। गुरु केवल पुस्तकीय ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि जीवन जीने की कला भी सिखाते हैं। उन्होंने कहा कि गुरु पूर्णिमा गुरु

के प्रति अटूट श्रद्धा और समर्पण व्यक्त करने का पर्व है, जिसे वेदव्यास जयंती के रूप में भी मनाया जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि माता-पिता ही जीवन के प्रथम गुरु होते हैं। कार्यक्रम के दौरान हिंदी विभाग के शिक्षक राकेश कुमार मिश्रा, रौली सक्सेना एवं पूजा कुमारी ने भी विद्यार्थियों को गुरु के महत्व से अवगत कराया। पूर्व-प्राथमिक एवं प्राथमिक विभाग की छात्राओं ने फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया, जबकि माध्यमिक विभाग के विद्यार्थियों ने 'एकलव्य' नाटक का प्रभावशाली मंचन कर उपस्थित लोगों की खूब सराहना प्राप्त की। सांस्कृतिक कार्यक्रम में पंकज कुमार दुबे, सुष्मिता कौर और स्वागत कुमार ने गुरुदेव कृपा करना गीत की मनमोहक प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं छात्र-छात्राओं में आराध्या कुमारी, श्रेयांशी सिंह, अलका, अंजलि, स्वर्णाभां, वैष्णवी, अन्या, समृद्धि, निशु, अदिति, अंकिता, हर्षिता एवं कृतकी ने स्वरचित कविताएं, गीत और नाट्य प्रस्तुतियां देकर गुरु महिमा का भावपूर्ण चित्रण किया। कार्यक्रम में विद्यालय के उपप्राचार्य मनोज कुमार, उपप्राचार्या लीला सिंह, प्रभारी प्रतिमा चौबे, कमल नयन, पार्थ सारथी सरकार, सुमोना दीक्षित एवं छंदा बनर्जी सहित शिक्षिकाएं रूमा मित्र, अर्चना सिंह, देवश्री गांगुली, सुप्रिया पॉल, आयुषी केसरी, जिज्ञासा भगवानी, स्वर्णिम कुमारी, मीना कुमारी, अर्चना कुमारी, सीमा सिंह तथा आराधना सहित विद्यालय परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन गुरु वंदना और आभार ज्ञापन के साथ हुआ।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव में शामिल हुईं जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह, गुरु परंपरा के महत्व पर दिया बल

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। बरवाअड्डा स्थित दिव्य ज्योति नगर, उदयपुर में दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान, धनबाद द्वारा आयोजित श्री गुरु पूर्णिमा महोत्सव में जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती शारदा सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस अवसर पर संस्थान की ओर से उन्हें धार्मिक अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रीमती शारदा सिंह ने कहा कि गुरु हमारे जीवन के सच्चे पथप्रदर्शक होते हैं। उनके ज्ञान, संस्कार और मार्गदर्शन से ही व्यक्ति का जीवन प्रकाशमय एवं सार्थक बनता है। उन्होंने कहा कि गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व हमें अपने गुरुजनों के

प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने की प्रेरणा देता है तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प भी कराता है। उन्होंने दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा समाज में आध्यात्मिक जागरूकता फैलाने, नैतिक मूल्यों के संवर्धन तथा जनसेवा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा, आपसी सद्भाव और मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं ने गुरु महिमा का गुणगान किया तथा आध्यात्मिक प्रवचनों और भजन-कीर्तन का आनंद लिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं संस्थान के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सुभाषितम्

स्वतंत्र वही हो सकता है जो अपना काम अपने आप कर लेता है। -विनोबा भावे

पेपर लीक पर राजनीति से नहीं बनेगी बात

देश में जब भी किसी बड़ी प्रतियोगी परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होता है तो सबसे पहले लाखों युवाओं के वर्षों के परिश्रम पर पानी फिर जाता है। इसके बाद राजनीतिक बयानबाजी का दौर शुरू होता है। सत्ता पक्ष विपक्ष पर आरोप लगाता है और विपक्ष सरकार को कठघरे में खड़ा करता है। प्रदर्शन होते हैं इस्तीफों की मांग उठती है और कुछ समय बाद कोई नया मुद्दा सामने आते ही पूरा विवाद धीरे-धीरे ठंडा पड़ जाता है। लेकिन जिस मूल समस्या ने लाखों युवाओं का भविष्य दांव पर लगाया था उसका स्थायी समाधान आज तक नहीं निकल पाया है। हाल के घटनाक्रम में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा इसी राजनीतिक दबाव और छात्र आंदोलन के बीच हुआ। सरकार ने इसे परिस्थितियों के अनुरूप लिया गया निर्णय माना तो विपक्ष ने इसे अपनी जीत बताया। लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या किसी मंत्री के इस्तीफा देने भर से पेपर लीक की समस्या समाप्त हो जाएगी। यदि उत्तर नहीं है तो फिर देश को केवल राजनीतिक घटनाक्रम पर नहीं बल्कि व्यवस्था में व्यापक सुधार पर ध्यान देना होगा।

पेपर लीक कोई नई समस्या नहीं है। पिछले दो दशकों में देश के अनेक राज्यों में शिक्षक भर्ती पुलिस भर्ती पटवारी भर्ती मेडिकल इंजीनियरिंग और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने के मामले सामने आए हैं। यह भी सत्य है कि अलग-अलग समय में अलग-अलग राजनीतिक दलों की सरकारों के दौरान ऐसी घटनाएं हुई हैं। इसलिए इस समस्या को केवल किसी एक दल या एक व्यक्ति की विफलता बताना वास्तविकता से आंखें मूंदने जैसा होगा।

यूपीए सरकार के समय भी कई महत्वपूर्ण परीक्षाओं में अनियमितताओं और पेपर लीक के आरोप लगे थे। बाद के वर्षों में भी विभिन्न राज्यों में अनेक भर्ती परीक्षाएं विवादों में रहीं। राजस्थान इसका प्रमुख उदाहरण रहा है जहां शिक्षक भर्ती परीक्षाओं सहित कई मामलों ने पूरे देश का ध्यान खींचा। उस समय भी जिम्मेदारी तय करने को लेकर राजनीतिक विवाद हुए लेकिन व्यवस्था में ऐसा कोई परिवर्तन नहीं हुआ जिससे भविष्य में ऐसी घटनाएं पूरी तरह रुक सकें। आज भी लगभग हर वर्ष किसी न किसी राज्य से पेपर लीक की खबर सामने आ जाती है। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि पेपर लीक अब कुछ व्यक्तियों की शरारत नहीं बल्कि संगठित अपराध का रूप ले चुका है। इसमें प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर छपाई परिवहन परीक्षा केंद्र और डिजिटल माध्यमों तक कई स्तरों पर अपराधियों का नेटवर्क सक्रिय रहता है। करोड़ों रुपये के अवैध लेनदेन के कारण यह एक लाभकारी आपराधिक कारोबार बन चुका है। जब तक इस पूरे नेटवर्क को समाप्त नहीं किया जाएगा तब तक केवल छोटे कर्मचारियों की गिरफ्तारी से कोई बड़ा बदलाव नहीं आएगा।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के पीछे राजनीतिक परिस्थितियां अपनी जगह हो सकती हैं। छात्र आंदोलन विपक्ष का दबाव और चुनावी समीकरण भी किसी लोकतांत्रिक सरकार के निर्णयों को प्रभावित करते हैं। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम से यह भी स्पष्ट हुआ कि देश का युवा अब पारदर्शिता और जवाबदेही चाहता है। वह केवल आश्वासन नहीं बल्कि परिणाम देखना चाहता है। यही कारण है कि पेपर लीक का मुद्दा केवल शिक्षा तक सीमित नहीं रहा बल्कि रोजगार और शासन व्यवस्था की विश्वसनीयता से भी जुड़ गया। यह भी ध्यान रखना होगा कि सोशल मीडिया के दौर में कोई भी आंदोलन बहुत तेजी से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्वरूप ले सकता है। विदेशों में पढ़ रहे भारतीय छात्रों की प्रतिक्रियाएं हों या विभिन्न सामाजिक संगठनों का समर्थन यह लोकतांत्रिक समाज का हिस्सा है। लेकिन किसी भी आंदोलन या उसके पीछे की परिस्थितियों को लेकर बिना ठोस प्रमाण के निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। लोकतंत्र में तथ्यों के आधार पर ही चर्चा और निर्णय होने चाहिए।

पेपर लीक की सबसे बड़ी कीमत वह विद्यार्थी चुकाता है जिसने वर्षों तक कठिन परिश्रम किया होता है। किसी गरीब परिवार का छात्र कोचिंग की फीस भरने के लिए कर्ज लेता है। अनेक अभ्यर्थी उम्र सीमा के अंतिम अवसर का इंतजार करते हैं। परीक्षा रद्द होने पर उनका समय धन और मानसिक संतुलन तीनों प्रभावित होते हैं। इसलिए पेपर लीक केवल कानून व्यवस्था का विषय नहीं बल्कि सामाजिक न्याय का भी प्रश्न है।

अब समय आ गया है कि सरकारें इस समस्या को सामान्य अपराध की तरह नहीं बल्कि राष्ट्र के भविष्य पर हमला मानें। इसके लिए एक ऐसी व्यवस्था विकसित करनी होगी जिसमें प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर परीक्षा परिणाम घोषित होने तक प्रत्येक चरण पूरी तरह तकनीकी निगरानी में हो। डिजिटल एन्क्रिप्शन सुरक्षित डेटा प्रबंधन कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी और हर स्तर पर जवाबदेही तय करना आवश्यक है। परीक्षा प्रक्रिया में शामिल प्रत्येक अधिकारी की जिम्मेदारी स्पष्ट हो और किसी भी लापरवाही पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सिर्फ कानून बना देना भी पर्याप्त नहीं होगा। यदि मुकदमे वर्षों तक चलते रहेंगे तो अपराधियों में भय नहीं रहेगा। आवश्यकता ऐसे विशेष न्यायिक तंत्र की है जो पेपर लीक के मामलों की समयबद्ध सुनवाई करे और दोष सिद्ध होने पर शीघ्र सजा सुनिश्चित करे। साथ ही जिन अभ्यर्थियों का नुकसान हुआ है उनके लिए भी उचित राहत और वैकल्पिक व्यवस्था पर विचार किया जाना चाहिए। राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा।

सभी ज्ञानेन्द्रियों और कर्मेन्द्रियों का उद्देश्य प्रभु की प्राप्ति और उनकी सेवा

विनय कुमार तिवारी

मनुष्य का जीवन केवल भोजन, निद्रा, भय और भोग तक सीमित नहीं है। यदि ऐसा होता, तो मनुष्य और अन्य जीवों में कोई विशेष अंतर नहीं रहता। मनुष्य को ईश्वर ने विवेक, विचार और आत्मचिंतन की शक्ति प्रदान की है, ताकि वह अपने जीवन के वास्तविक उद्देश्य को समझ सके। हमारे शरीर की प्रत्येक ज्ञानेंद्रिय और कर्मेन्द्रिय केवल सांसारिक सुख-सुविधाओं का उपभोग करने के लिए नहीं, बल्कि परमात्मा की प्राप्ति और उनकी सेवा के लिए मिली है। जब हमारी इंद्रियां भगवान की ओर उन्मुख हो जाती हैं, तभी जीवन सार्थक बनता है और मनुष्य अपने वास्तविक लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। भारतीय सनातन दर्शन में शरीर को ईश्वर का मंदिर कहा गया है। इस मंदिर में रहने वाली आत्मा परमात्मा का अंश है। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि प्रत्येक जीव मेरा सनातन अंश है। इसलिए हमारा जीवन तभी सफल माना जाता है, जब हम अपनी समस्त शक्तियों और इंद्रियों का उपयोग भगवान की इच्छा के अनुरूप करें।

ज्ञानेंद्रियां पांच हैं- नेत्र, कर्ण, नासिका, जिह्वा और त्वचा। इनका कार्य संसार से ज्ञान प्राप्त करना है। वहीं कर्मेन्द्रियां भी पांच हैं - हाथ, पैर, वाणी, जननेंद्रिय और गुदा। इनका कार्य कर्म करना है। यदि ये इंद्रियां केवल भौतिक विषयों में उलझी रहें, तो मनुष्य जन्म-मरण के चक्र में बंधा रहता है। लेकिन यदि यही इंद्रियां भगवान की भक्ति में लग जाएं , तो वही मुक्ति का साधन बन जाती हैं। सबसे पहले बात करें नेत्रों की। आंखें हमें संसार का दर्शन कराती हैं, लेकिन इनका सर्वोत्तम उपयोग भगवान के दिव्य स्वरूप, मंदिरों, संतों और पवित्र ग्रंथों के दर्शन में है। जब हमारी दृष्टि सदैव अच्छाई, करुणा और ईश्वर के स्वरूप की ओर रहती है, तब मन भी शुद्ध होने लगता है। यदि आंखें केवल दोष, ईर्ष्या, हिंसा और विषय-विकारों को देखने में लगी रहें, तो मन अशांत हो जाता है। इसलिए नेत्रों को प्रभु-दर्शन और सद्ग्रंथों के अध्ययन में लगाना ही उनका श्रेष्ठ उपयोग है।कानों का उद्देश्य केवल सांसारिक बातें सुनना नहीं है। भगवान की कथा, कीर्तन, भजन, सत्संग और संतों के उपदेश सुनना ही श्रवण का सर्वोच्च उपयोग है। शास्त्रों में नवधा भक्ति का पहला अंग श्रवण बताया गया है। जब मनुष्य भगवान की महिमा सुनता है, तो उसके भीतर श्रद्धा और भक्ति का संचार होता है। अच्छे विचारों का प्रवेश कानों से ही होता है और बुरे विचारों का भी। इसलिए हमें सदैव शुभ और प्रेरणादायक बातें सुननी चाहिए।

जिह्वा का महत्व अत्यंत विशेष है। यही स्वाद का अनुभव करती है और यही वाणी का माध्यम भी बनती है। यदि जिह्वा भगवान के नाम का जप करे, भजन गाए और मधुर व सत्य वचन बोले, तो जीवन धन्य हो जाता है। भगवान का नाम स्वयं भगवान का ही स्वरूप माना गया है। निरंतर नाम-स्मरण मन को पवित्र करता है। इसी प्रकार भोजन भी भगवान को अर्पित करके प्रसाद के रूप में ग्रहण करना चाहिए। इससे भोजन केवल शरीर का पोषण नहीं करता, बल्कि मन और आत्मा को भी पवित्र करता है। नासिका का कार्य सुगंध का अनुभव करना है। जब हम भगवान को अर्पित पुष्पों, धूप, चंदन और पवित्र वातावरण की सुगंध ग्रहण करते हैं, तो मन स्वतः भक्तिमय हो उठता है। पूजा-पाठ का वातावरण केवल आंखों और कानों को ही नहीं, बल्कि नासिका के माध्यम से भी मन को शांति प्रदान करता है।

त्वचा का कार्य स्पर्श का अनुभव करना है। संतों के चरण स्पर्श करना, माता-पिता का सम्मान करना, मंदिर की सेवा करना और दीन-दुखियों की सेवा करना है। ये सभी स्पर्श को पवित्र बनाने के मार्ग हैं। सेवा के भाव से किया गया प्रत्येक स्पर्श मनुष्य के भीतर विनम्रता और प्रेम का विकास करता है। अब कर्मेन्द्रियों की बात करें। हाथ केवल धन कमाने या भौतिक कार्यों के लिए नहीं मिले हैं। इनका सर्वोत्तम उपयोग भगवान की पूजा, मंदिर की सेवा, दान, परोपकार, भूखे को भोजन देने और पीड़ितों की सहायता करने में है। जब हाथ सेवा में लगते हैं, तभी वे वास्तव में धन्य होते हैं। सेवा केवल मंदिर तक सीमित नहीं है। समाज की निस्वार्थ सेवा भी ईश्वर की सेवा ही है, क्योंकि प्रत्येक जीव में परमात्मा का निवास है।

पैर हमें जहां चाहें वहां ले जा सकते हैं। यदि यही पैर हमें मंदिर, तीर्थ, सत्संग और सेवा कार्यों तक ले जाएं, तो उनका जीवन सफल हो जाता है। गलत मार्ग पर चलने वाले पैर हमें पतन की ओर ले जाते हैं, जबकि धर्म और सेवा के मार्ग पर चलने वाले चरण हमें ईश्वर के निकट पहुंचाते हैं। वाणी मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति है। इसी वाणी से हम किसी का हृदय जीत सकते हैं और इसी से किसी को आहत भी कर सकते हैं। इसलिए वाणी का उपयोग सत्य, मधुर और हितकारी शब्दों के लिए होना चाहिए। भगवान के नाम का कीर्तन, प्रार्थना, प्रेरणादायक बातें और दूसरों का उत्साहवर्धन करना वाणी का श्रेष्ठ उपयोग है। कटु, असत्य और अपमानजनक वचन आध्यात्मिक उन्नति में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक हैं। अन्य कर्मेन्द्रियों का भी उपयोग संयम और धर्म के अनुरूप होना चाहिए। भारतीय संस्कृति सिखाती है कि इंद्रियों पर नियंत्रण ही योग है। जब मनुष्य अपनी इच्छाओं का दास बन जाता है, तब वह दुखी रहता है। लेकिन जब वही इच्छाएं भगवान की इच्छा के अधीन हो जाती हैं, तब जीवन में शांति और आनंद का अनुभव होता है। भक्ति का अर्थ संसार से भाग जाना नहीं है। भक्ति का वास्तविक अर्थ है अपने प्रत्येक कार्य को भगवान को समर्पित करना। यदि एक शिक्षक ईमानदारी से पढ़ाता है, किसान परिश्रमपूर्वक खेती करता है, चिकित्सक सेवा-भाव से उपचार करता है, व्यापारी सत्य और न्याय का पालन करता है तथा गृहस्थ अपने परिवार का पालन भगवान की भावना से करता है, तो उनका प्रत्येक कर्म पूजा बन जाता है।

श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि जो कुछ भी तुम करते हो, जो कुछ खाते हो, जो दान देते हो और जो तप करते हो, वह सब मुझे अर्पित करो। यही कर्मयोग का सार है। जब प्रत्येक कर्म भगवान को समर्पित हो जाता है, तब कर्म बंधन का कारण नहीं रहता, बल्कि मुक्ति का साधन बन जाता है। आज के आधुनिक युग में मनुष्य की इंद्रियां पहले से अधिक आकर्षणों से घिरी हुई हैं। मोबाइल, इंटरनेट, मनोरंजन और उपभोक्तावाद ने मन को चंचल बना दिया है। यदि इन साधनों का उपयोग भी ज्ञान, सेवा और आध्यात्मिक उन्नति के लिए किया जाए, तो वे उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं। लेकिन यदि वे केवल विषय-भोग और समय की बबार्दी का माध्यम बन जाएं , तो मनुष्य अपने जीवन के उद्देश्य से भटक जाता है। इसलिए आवश्यक है कि हम अपनी इंद्रियों के उपयोग के प्रति सजग रहें। संत-महात्माओं ने कहा है कि इंद्रियां स्वयं न तो अच्छी हैं और न बुरी। उनका परिणाम इस बात पर निर्भर करता है कि उनका उपयोग किस दिशा में किया जाता है। अग्नि भोजन भी पका सकती है और घर भी जला सकती है। उसी प्रकार इंद्रियां हमें परमात्मा तक भी पहुंचा सकती हैं और संसार के बंधनों में भी बांध सकती हैं। जब मनुष्य अपने जीवन का प्रत्येक क्षण प्रभु की स्मृति में बिताने का प्रयास करता है, तब उसके भीतर अहंकार कम होने लगता है। सेवा का भाव बढ़ता है, मन शांत होता है, क्रोध और लोभ पर नियंत्रण आता है तथा जीवन में संतोष का अनुभव होने लगता है। यही आध्यात्मिक जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। यह समझना आवश्यक है कि हमारा शरीर, हमारी इंद्रियां, हमारी बुद्धि और हमारी क्षमताएं हमारी निजी संपत्ति नहीं, बल्कि ईश्वर की अमूल्य देन हैं। जिस प्रकार हमें कोई वस्तु किसी विशेष उद्देश्य के लिए दी जाती है, उसी प्रकार यह मानव जीवन भी एक दिव्य उत्तरदायित्व है। यदि हम अपनी सभी ज्ञानेंद्रियों और कर्मेन्द्रियों का उपयोग प्रभु की प्राप्ति, उनकी भक्ति और उनकी सेवा में करें, तो हमारा जीवन केवल सफल ही नहीं, बल्कि धन्य भी हो जाएगा। जीवन का वास्तविक उद्देश्य बाहरी उपलब्धियों में नहीं, बल्कि परमात्मा से अपने संबंध को पहचानने में है। जब आंखें प्रभु के दर्शन चाहें, कान उनके नाम का श्रवण करें, जिह्वा उनका नाम जपे, हाथ सेवा करें, पैर सत्पथ पर चलें और वाणी सदैव सत्य एवं मंगल का संदेश दे, तब मनुष्य का संपूर्ण जीवन एक यज्ञ बन जाता है। यही सच्ची साधना है, यही सच्ची भक्ति है और यही मानव जीवन की सर्वोच्च उपलब्धि है।

सावन : आस्था, प्रकृति और शिव भक्ति का पावन संगम

उदय कुमार सिंह

भारतीय सनातन संस्कृति में श्रावण मास, जिसे सामान्य रूप से सावन कहा जाता है, धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से वर्ष का सबसे पवित्र महीना माना जाता है। वर्षा ऋतु के मध्य आने वाला यह महीना केवल प्राकृतिक सौंदर्य और हरियाली का ही प्रतीक नहीं है, बल्कि भक्ति, तप, संयम, लोकजीवन और सामाजिक समरसता का भी संदेश देता है। हिंदू धर्म में मान्यता है कि सावन का प्रत्येक दिन भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष फलदायी होता है। यही कारण है कि पूरे महीने देशभर के शिवालयों में जलाभिषेक, रुद्राभिषेक, कांवड़ यात्रा, भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों की धूम रहती है। सावन को 'पावस ऋतु' का प्रमुख महीना भी कहा जाता है। इस दौरान वर्षा से धरती हरी-भरी हो जाती है, खेत-खलिहानों में नई जान आ जाती है और प्रकृति अपने सबसे सुंदर स्वरूप में दिखाई देती है। भारतीय संस्कृति में प्रकृति और अध्यात्म का गहरा संबंध माना गया है। इसलिए श्रावण मास को प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और ईश्वर के प्रति समर्पण का पर्व भी कहा जाता है।

30 जुलाई से प्रारंभ होगा श्रावण मास : हिंदू पंचांग के अनुसार, इस वर्ष श्रावण मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि 29 जुलाई की रात 8 बजकर 5 मिनट से प्रारंभ होकर 30 जुलाई की रात 9 बजकर 30 मिनट तक रहेगी। उदया तिथि के अनुसार श्रावण मास का आरंभ 30 जुलाई 2026 से होगा और इसका समापन 28 अगस्त 2026 को श्रावणी पूर्णिमा के साथ होगा। इस वर्ष सावन 31 दिनों का रहेगा। श्रावण मास में कुल चार सावन सोमवार पड़ेंगे। पहला सावन सोमवार 3 अगस्त, दूसरा 10 अगस्त, तीसरा 17 अगस्त और चौथा 24 अगस्त को होगा। इन दिनों भगवान शिव के जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और व्रत-पूजन का विशेष महत्व माना गया है। देशभर के प्रमुख शिवालयों में लाखों श्रद्धालु दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचेंगे।

शास्त्रों में वर्णित है सावन का महत्व

शास्त्रों में कहा गया है–

श्रावणे मासि यो भक्त्या शिवलिंगं प्रपूजयेत्।
सर्वपापविनिर्मुक्तः शिवलोकं स गच्छति।।

अर्थात जो श्रद्धापूर्वक श्रावण मास में शिवलिंग की पूजा करता है, वह समस्त पापों से मुक्त होकर अंततः शिवलोक को प्राप्त करता है।

शिव पुराण, स्कंद पुराण तथा लिंग पुराण में श्रावण मास को भगवान शिव की आराधना के लिए सर्वोत्तम समय बताया गया है। धार्मिक मान्यता है कि इस महीने में किए गए जप, तप, व्रत, दान और ध्यान का फल कई गुना बढ़ जाता है। शिव पुराण के अनुसार श्रावण मास में शिवलिंग पर जल, गंगाजल, दूध, दही, घी, शहद, शक्कर, बेलपत्र, धतूरा और भांग अर्पित करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं तथा साधक को विशेष पुण्यफल की प्राप्ति होती है।

भगवान शिव का सर्वाधिक प्रिय माह

पौराणिक कथाओं के अनुसार, श्रावण मास भगवान शिव का सबसे प्रिय महीना माना जाता है। मान्यता है कि माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए अनेक वर्षों तक कठोर तपस्या की थी। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने श्रावण मास में उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया। तभी से यह महीना शिव-पार्वती के दिव्य मिलन और अखंड सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। एक अन्य मान्यता के अनुसार भगवान शिव श्रावण मास में पृथ्वी लोक पर अपनी ससुराल आते हैं। उनके स्वागत में जलाभिषेक और विशेष पूजा की परंपरा प्रारंभ हुई, जो आज भी श्रद्धापूर्वक निभाई जाती है।

समुद्र मंथन और नीलकंठ की कथा

श्रावण मास का संबंध समुद्र मंथन की कथा से भी जोड़ा जाता है। पुराणों के अनुसार समुद्र मंथन के समय निकले कालकूट विष से संपूर्ण सृष्टि संकट में पड़ गई थी। संसार की रक्षा के लिए भगवान शिव ने उस विष का पान कर उसे अपने कंठ में धारण कर लिया। विष के प्रभाव से उनका कंठ नीला हो गया और तभी से वे 'नीलकंठ' कहलाए। मान्यता है कि विष की उष्णता को शांत करने के लिए देवी-देवताओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया। तभी से श्रावण मास में शिवलिंग पर जल अर्पित करने की परंपरा विशेष रूप से प्रचलित हुई।

सावन सोमवार का विशेष महत्व

श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार को 'सावन सोमवार' कहा जाता है। इन दिनों भगवान शिव के व्रत और पूजा का विशेष विधान है। विवाहित महिलाएं पति की दीघार्यु और सुख-समृद्धि के लिए व्रत रखती हैं, जबकि अविवाहित युवतियां मनचाहे वर की प्राप्ति के लिए माता पार्वती और भगवान शिव की पूजा करती हैं। श्रद्धालु प्रातःकाल स्नान के बाद शिवालयों में जलाभिषेक करते हैं, रुद्राभिषेक कराते हैं तथा 'ॐ नमः शिवाय' और महामृत्युंजय मंत्र का जप करते हैं। मान्यता है कि सावन सोमवार का व्रत करने से जीवन के कष्ट दूर होते हैं और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

रुद्राभिषेक और पूजन सामग्री का महत्व

श्रावण मास में रुद्राभिषेक का भी विशेष महत्व बताया गया है। श्रद्धालु शिवलिंग का अभिषेक जल, गंगाजल, दूध, दही, घी, शहद, शक्कर तथा गन्ने के रस से करते हैं। इसके बाद बेलपत्र, शमीपत्र, दूर्वा, कुश, धतूरा, भांग, आक के पुष्प तथा श्रीफल अर्पित किए जाते हैं। शास्त्रों के अनुसार बेलपत्र भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। तीन पत्तियों वाला बेलपत्र शिव के त्रिनेत्र, त्रिगुण और त्रिदेव का प्रतीक माना जाता है। धतूरा, आक और भांग भी शिव पूजा में विशेष स्थान रखते हैं। मान्यता है कि श्रद्धा और नियमपूर्वक की गई पूजा से मानसिक शांति, आरोग्य, समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त होती है।

कांवड़ यात्रा : आस्था का विराट स्वरूप

श्रावण मास का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन कांवड़ यात्रा मानी जाती है। देशभर से लाखों श्रद्धालु गंगोत्री, हरिद्वार, गौमुख, सुल्तानगंज, देवघर तथा अन्य पवित्र तीर्थों से गंगाजल लेकर पैदल यात्रा करते हुए शिवधामों तक पहुंचते हैं। पूरे मार्ग में 'बोल बम', 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहता है। कांवड़ बांस की बनी विशेष बहंगी होती है, जिसके दोनों सिरों पर जल से भरे कलश रखे जाते हैं। श्रद्धालु पूरे नियम और अनुशासन के साथ यात्रा करते हैं तथा शिवलिंग पर पवित्र जल अर्पित करते हैं। पौराणिक मान्यता है कि सबसे पहले लंकापति रावण ने भगवान शिव को कांवड़ के माध्यम से जल अर्पित किया था। वहीं त्रेतायुग में भगवान श्रीराम द्वारा भी शिवलिंग पर जलाभिषेक किए जाने का उल्लेख मिलता है।

श्रावण मास के प्रमुख पर्व

श्रावण मास केवल शिव आराधना तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अनेक महत्वपूर्ण पर्वों का भी महीना है। इस दौरान हरियाली तीज, नाग पंचमी, पुत्रदा एकादशी, कजरी तीज, रक्षाबंधन और श्रावणी पूर्णिमा जैसे पर्व मनाए जाते हैं। श्रावणी पूर्णिमा को उत्तर भारत में रक्षाबंधन, दक्षिण भारत में नारियली पूर्णिमा और अवनी अवित्तम, मध्य भारत में कजरी पूनम तथा गुजरात में पवित्रोपना के रूप में मनाया जाता है।

रिकॉर्ड एफडीआई ने बताया क्यों है दुनिया का भारत पर भरोसा!

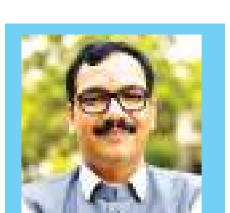

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर वर्षों से अनेक तरह के राजनीतिक आरोप लगाए जाते रहे हैं। कभी कहा जाता है कि विदेशी निवेशक भारत से दूर जा रहे हैं, कभी यह दावा किया जाता है कि सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण वैश्विक कंपनियों का भरोसा टूट रहा है, किंतु इन तमाम विपक्षी राजनीतिक दावों को संसद में प्रस्तुत ताजा आंकड़ों ने नकार दिया है। क्योंकि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 94.84 अरब डॉलर के सकल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का नया रिकॉर्ड बनाया है। यह इस बात का प्रमाण है कि दुनिया के बड़े निवेशक भारत को भरोसेमंद और सबसे अधिक संभावनाओं वाले देशों में मान रहे हैं।

वस्तुतः राज्यसभा में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी द्वारा प्रस्तुत आंकड़े आज बताते हैं, वित्त वर्ष 2024-25 में जहां सकल एफडीआई 80.61 अरब डॉलर था, वहीं अगले ही वर्ष यह बढ़कर 94.84 अरब डॉलर हो गया। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि नेट एफडीआई भी 0.96 अरब डॉलर से बढ़कर 6.95 अरब डॉलर पहुंच गया है। इसका अर्थ यह है कि विदेशी निवेशकों का वास्तविक भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है।

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि नेट एफडीआई में पहले जो गिरावट दिखाई दी थी, उसका प्रमुख कारण निवेशकों द्वारा लाभ लेकर पूंजी वापस ले जाना और भारतीय कंपनियों का विदेशों में तेजी से निवेश करना था। अर्थात भारत से पूंजी का बाहर जाना आर्थिक कमजोरी न होकर यह भारतीय उद्योगों के वैश्विक विस्तार का संकेत है।

मोदी सरकार के दौर में निवेश को किया प्रोत्साहित भारत ने वर्ष 2014 के बाद विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए व्यापक आर्थिक सुधार किए हैं। रक्षा और रेलवे का क्षेत्र हो या बीमा, नागरिक उड्डयन, कोयला अथवा अंतरिक्ष, दूरसंचार, ई-कॉमर्स, सिंगल-ब्रांड रिटेल और डिजिटल सेवाओं के साथ विनिर्माण जैसे अनेक क्षेत्र, इन सभी में एफडीआई नियमों को उदार बनाया गया।

इसके अलावा केंद्र की मोदी सरकार के मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, उत्पादन-संबंधित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन, जीएसटी, दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) और व्यापार सुगमता में सुधार जैसे अनेक कदमों ने भारत को निवेशकों के लिए अधिक आकर्षक बनाया।

कहना होगा कि केंद्र की भाजपा सरकार के कार्यकाल में भारत ने कई वर्षों तक 70 से 85 अरब डॉलर के बीच एफडीआई आकर्षित किया और अब 2025-26 में लगभग 95 अरब डॉलर का नया रिकॉर्ड स्थापित कर दिया। वस्तुतः यह दशार्ता है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत निवेशकों की पहली पसंद बना हुआ है।

किन देशों ने भारत पर सबसे अधिक भरोसा जताया? मोदी सरकार के दौरान भारत में आने वाले एफडीआई का सबसे बड़ा स्रोत लगातार सिंगापुर रहा है। इसके बाद मॉरीशस का स्थान आता है, जोकि लंबे समय से भारत में निवेश का प्रमुख माध्यम रहा है। इनके अतिरिक्त जिन देशों ने भारत में उल्लेखनीय निवेश किया है, उनमें अमेरिका, नीदरलैंड, जापान, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी, फ्रांस, दक्षिण कोरिया, केमैन द्वीप समूह प्रमुख हैं।

हाल के वर्षों में यूएई के साथ हुए व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) के बाद वहां से निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। जापान ने औद्योगिक कॉरिडोर, मेट्रो रेल, ऑटोमोबाइल और हाई-टेक विनिर्माण में भारी निवेश किया है, जबकि अमेरिका की अग्रणी प्रौद्योगिकी कंपनियां भारत को अपने भविष्य के डिजिटल केंद्र के रूप में देख रही हैं।

केवल सेवाएं नहीं, अब विनिर्माण भी आकर्षण का केंद्रसंयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन (यूएनसीटीएडी) की नवीनतम विश्व निवेश रिपोर्ट बताती है कि भारत सेवा क्षेत्र तक सीमित निवेश गंतव्य से आगे बढ गया है। अब यहां इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर, अक्षय ऊर्जा, रक्षा उत्पादन, ऑटोमोबाइल, लॉजिस्टिक्स और उच्च प्रौद्योगिकी विनिर्माण में भी विदेशी कंपनियां तेजी से निवेश कर रही हैं। यही कारण है कि भारत ने वैश्विक एफडीआई रैंकिंग में दो स्थानों की छलांग लगाकर 13वें से 11वें स्थान पर पहुंचने में सफलता प्राप्त की।

ग्रीनफील्ड निवेश में भी दुनिया का विश्वासवर्ष 2025 की सबसे बड़ी घोषित ग्रीनफील्ड परियोजना भारत में आई। अमेरिका की Alphabet Inc. ने लगभग 14.5 अरब डॉलर के डेटा सेंटर निवेश की घोषणा की। यह परियोजना निश्चित तौर पर भारत के डिजिटल भविष्य पर वैश्विक विश्वास का प्रतीक है। इसी प्रकार पोलैंड की Hynfra ने आंध्र प्रदेश में लगभग 4 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की। हरित ऊर्जा, हाइड्रोजन और औद्योगिक अवसंरचना के क्षेत्र में ऐसे निवेश भारत को भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए तैयार कर रहे हैं।

भारतीय कंपनियां भी बन रही हैं वैश्विक खिलाड़ीमोदी सरकार ने आंकड़ों के आधार पर यह भी बताया है कि वर्ष 2022 में लागू उदार विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (ओडीआई) नियमों के बाद भारतीय कंपनियां विदेशों में तेजी से विस्तार कर रही हैं। टाटा समूह, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अदाणी समूह, इंफोसिस, टीसीएस, विप्रो, सन फार्मा, महिंद्रा समूह और अन्य भारतीय कंपनियां विश्व के अनेक देशों में निवेश बढ़ा रही हैं। वस्तुतः यह प्रवृत्ति बताती है कि भारत अब विदेशी निवेश लेने, उसे आमंत्रित करने के साथ वैश्विक निवेश करने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था भी बन रहा है।

निवेशक लाभ कमा रहे हैं, इसलिए लौट भी रहे हैंविपक्ष अक्सर विदेशी निवेशकों द्वारा पूंजी वापस ले जाने को भारत से विश्वास समाप्त होने का संकेत बताता है, जबकि आर्थिक दृष्टि से इसका दूसरा पक्ष अधिक महत्वपूर्ण है। जब निवेशक अच्छा लाभ कमाते हैं तो वे अपने मुनाफे का एक हिस्सा वापस भी लेते हैं। यह किसी भी सफल निवेश गंतव्य की सामान्य प्रक्रिया होती है, इसलिए निवेश की वापसी इस बात का प्रमाण भी है कि भारत में निवेश लाभदायक रहा है। यदि निवेशकों को अपेक्षित प्रतिफल नहीं मिलता, तो वे नए निवेश की घोषणा नहीं करते, जबकि भारत में लगातार नई परियोजनाओं की घोषणा हो रही है।

भारत की सबसे बड़ी ताकत–स्थिरता और विशाल बाजारविदेशी निवेशक केवल कर छूट देखकर निर्णय नहीं लेते। वे राजनीतिक स्थिरता, नीति की निरंतरता, कानून व्यवस्था, डिजिटल अवसंरचना, कुशल मानव संसाधन और विशाल उपभोक्ता बाजार को भी देखते हैं, इसलिए आज भारत निवेश आकर्षित करने में अनेक बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

आज का राशिफल

मेष- सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा।

वृष- परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं।

मिथुन- विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा।

कर्क- पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से कार्य सफल होगें। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें।

सिंह- दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी।

कन्या- रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें।

तुला- संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। आलस्य का त्याग करें।

वृश्चिक- कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे।

धनु- मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। श्रम अधिक करना पड़ सकता है।

मकर- शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी।

कुंभ- विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ।

मीन- क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती है। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेगी। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा।

संक्षिप्त खबरें

पश्चिम बंगाल संगठन को मजबूत करने में अंबा प्रसाद ने दिए सुझाव

बड़कागांव। पूर्व विधायक एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय सचिव अंबा प्रसाद ने नई दिल्ली स्थित इंदिरा भवन में पश्चिम बंगाल कांग्रेस संगठन को लेकर आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने की। बैठक में पश्चिम बंगाल के प्रभारी प्रकाश जोशी, पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शुभंकर सरकार सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने राज्य के मौजूदा राजनीतिक हालात, कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने और कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने को लेकर विस्तृत चर्चा की। अंबा प्रसाद ने बैठक में अपने विचार रखते हुए कहा कि संगठन को जन-जन तक मजबूत करने, कार्यकताओं की भागीदारी बढ़ाने और आगामी राजनीतिक चुनौतियों का मजबूती से सामना करने के लिए ठोस रणनीति तैयार करने की जरूरत है। बैठक में संगठन विभाग के प्रभारी चल्ला वंशी चंद रेड्डी, संगठन सचिव नेट्टा डिसूजा, संगठन सचिव नवीन शर्मा, कर्नाटक के सांसद सशिकांत सेंथिल सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। अंबा प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस हमेशा जनता की आवाज को बुलंद करने और पश्चिम बंगाल के लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रही है। संगठन की मजबूती से जनता का विश्वास और मजबूत होगा तथा पार्टी को नई ऊर्जा मिलेगी।

हजारीबाग एयरपोर्ट निर्माण को लेकर सांसद मनीष जायसवाल ने केंद्रीय मंत्री से की पहल

हजारीबाग। हजारीबाग को हवाई सेवा से जोड़ने की मांग को लेकर सांसद मनीष जायसवाल ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू से मुलाकात कर एयरपोर्ट निर्माण की दिशा में जल्द पहल करने का आग्रह किया। सांसद ने मंत्री को पत्र सौंपते हुए कहा कि तेजी से विकसित हो रहे हजारीबाग को हवाई संपर्क से जोड़ना क्षेत्र के विकास के लिए जरूरी है। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि हजारीबाग शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, व्यापार और पर्यटन का प्रमुख केंद्र बन चुका है। एयरपोर्ट नहीं होने से निवेशकों, व्यवसायियों, छात्रों, मरीजों और आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से केंद्र और राज्य सरकार के बीच समन्वय स्थापित कर हजारीबाग एयरपोर्ट निर्माण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का आग्रह किया। साथ ही मंत्री को झारखंड आने का निमंत्रण देते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर इस मुद्दे पर पहल करने की बात कही। सांसद ने कहा कि हजारीबाग में एयरपोर्ट बनने से हजारीबाग के अलावा रामगढ़, चतरा, कोडरमा, गिरिडीह सहित उत्तर झारखंड के लोगों को लाभ मिलेगा। इससे पर्यटन, उद्योग और रोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा मिलेगा। सांसद की इस पहल से क्षेत्र के लोगों में एयरपोर्ट निर्माण को लेकर उम्मीदें बढ़ी हैं।

कोनार डैम के पास बोलेरो-ट्रैक्टर की भीषण टक्कर, नौ श्रद्धालु घायल, चार की हालत गंभीर

विष्णुगढ़ । कोनार डैम के समीप मंगलवार देर रात ट्रैक्टर और बोलेरो की आमने-सामने हुई भीषण टक्कर में बोलेरो सवार नौ लोग घायल हो गए। हादसा इतना जोरदार था कि बोलेरो का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घायलों में चार की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को विष्णुगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग रेफर कर दिया गया। बोलेरो चालक प्रेमचंद महतो समेत सभी यात्री बगोदर थाना क्षेत्र के सोनापहरी गांव से पूजा-अर्चना कर अपने गांव चिलगो (तिलैया) लौट रहे थे। इसी दौरान कोनार डैम के पास विपरीत दिशा से आ रहे ट्रैक्टर से बोलेरो की सीधी टक्कर हो गई। घायलों की पहचान प्रेमचंद महतो, चुरामन महतो, धनेश्वर महतो, मुकेश महतो, दीपक महतो, विशेश्वर महतो, चिंतामणि महतो, महेंद्र महतो एवं सैनाथ महतो के रूप में हुई है। स्थानीय समाजसेवी विनोद अपने सहयोगियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को वाहन से बाहर निकालकर विष्णुगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाने में मदद की। अस्पताल में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अरुण कुमार सिंह की देखरेख में सभी घायलों का प्राथमिक उपचार किया गया। गंभीर स्थिति को देखते हुए सभी को बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग रेफर कर दिया गया।

सांसद की अनुशंसा पर बीएसएनएल दूरसंचार सलाहकार समिति में पांच सदस्यों का नामांकन स्वीकृत

हजारीबाग । केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल द्वारा अनुशंसित नामों में से पांच व्यक्तियों को बीएसएनएल दूरसंचार सलाहकार समिति (टेलीकॉम एडवाइजरी कमिटी- टीएसी) का सदस्य नामित करने की स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस संबंध में मंत्रालय की ओर से 27 जुलाई 2026 को आधिकारिक पत्र जारी किया गया। मंत्रालय के पत्र के अनुसार सांसद ने अपने लोकसभा क्षेत्र से योग्य व्यक्तियों के नाम समिति के लिए भेजे थे। विभागीय दिशा-निर्देशों के अनुरूप उनकी अनुशंसा पर पांच सदस्यों का चयन कर उन्हें टीएसी सदस्य के रूप में नामित किया गया है। नामित सदस्यों में रामगढ़ जिले के भुरकुंडा मंडल निवासी योगेश कुमार दांगी, घाटो मंडल के निवासी रणधीर कुमार सिंह व हजारीबाग जिले के चौपारण मंडल निवासी राजेंद्र कुमार चंद्रवंशी (सिंह), पदमा मंडल निवासी सुरेंद्र प्रसाद करौंच तथा केरेडारी मंडल निवासी महेंद्र कुमार सिंह शामिल हैं।

भेलवाटांड़ जंगल के तालाब में डूबने से डीएवी के नौवीं के छात्र की मौत

मित्रों के साथ गया था छात्र, परिजनों ने उच्च स्तरीय जांच की मांग उठाई; अस्पताल पहुंचे सांसद मनीष जायसवाल के प्रतिनिधि

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के जगदीशपुर स्थित भेलवाटांड़ जंगल (भोलुआ पोखर, सिंघानी) के तालाब में बुधवार को डूबने से डीएवी पब्लिक स्कूल, हजारीबाग के नौवीं कक्षा के छात्र हिमांशु राज (15) की मौत हो गई। इस घटना के बाद परिवार, विद्यालय और पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों ने मामले की निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

मृतक हिमांशु राज झारखंड पुलिस में कांस्टेबल धर्मेंद्र कुमार का पुत्र था। धर्मेंद्र कुमार वर्तमान में कोडरमा में पदस्थापित हैं। परिवार हजारीबाग के नूतन नगर में रहता है, जबकि उनका पैतृक गांव कटकमदाग प्रखंड के पसई में है।

जानकारी के अनुसार हिमांशु बुधवार सुबह स्कूल जाने के लिए घर से निकला था। इसी दौरान सूचना मिली कि उसका शव मुफस्सिल थाना क्षेत्र के भोलुआ पोखर स्थित तालाब में मिला है। बताया जा रहा है कि वह अपने कुछ मित्रों के साथ वहां गया था। आशंका है कि नहाने के दौरान वह गहरे पानी में चला गया, जिससे उसकी डूबकर मौत हो गई। घटना के बाद उसके साथ गए कुछ मित्र वहां से चले गए। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मुकेश कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों तथा मुक्ति सेवा संस्थान के नीरज कुमार के सहयोग से शव को तालाब से बाहर निकाला गया। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया।

घटना की जानकारी मिलते ही हिमांशु के पिता कोडरमा से हजारीबाग पहुंचे। बेटे का शव देखते ही परिवार में कोहराम मच गया। अस्पताल में परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। घटना की सूचना पर सांसद मनीष जायसवाल के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी अस्पताल पहुंचे और पोस्टमार्टम सहित अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं में परिजनों का सहयोग किया। उन्होंने कटकमदाग के अंचल अधिकारी को भी घटना की जानकारी दी।

रंजन चौधरी ने जिला प्रशासन से मामले की उच्च स्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि यह स्पष्ट होना चाहिए कि छात्र किन परिस्थितियों में तालाब तक पहुंचा और हादसा कैसे हुआ। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने तथा सुनसान एवं गहरे जलाशयों से दूर रहने की अपील की।

सांसद मनीष जायसवाल ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत छात्र के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना जताई। उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कराने तथा किसी प्रकार की लापरवाही सामने आने पर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की।

कनहरी मॉन्टफोर्ट स्कूल रोड पर सूखा पेड़ बना खतरा, हटाने की उठी मांग

हजारीबाग। कनहरी मॉन्टफोर्ट स्कूल रोड पर वर्षों से खड़ा एक विशाल सूखा पेड़ राहगीरों, स्कूली बच्चों और स्थानीय लोगों के लिए खतरा बना हुआ है। पेड़ पूरी तरह सूख चुका है और उसकी शाखाएं बिजली के तारों के बीच फंसी हुई हैं। बरसात और तेज हवा के दौरान इसके गिरने की आशंका से लोग दहशत में रहते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, अभिभावक और वाहन गुजरते हैं। ऐसे में यदि सूखा पेड़ अचानक गिर जाता है तो बड़ा हादसा हो सकता है और जान-माल का नुकसान होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। कि लंबे समय से यह पेड़ इसी स्थिति में खड़ा है, लेकिन अब तक संबंधित विभाग की ओर से इसे हटाने या सुरक्षित करने की कोई कार्रवाई नहीं की गई है। स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन, वन विभाग और विद्युत विभाग से शीघ्र स्थल का निरीक्षण कर सूखे पेड़ को सुरक्षित तरीके से हटाने की मांग की है।

कटकमदाग थाना पहुंचकर एसपी ने कसा कानून-व्यवस्था पर शिकंजा

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। पुलिस अधीक्षक ने बुधवार को कटकमदाग थाना का औचक निरीक्षण कर थाना की विधि-व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था और लंबित मामलों की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान मुख्यालय डीएसपी ज्ञान रंजन, पेलावल अंचल के पुलिस निरीक्षक सपन कुमार महथा, थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी समेत थाना के अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थाना के विभिन्न पंजियों का अवलोकन किया तथा लंबित कांडों, वारंट, कुर्की, चरित्र सत्यापन और पासपोर्ट सत्यापन से जुड़े मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने फरार अभियुक्तों की जल्द गिरफ्तारी करने और अवैध मादक पदार्थ से जुड़े लंबित मामलों में आरोपितों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई करने पर विशेष जोर दिया।

पुलिस अधीक्षक ने नशा के खिलाफ व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने, आम लोगों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ बेहतर समन्वय बनाए रखने तथा क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था कायम रखने के निर्देश दिए। साथ ही कटकमदाग थाना क्षेत्र में सक्रिय भू-माफियाओं को चिन्हित कर उनके विरुद्ध लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए कड़ी कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने कोल साइडिंग, ट्रांसपोर्टिंग क्षेत्र और अन्य संवेदनशील इलाकों में लगातार गश्ती बढ़ाने का भी निर्देश दिया, ताकि अपराध पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखा जा सके।

स्थानीय युवाओं को रोजगार नहीं मिला तो होगा आंदोलन, धरना को देंगे समर्थन : कुंज बिहारी साव

झारखंड दर्शन संवाददाता

बड़कागांव। बड़कागांव एवं केरेडारी क्षेत्र में संचालित बड़ी कंपनियों द्वारा स्थानीय युवाओं को रोजगार नहीं दिए जाने का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में है। लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी कुंज बिहारी साव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि क्षेत्र में सीसीएल, चंद्रगुप्त परियोजना, एनटीपीसी और एनएमडीसी जैसी बड़ी कंपनियां वर्षों से कार्यरत हैं, लेकिन स्थानीय युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के प्रति गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। इसके कारण हजारों शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार की तलाश में भटकना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि अब स्थानीय युवाओं का धैर्य टूटने लगा है और वे अपने अधिकार तथा रोजगार की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन की तैयारी कर रहे हैं। यदि कंपनियां अगले 10 दिनों के भीतर स्थानीय युवाओं को रोजगार देने की दिशा में ठोस पहल नहीं करती हैं तो वह इस आंदोलन का खुलकर समर्थन करेंगे और आंदोलनकारियों के साथ धरना में शामिल होकर उनकी आवाज बुलंद करेंगे। कुंज बिहारी साव ने कहा कि क्षेत्र की जमीन, जल और प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर कंपनियां लगातार उत्पादन कर रही हैं, लेकिन जिन गांवों की जमीन और संसाधनों के आधार पर उद्योग संचालित हो रहे हैं, वहीं के युवाओं को रोजगार से वंचित रखा जा रहा है। उन्होंने इसे स्थानीय लोगों के साथ अन्याय बताते हुए कंपनियों से सामाजिक दायित्व निभाने और स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार देने की मांग की।

गुरु पूर्णिमा पर नरसिंह मंदिर में उमड़ी आस्था, गुरु परंपरा और भारतीय संस्कृति के संरक्षण का लिया संकल्प

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर नरसिंह मंदिर परिसर में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में महिलाओं एवं श्रद्धालुओं ने भाग लेकर गुरु परंपरा के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। गुरु वंदना, दीप प्रज्ज्वलन और पूजा-अर्चना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जिससे पूरा मंदिर परिसर आध्यात्मिक वातावरण से सराबोर हो गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च है। गुरु ही व्यक्ति को ज्ञान, संस्कार और जीवन की सही दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने सभी से गुरु के बताए मार्ग पर चलने और समाज में सकारात्मक मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर राज्य कार्यकारिणी सदस्य शीला सिंह, जिला प्रभारी अनीता देवी, महामंत्री अर्चना सिंह तथा पूर्व जिला प्रभारी तरुणी जी उपस्थित रहीं। सभी ने गुरु पूर्णिमा के महत्व पर अपने विचार रखते हुए समाज में संस्कार, सेवा, संगठन और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को सशक्त बनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संगठन की कर्मठ बहनों ने सक्रिय भूमिका निभाई। मांडवी जी, सुभद्रा जी, कलावती जी, रश्मि सिंह, अंजू सिंह, निशा, मधु, सुनीता जी, सुशीला जी, अंजलि जी, अनीता प्रताप एवं रानी सहित अन्य महिलाओं ने गुरु पूजन, भजन-कीर्तन और सामूहिक प्रार्थना में भाग लिया। इस दौरान गुरु-शिष्य परंपरा की महत्ता पर भी विस्तार से चर्चा की गई। समापन पर श्रद्धालुओं ने गुरुजनों का आशीर्वाद प्राप्त कर शिक्षा, संस्कार, सेवा और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

यूरिया की कालाबाजारी पर उपायुक्त का बड़ा एक्शन, अधिक कीमत व घटिया गुणवत्ता पर लाइसेंस रद्द करने की चेतावनी

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। खरीफ फसल के मौसम में किसानों को उचित मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उपायुक्त हेमंत सती ने बुधवार को कालीबाड़ी मार्ग स्थित बीज, यूरिया एवं डीएपी बिक्री केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। विभिन्न माध्यमों से मिली शिकायतों के आधार पर की गई इस कार्रवाई में अधिक कीमत पर उर्वरक बिक्री, कालाबाजारी और गुणवत्ता में गड़बड़ी के आरोपों की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने एम/एस उर्वरा, जगदंबा ट्रेडर्स और पूजा ट्रेडर्स सहित कई प्रतिष्ठानों के लाइसेंस, स्टॉक रजिस्टर, बिक्री पंजी, यूरिया की उपलब्धता तथा सरकार द्वारा निर्धारित दर पर बिक्री की जांच की। साथ ही उर्वरकों की गुणवत्ता का भी निरीक्षण किया गया।

जांच में जानकारी मिली कि सरकार द्वारा 266 रुपये प्रति बोरा निर्धारित मूल्य वाला यूरिया 360 रुपये तक बेचा जा रहा है, जबकि डीएपी भी निर्धारित दर से अधिक कीमत पर लगभग 1,850 रुपये प्रति बोरा बेचे जाने की शिकायत सामने आई। इस पर उपायुक्त ने जिला कृषि पदाधिकारी को जिले के सभी गोदामों और उर्वरक विक्रेताओं की व्यापक जांच करने का निर्देश दिया। एम/एस उर्वरा में अधिक दर पर यूरिया और डीएपी बिक्री की शिकायत को गंभीर मानते हुए उपायुक्त ने प्रतिष्ठान से स्पष्टीकरण मांगा और दोषी पाए जाने पर लाइसेंस रद्द करने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि किसानों के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होगा और कालाबाजारी या मुनाफाखोरी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने स्वयं पाया कि उपलब्ध यूरिया नीम-कोटेड प्रतीत नहीं हो रहा था। उन्होंने तत्काल उर्वरक का नमूना लेकर प्रयोगशाला में गुणवत्ता जांच कराने का निर्देश दिया। साथ ही सभी प्रतिष्ठानों से पीओएस मशीन के माध्यम से हुई बिक्री का पूरा विवरण उपलब्ध कराने को कहा, ताकि स्टॉक और बिक्री का मिलान कर आवश्यक कार्रवाई की जा सके। उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि किसानों को उचित मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण उर्वरक और बीज उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। यदि कोई भी विक्रेता कालाबाजारी, जमाखोरी या निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर उर्वरक बेचते हुए पाया गया तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

अदाणी फाउंडेशन के कौशल विकास अभियान से बदली युवाओं की तस्वीर, 53 को निजी और 7 को सरकारी नौकरी मिली

झारखंड दर्शन संवाददाता

बड़कागांव । गोंदुलपारा खनन परियोजना के अंतर्गत अदाणी फाउंडेशन द्वारा चलाए जा रहे कौशल विकास कार्यक्रम स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता की नई राह खोल रहे हैं। परियोजना प्रभावित गांवों के युवाओं और महिलाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण देकर उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार से जोड़ने की दिशा में फाउंडेशन लगातार कार्य कर रहा है।

अदाणी स्किल डेवलपमेंट सेंटर के माध्यम से संचालित डोमेस्टिक डाटा एंट्री ऑपरेटर और असिस्टेंट इलेक्ट्रीशियन प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत अब तक 510 युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है। इनमें से 53 युवाओं को विभिन्न निजी कंपनियों में रोजगार मिल चुका है। वहीं बेल्टफोर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम से प्रशिक्षित 40 युवाओं में से 7 युवाओं ने सरकारी सेवाओं में सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

महिला सशक्तिकरण के तहत तीन महिला अभ्यर्थियों ने फायर फाइटिंग का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया, जिससे उनके लिए तकनीकी क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर खुले हैं। इसके अलावा परियोजना प्रभावित परिवारों के छह युवाओं को सिंगरौली में सुरक्षा गार्ड के रूप में रोजगार मिला है, जबकि दो युवाओं को राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय में विशेष प्रशिक्षण का अवसर प्राप्त हुआ है।

ड्राइविंग स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम के तहत 20 परियोजना प्रभावित अभ्यर्थियों ने लाइट मोटर व्हीकल और हेवी मोटर व्हीकल का प्रशिक्षण पूरा कर ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त किया है। इससे परिवहन और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में उनके लिए रोजगार की संभावनाएं बढ़ी हैं।

स्थानीय युवाओं को रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित रोजगार मेले में 405 युवाओं ने भाग लिया, जहां उन्हें विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों से सीधे संवाद कर रोजगार के अवसर प्राप्त करने का मौका मिला।

अदाणी फाउंडेशन का कहना है कि कौशल विकास, गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर ही स्थानीय समुदायों को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। इसी उद्देश्य के साथ फाउंडेशन परियोजना प्रभावित क्षेत्रों में युवाओं और महिलाओं के लिए ऐसे कार्यक्रमों का दायरा लगातार बढ़ा रहा है, ताकि वे सम्मानजनक आजीविका प्राप्त कर क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास में अपनी सक्रिय भागीदारी निभा सकें।

समस्या हजारीबाग सरकारी बस स्टैंड बदहाल, टपकती छत और गंदगी के बीच सफर करने को मजबूर यात्री

जलजमाव, दुर्गंध व बदहाल सुविधाओं से यात्रियों में नाराजगी

डॉ गौतम कुमार गुप्ता

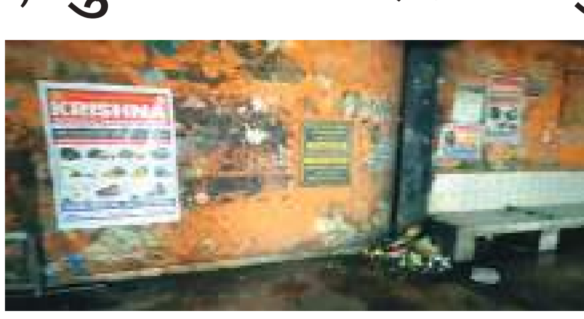

हजारीबाग। शहर का सरकारी बस स्टैंड लंबे समय से बदहाली का शिकार बना हुआ है। बरसात के मौसम में इसकी स्थिति और भी खराब हो गई है। यात्री शेड की छत कई जगहों से टपक रही है, जिससे बस का इंतजार कर रहे यात्रियों को भीगते हुए खड़ा रहना पड़ रहा है। छत से लगातार गिरते पानी के कारण शेड के अंदर भी जलजमाव हो जाता है, जिससे बैठने और आने-जाने में काफी परेशानी होती है। प्रतिदिन हजारों यात्रियों की आवाजाही वाले इस बस स्टैंड की दुर्दशा प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही है। बस स्टैंड परिसर में जगह-जगह फैली गंदगी, कीचड़ और कूड़े के ढेर यात्रियों के लिए बड़ी समस्या बने हुए हैं। नियमित सफाई नहीं होने के कारण पूरे परिसर में दुर्गंध फैली रहती है। बारिश के दौरान जलजमाव से मच्छरों का प्रकोप बढ़ने की आशंका भी बनी रहती है, जिससे संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। यात्रियों का कहना है कि सफाई व्यवस्था केवल कागजों तक सीमित नजर आती है, जबकि जमीनी स्तर पर हालात बेहद खराब हैं। यात्रियों का कहना है कि बस स्टैंड में बैठने के लिए पर्याप्त और सुरक्षित स्थान नहीं है। कई जगहों पर बेंच टूटी हुई हैं, जबकि जहां बैठने की व्यवस्था है, वहां भी छत से पानी टपकने के कारण लोग बैठ नहीं पाते। बारिश के समय महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांग यात्रियों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ती है। कई यात्री मजबूरी में खुले आसमान के नीचे या बसों के किनारे खड़े होकर बारिश रुकने का इंतजार करते हैं।

यात्रियों ने यह भी बताया कि परिसर में शौचालय और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है। साफ-सफाई के अभाव में यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। रात के समय पर्याप्त रोशनी नहीं होने की शिकायत भी लगातार सामने आती रही है, जिससे यात्रियों, खासकर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी रहती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकारी बस स्टैंड शहर का प्रमुख सार्वजनिक स्थल है, जहां से हर दिन जिले के विभिन्न प्रखंडों के अलावा दूसरे जिलों और राज्यों के लिए भी बसें संचालित होती हैं। इसके बावजूद वर्षों से यहां की समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। समय-समय पर सफाई, मरम्मत और यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने की बातें तो होती हैं, लेकिन स्थिति में अपेक्षित सुधार दिखाई नहीं देता। स्थानीय नागरिकों और यात्रियों ने जिला प्रशासन, नगर निगम एवं संबंधित विभाग से मांग की है कि बस स्टैंड की छत की तत्काल मरम्मत कराई जाए, नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए, जलजमाव की समस्या दूर की जाए तथा पेयजल, शौचालय, बैठने की समुचित व्यवस्था और बेहतर रोशनी जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उनका कहना है कि सरकारी बस स्टैंड की बदहाल स्थिति से न केवल यात्रियों को रोजाना परेशानी उठानी पड़ रही है, बल्कि इससे शहर की छवि भी प्रभावित हो रही है। यात्रियों ने प्रशासन से जल्द ठोस कार्रवाई कर बस स्टैंड को स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने की मांग की है।

गुरु पूर्णिमा पर जीएम इंटर महाविद्यालय में गुरु-शिष्य परंपरा पर संगोष्ठी आयोजित

झारखंड दर्शन संवाददाता

इचाक। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर जी.एम. इंटर महाविद्यालय, इचाक में गुरु-शिष्य परंपरा पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय संस्कृति में गुरु के महत्व, उनके आदर्शों और शिक्षा के क्षेत्र में उनकी अमूल्य भूमिका को विद्यार्थियों तक पहुंचाना था। महाविद्यालय प्रभारी पंकज कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि गुरु केवल ज्ञान के प्रदाता नहीं होते, बल्कि वे व्यक्तित्व निर्माण, नैतिक मूल्यों के विकास और जीवन को सही दिशा देने वाले मार्गदर्शक होते हैं। भारतीय परंपरा में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है। गुरु पूर्णिमा का अवसर अपने गुरुओं के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का संदेश देता है। संगोष्ठी में विद्यार्थियों ने गुरु के महत्व पर अपने विचार रखे। इसमें साक्षी कुमारी ने प्रथम, मासूम कुमारी ने द्वितीय और संगम कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम का संचालन शिक्षक रत्नेश कुमार राणा ने किया। संगोष्ठी को सफल बनाने में शिक्षक अजीत हांसदा, रवि कुमार महतो, संजीत कुमार यादव, संगम कुमारी और पार्वती कुमारी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संक्षिप्त खबरें

बरसात में सतर्कता ही सुरक्षा, मलेरिया और डेंगू से बचाव अपनाने की अपील

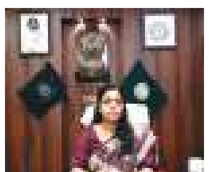

पाकुड़। बरसात के मौसम में मलेरिया एवं डेंगू जैसी मच्छरजनित बीमारियों के बढ़ते खतरे को देखते हुए उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने जिलेवासियों से सतर्क रहने और बचाव के सभी आवश्यक उपाय अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी, स्वच्छता और जागरूकता के माध्यम से इन बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। उपायुक्त ने बताया कि मलेरिया और डेंगू संक्रमित मच्छरों के काटने से फैलने वाले गंभीर रोग हैं। यदि किसी व्यक्ति को तेज बुखार, सिरदर्द, शरीर एवं मांसपेशियों में दर्द, अत्यधिक कमजोरी, भूख न लगना अथवा अन्य संबंधित लक्षण दिखाई दें, तो बिना विलंब किए निकटतम सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में जांच करानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में मलेरिया एवं डेंगू की जांच और उपचार पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध है। उन्होंने लोगों से अपने घरों और आसपास पानी का जमाव नहीं होने देने, नियमित साफ-सफाई बनाए रखने तथा पानी संग्रहित करने वाले बर्तनों को ढंककर रखने की अपील की। साथ ही कूलर, पानी की टंकी, गमलों और अनुपयोगी पात्रों की नियमित सफाई करने पर भी विशेष जोर दिया। रात्रि में मच्छरदानी का उपयोग करने, पूरी बांह के कपड़े पहनने तथा मच्छरों से बचाव के अन्य उपाय अपनाने की भी सलाह दी। उपायुक्त ने कहा कि मलेरिया एवं डेंगू से बचाव केवल स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता से ही संभव है। यदि प्रत्येक नागरिक अपने घर और आसपास स्वच्छता बनाए रखे तथा मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करे, तो इन बीमारियों के प्रसार को प्रभावी रूप से रोका जा सकता है। उन्होंने सभी जिलेवासियों से आह्वान किया कि बचाव को ही सबसे बड़ा उपचार मानते हुए अपने परिवार, गांव और पूरे जिले को मलेरिया एवं डेंगू मुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

31 जुलाई को गांधी मैदान में गूंजेगी स्वरांजलि, शहीदों और महान विभूतियों को दी जाएगी संगीतांजलि

गोड्डा। रेनबो म्यूजिकल ग्रुप, गोड्डा द्वारा 31 जुलाई को संध्या सात बजे स्थानीय गांधी मैदान स्थित कला-संस्कृति मंच पर वार्षिक स्वर-श्रद्धांजलि कार्यक्रम स्वरांजलि का आयोजन किया जाएगा। वर्षों से चली आ रही इस परंपरा के तहत स्थानीय कलाकार संगीत के माध्यम से देश के महान व्यक्तित्वों एवं शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। रेनबो म्यूजिकल ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष सुरजीत झा ने बताया कि यह कार्यक्रम वर्ष 1999 से लगातार आयोजित किया जा रहा है। केवल कोरोना काल के दौरान इसका आयोजन संभव नहीं हो सका था। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में स्वर-सम्राट मोहम्मद रफी की पुण्यतिथि, शहीद ऊधम सिंह के शहादत दिवस, कथा-सम्राट प्रेमचंद की जयंती तथा चार अगस्त को पड़ने वाली महान पार्श्वगायक किशोर कुमार की जयंती के अवसर पर विशेष संगीत प्रस्तुतियां दी जाएंगी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के माध्यम से कारगिल विजय सप्ताह के तहत कारगिल युद्ध के वीर शहीदों को भी स्वर-श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। स्थानीय कलाकार देशभक्ति, प्रेरणादायक और सदाबहार गीतों की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम को यादगार बनाएंगे। हर वर्ष बड़ी संख्या में संगीत प्रेमी इस आयोजन में शामिल होकर कलाकारों का उत्साहवर्धन करते हैं। सुरजीत झा ने बताया कि 31 जुलाई रेनबो म्यूजिकल ग्रुप का स्थापना दिवस भी है। इस अवसर पर संस्था अपनी स्थापना की वर्षगांठ भी मनाएगी। उन्होंने जिले के संगीत प्रेमियों और आम नागरिकों से कार्यक्रम में उपस्थित होकर महान विभूतियों और शहीदों को सामूहिक श्रद्धांजलि अर्पित करने तथा सांस्कृतिक आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य बनने पर मुन्नी झा का स्वागत, कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

मेहरमा। भाजपा नेत्री मुन्नी झा को भारतीय जनता पार्टी की झारखंड प्रदेश कार्यकारिणी का सदस्य मनोनीत किए जाने पर पार्टी कार्यकताओं में हर्ष का माहौल है। कार्यकताओं ने इसे संगठन के प्रति उनके लंबे समय से किए जा रहे समर्पित कार्यों का सम्मान बताया। मुन्नी झा लंबे समय से सामाजिक और संगठनात्मक गतिविधियों से जुड़ी रही हैं। वर्तमान में वे अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार अपराध नियंत्रण संगठन की राष्ट्रीय महासचिव, भारत-तिब्बत सहयोग मंच महिला विभाग की राष्ट्रीय महामंत्री, सलूट तिरंगा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा हिंदू महासभा की राष्ट्रीय महासचिव के रूप में भी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रही हैं। पार्टी नेताओं ने कहा कि संगठन के प्रति उनकी निष्ठा, कार्यकुशलता, पारदर्शिता और समर्पण को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मुन्नी झा अपने नए दायित्व का भी पूरी जिम्मेदारी और सक्रियता के साथ निर्वहन करेंगी तथा संगठन को और मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। मुन्नी झा की नियुक्ति पर कार्यकताओं ने खुशी व्यक्त करते हुए इसे संगठन के लिए सकारात्मक निर्णय बताया। नेताओं ने कहा कि उनके अनुभव का लाभ पार्टी को प्रदेश स्तर पर मिलेगा और वे जनसेवा के कार्यों को नई गति देंगी। बधाई देने वालों में पूर्व जिला अध्यक्ष संजीव मिश्रा, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष प्रिया सिंह पटेल, भाजयुमो के संथाल परगना प्रभारी रविंद्र तिवारी, जिला उपाध्यक्ष नीतीश ओझा, मंडल अध्यक्ष उमेश पासवान तथा दीपक सिंह देव सहित अनेक पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल रहे।

गुरु पूर्णिमा पर विद्यालय में पीपल और बरगद का वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

देवघर। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्रीमती अनारकली प्लस टू उच्च विद्यालय, पालोजोरी में पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से पीपल एवं बरगद के पौधों का वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शिक्षक डॉ. विद्याकांत शुक्ला ने विद्यार्थियों के साथ पौधे लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प दिलाया। डॉ० शुक्ला ने कहा कि गुरु पूर्णिमा केवल गुरुजनों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का पर्व नहीं, बल्कि समाज और प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों को समझने का भी अवसर है। उन्होंने कहा कि पीपल और बरगद भारतीय संस्कृति में अत्यंत पूजनीय वृक्ष हैं तथा पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रत्येक वर्ष कम-से-कम एक पौधा लगाने और उसकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना पर्याप्त नहीं, बल्कि उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षित रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। वृक्ष भविष्य की पीढ़ियों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण प्रदान करते हैं। वृक्षारोपण अभियान में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली। सभी ने पौधों की नियमित देखभाल करने और हरित वातावरण के निर्माण में योगदान देने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में उत्साह और जागरूकता का वातावरण बना रहा। विद्यालय परिवार ने बताया कि भविष्य में भी इस प्रकार के पर्यावरण संरक्षण अभियान चलाए जाएंगे।

एआई तकनीक और डिजिटल शिकायत प्रणाली के साथ शुरू हुआ राजकीय श्रावणी मेला-2026

30 जुलाई से 28 अगस्त तक चलेगा आयोजन

झारखंड दर्शन संवाददाता

देवघर। विश्व प्रसिद्ध राजकीय श्रावणी मेला-2026 का बुधवार को झारखंड सीमा स्थित दुम्मा कांवरिया पथ पर वैदिक मंत्रोच्चार एवं बाबा बैद्यनाथ की पूजा-अर्चना के साथ विधिवत शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह में नगर विकास एवं आवास, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा तथा पर्यटन, कला, संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार तथा ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य एवं पंचायती राज विभाग की मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने संयुक्त रूप से मेले का उद्घाटन किया। इस अवसर पर देवघर विधायक सुरेश पासवान, सारठ विधायक उदय शंकर सिंह, जरमुण्डी विधायक देवेंद्र कुंवर, महापौर, जिला परिषद अध्यक्ष सहित कई जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि 30 जुलाई से 28 अगस्त तक आयोजित होने वाले इस विश्व प्रसिद्ध मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष पहली बार भीड़ प्रबंधन एवं सुरक्षा के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी प्रणाली लागू की गई है। साथ ही, श्रद्धालुओं की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए क्यूआर कोड आधारित डिजिटल शिकायत निवारण प्रणाली शुरू की गई है, जिसके माध्यम से शिकायत मिलने के 15 मिनट के भीतर समाधान का प्रयास किया जाएगा। ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि बाबा नगरी देवघर देश-विदेश से आने वाले कांवरियों के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने अधिकारियों, स्वयंसेवकों एवं स्थानीय नागरिकों से मेले को सफल बनाने में सहयोग की अपील की। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सौरभ कुमार भुवानिया ने बताया कि इस वर्ष वीआईपी, वीवीआईपी एवं आउट ऑफ टर्न दर्शन पूरी तरह बंद रहेंगे। सभी श्रद्धालुओं को समान व्यवस्था के तहत सुरक्षित एवं सुगम जलार्पण कराया जाएगा। सुरक्षा के लिए एएनपीआर, फेस रिकग्निशन एवं हेडकाउंट कैमरे लगाए गए हैं। शिवलोक परिसर में प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा ड्रोन शो भी आकर्षण का केंद्र होंगे। समारोह के अंत में उप विकास आयुक्त पियूष सिन्हा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

श्री रघुनंदन तिवारी महाविद्यालय का 65वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया

झारखंड दर्शन संवाददाता

मेहरमा। स्थानीय श्री रघुनंदन तिवारी महाविद्यालय, धमड़ी का 65 वां स्थापना दिवस बुधवार को उत्साह और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत महाविद्यालय के संस्थापक रघुनंदन तिवारी की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई। इसके बाद महाविद्यालय प्रांगण में आयोजित समारोह का शुभारंभ प्राचार्य एवं अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। समारोह के दौरान समाजसेवी मोती पंडित का पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्राध्यापक पुनीत सुरीन ने किया तथा महाविद्यालय की स्थापना से लेकर वर्तमान तक की गौरवपूर्ण यात्रा का उल्लेख किया। पूर्व प्राचार्य निमाई चंद्र दास ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए संस्था के विकास की चर्चा की।

प्राचार्य डॉ. शंभू कुमार सिंह ने कहा कि वर्ष 1961 में प्रारंभ हुई इस संस्था की 65 वर्षों की यात्रा हजारों विद्यार्थियों के सपनों, शिक्षकों की तपस्या, कर्मचारियों की निष्ठा और समाज के विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि स्थापना दिवस केवल अतीत का स्मरण नहीं, बल्कि वर्तमान का मूल्यांकन और भविष्य के लिए नए संकल्प लेने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि किसी भी महाविद्यालय की पहचान उसकी इमारतों से नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के ज्ञान, चरित्र और समाज में उनके योगदान से होती है।

उन्होंने महाविद्यालय का मूल संदेश शिक्षा, संस्कार, समर्पण और सफलता बताते हुए कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो विद्यार्थियों को ज्ञान के साथ रोजगार और आत्मनिर्भरता भी प्रदान करे। आधुनिक तकनीक और नवीन ज्ञान को अपनाने के साथ स्थानीय संस्कृति, सामाजिक संवेदना और नैतिक मूल्यों को भी संरक्षित रखना आवश्यक है।

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

झारखंड दर्शन संवाददाता

साहिबगंज। विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, साहिबगंज में नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण एवं नदी संवर्धन विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रकृति संरक्षण, जल संसाधनों के सतत उपयोग तथा नदियों के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था।मुख्य वक्ता जिला परियोजना पदाधिकारी, नमामि गंगे, अमित मिश्रा ने विद्यार्थियों को झारखंड में गंगा नदी के पारिस्थितिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक महत्व की जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से साहिबगंज में प्रवाहित गंगा नदी को गंगा डॉल्फिन के प्रमुख प्राकृतिक आवासों में से एक बताते हुए इसकी समृद्ध जैव विविधता के संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से जल संरक्षण, प्लास्टिक प्रदूषण में कमी तथा स्वच्छता बनाए रखने का आह्वान किया। प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी तरुण कुमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं का विषय नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रकृति संरक्षण को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान 'प्रकृति संरक्षण' एवं 'नदी' विषय पर चित्रकला और निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने स्वच्छ नदियों, हरित पर्यावरण, जैव विविधता संरक्षण एवं सतत विकास पर आधारित आकर्षक प्रस्तुतियां देकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रवीण कुमार, राजकुमार राम, राजू कुमार गोंड, बी. झा, रवि कुमार, मोहम्मद अशरफ, प्रिया भारती, उन्नति भारती सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

जेएसएससी फील्ड वर्कर परीक्षा के संथाली पेपर-2 को रद्द कर पुनः परीक्षा कराने की मांग

झारखंड दर्शन संवाददाता

दुमका। झारखंड क्रांति सेना ने जेएसएससी फील्ड वर्कर प्रतियोगिता परीक्षा के संथाली पेपर-2 में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं जेएसएससी अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपकर परीक्षा रद्द कर पुनः आयोजित कराने की मांग की है। संगठन का आरोप है कि प्रश्नपत्र निर्धारित पाठ्यक्रम एवं परीक्षा स्तर से हटकर तैयार किया गया, जिससे बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों को नुकसान उठाना पड़ा। झारखंड क्रांति सेना के केंद्रीय सदस्य निखिल मुर्मू ने कहा कि फील्ड वर्कर जैसी परीक्षा में निर्धारित योग्यता के अनुरूप प्रश्न पूछे जाने चाहिए थे, लेकिन संथाली पेपर-2 में सीजीएल, स्नातक, स्नातकोत्तर तथा यूजीसी-नेट स्तर के कठिन प्रश्न शामिल कर दिए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि कई प्रश्न पाठ्यक्रम से बाहर थे, जबकि कुछ प्रश्नों के विकल्प भी त्रुटिपूर्ण एवं संदिग्ध थे। इससे परीक्षा की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न खड़े हो गए हैं।

अभ्यर्थी प्रेम हांसदा ने कहा कि वर्षों की मेहनत के बाद इस प्रकार की परीक्षा आयोजित होना अभ्यर्थियों के साथ अन्याय है। उन्होंने मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप कर संथाली पेपर-2 को तत्काल रद्द करने तथा पुनः परीक्षा आयोजित कराने की मांग की। वहीं अभ्यर्थी आर्यन ने मांग की कि जब तक प्रश्नपत्र की निष्पक्ष जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक उत्तर कुंजी जारी करने एवं मूल्यांकन प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए। उन्होंने स्वतंत्र एवं अनुभवी संथाली भाषा विशेषज्ञों की समिति गठित कर प्रश्नपत्र की समीक्षा कराने की भी मांग की। झारखंड क्रांति सेना ने आयोग से अभ्यर्थियों के हित में शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने तथा निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से पुनः परीक्षा आयोजित करने की अपील की। इस अवसर पर संगठन के कई कार्यकर्ता एवं अभ्यर्थी उपस्थित थे।

क्यू कॉम्प्लेक्स में शुरू हुआ नि:शुल्क अमानती सामान घर

देवघर। राजकीय श्रावणी मेला 2026 के दौरान बाबा बैद्यनाथ धाम आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जिला प्रशासन ने क्यू कॉम्प्लेक्स में नि:शुल्क अमानती सामान घर की शुरूआत की है। इस व्यवस्था के तहत श्रद्धालु अपने बैग, मोबाइल तथा अन्य कीमती सामान सुरक्षित जमा कर निश्चिंत होकर बाबा बैद्यनाथ का जलार्पण कर सकेंगे। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सौरभ कुमार भुवानिया ने मंगलवार को इस सुविधा का शुभारंभ करते हुए कहा कि प्रशासन का उद्देश्य प्रत्येक श्रद्धालु को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित दर्शन की सुविधा उपलब्ध कराना है। लंबी कतारों में सामान संभालने की परेशानी को देखते हुए यह व्यवस्था पूरी तरह नि:शुल्क शुरू की गई है। प्रशासन के अनुसार सामान जमा करने और वापस प्राप्त करने की प्रक्रिया सरल, पारदर्शी एवं त्वरित रखी गई है। अधिकारियों और कर्मियों को निर्देश दिया गया है कि श्रद्धालुओं के साथ विनम्र व्यवहार करें तथा यह सुविधा चौबीसों घंटे सुचारु रूप से संचालित रहे। जिला प्रशासन का मानना है कि इस व्यवस्था से श्रद्धालुओं को दर्शन के दौरान अतिरिक्त सामान की चिंता नहीं रहेगी और वे अधिक सहजता से पूजा-अर्चना कर सकेंगे। सुरक्षा और सुविधा दोनों को ध्यान में रखते हुए यह पहल की गई है।

गुरु पूर्णिमा पर शिव पहाड़ मंदिर में वैदिक हवन-यज्ञ, गुरु-शिष्य परंपरा का दिया गया संदेश

झारखंड दर्शन संवाददाता

दुमका। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार के तत्वावधान में पतंजलि परिवार, दुमका द्वारा शिव पहाड़ मंदिर परिसर में वैदिक हवन एवं यज्ञ का भव्य आयोजन किया गया। श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण में संपन्न इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा को सुदृढ़ करना तथा समाज में आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों का प्रसार करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ हुआ। गायत्री शक्तिपीठ के विद्वान पुरोहित सूरज चौरसिया ने वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार हवन एवं यज्ञ संपन्न कराया। श्रद्धालुओं, योग साधकों एवं महिलाओं ने राष्ट्र की उन्नति, समाज में सुख-शांति, समृद्धि, पर्यावरण संरक्षण, उत्तम स्वास्थ्य और विश्व कल्याण की कामना करते हुए आहुतियां अर्पित कीं। वक्ताओं ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च है। गुरु केवल शिक्षा देने वाले नहीं, बल्कि जीवन के अंधकार को दूर कर सत्य, ज्ञान और सदाचार का मार्ग दिखाने वाले पथप्रदर्शक होते हैं। गुरु पूर्णिमा अपने गुरुजनों के प्रति सम्मान, समर्पण और कृतज्ञता व्यक्त करने का श्रेष्ठ अवसर है। कार्यक्रम में पतंजलि योग शिक्षिका पूनम भगत की योग कक्षा से जुड़े बड़ी संख्या में साधकों ने सहभागिता निभाई। पूरे मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रों की गूंज और हवन की पवित्र अग्नि से वातावरण भक्तिमय बना रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में झूमा सिन्हा, दीपा राय, सरोज देवी, राखी भगत, सुनैना दास, मधु खां, शिवानी खां, नीलू खां, वंदना खां, सरिता देवी, शोभा जायसवाल, मिली गुप्ता सहित अनेक सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। समापन पर श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और भारतीय संस्कृति, योग, आयुर्वेद तथा समाज सेवा के लिए सामूहिक संकल्प लिया।

बासुकीनाथ में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव-2026 का शुभारंभ

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम

झारखंड दर्शन संवाददाता

दुमका। बाबा बासुकीनाथ धाम में बुधवार को वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव-2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से पूरा धाम भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जरमुण्डी विधायक देवेंद्र कुंवर, संथाल परगना प्रमंडल के आयुक्त संजय कुमार, उपायुक्त अभिजीत सिन्हा, पुलिस अधीक्षक पीताम्बर सिंह खेरवार, उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया।

मुख्य अतिथि देवेंद्र कुंवर ने कहा कि श्रावणी मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आस्था, सेवा, समर्पण और सामाजिक सद्भाव का महापर्व है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सेवा ही बाबा बासुकीनाथ की सच्ची सेवा है और सभी को 'अतिथि देवो भवः' की भावना के साथ उनका स्वागत करना चाहिए। उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने बताया कि मुख्यमंत्री के निदेर्शानुसार श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा एवं सुगम जलार्पण के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। मेला क्षेत्र में लगभग तीन हजार पुलिसकर्मियों, 700 दंडाधिकारियों और 150 चिकित्सकों की प्रतिनियुक्ति की गई है। 20 एंबुलेंस, टोटो एंबुलेंस, 200 स्थायी शौचालय, लगभग 20 हजार वाहनों की पार्किंग तथा पांच हजार श्रद्धालुओं की क्षमता वाली टेंट सिटी की व्यवस्था की गई है। शिवगंगा में स्थायी जल शोधन संयंत्र स्थापित किया गया है। साथ ही ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, खोया-पाया केंद्र, स्वच्छ पेयजल एवं एआई आधारित सीसीटीवी निगरानी प्रणाली भी उपलब्ध कराई गई है। पुलिस अधीक्षक पीताम्बर सिंह खेरवार ने कहा कि पुलिस प्रशासन पूरी संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ श्रद्धालुओं की सेवा में तैनात रहेगा। समारोह के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया और पूरे परिसर में उत्साह एवं भक्ति का वातावरण बना रहा।

परसपानी होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज का डीसी ने किया निरीक्षण, मान्यता बहाली को लेकर दिए आवश्यक निर्देश

झारखंड दर्शन संवाददाता

गोड्डा। राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग द्वारा राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, परसपानी की मान्यता निरस्त किए जाने के बाद उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने संस्थान का निरीक्षण कर आधारभूत सुविधाओं और शैक्षणिक व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने आयोग द्वारा चिन्हित कमियों को प्राथमिकता के आधार पर दूर करने तथा सभी निर्धारित मानकों की पूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने ओपीडी, आईपीडी, प्रयोगशाला, कक्षा-कक्ष, पुस्तकालय, अस्पताल वार्ड, औषधि वितरण केंद्र, पेयजल, विद्युत व्यवस्था, स्वच्छता तथा भवनों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और कार्ययोजना बनाकर शीघ्र कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने छात्र-छात्राओं से संवाद कर उनकी समस्याएं भी सुनीं। विद्यार्थियों ने स्थायी प्राचार्य की नियुक्ति, शिक्षकों की कमी दूर करने, प्रयोगशाला में आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराने, छात्रावास में बिजली एवं शुद्ध पेयजल, जर्जर संपर्क पथ के निर्माण, इंटरनेट सुविधा, एम्बुलेंस, इंटर्न छात्रावास, कैंटीन तथा सरकारी मेस जैसी मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। उपायुक्त ने छात्र-छात्राओं को एक प्रतिनिधि समिति गठित करने का निर्देश देते हुए कहा कि जिन समस्याओं का समाधान जिला स्तर पर संभव होगा, उनका त्वरित निष्पादन किया जाएगा। अन्य मांगों से संबंधित प्रतिवेदन विभाग एवं उच्चाधिकारियों को भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि गोड्डा में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। संस्थान में शैक्षणिक गुणवत्ता और चिकित्सा सुविधाओं में सुधार कर सभी आवश्यक मानकों की पूर्ति सुनिश्चित की जाएगी, ताकि भविष्य में कॉलेज की मान्यता बहाल कराने की दिशा में सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकें। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त विस्पुते श्रीकांत यशवंत, प्राचार्य डॉ. अशोक पासवान सहित संबंधित अधिकारी, चिकित्सक, शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

मानदेय भुगतान में 14 माह की देरी, कंप्यूटर ऑपरेटरों व वाहन चालकों ने बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

झारखंड दर्शन संवाददाता

मेहरमा। प्रखंड कार्यालय में बाह्य स्रोत के आधार पर कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटरों एवं वाहन चालकों ने 14 माह से लंबित मानदेय के भुगतान की मांग को लेकर बुधवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी अभिनव कुमार को ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों ने बताया कि लंबे समय से मानदेय नहीं मिलने के कारण उनके परिवार आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। ज्ञापन में कहा गया है कि प्रत्येक माह समय पर मानदेय का भुगतान नहीं होने से परिवार का भरण-पोषण, दैनिक जीवन-यापन तथा बच्चों की पढ़ाई-लिखाई गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है। 14 माह से भुगतान लंबित रहने के कारण कर्मचारियों को घरेलू खर्च चलाने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि नियमित रूप से कार्य करने के बावजूद मानदेय का भुगतान नहीं होना अत्यंत चिंताजनक है। कर्मचारियों ने बीडीओ से आग्रह किया कि लंबित मानदेय का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित कराया जाए, ताकि वे आर्थिक परेशानियों से उबर सकें। उन्होंने कहा कि समय पर भुगतान होने से कर्मचारियों का मनोबल भी बढ़ेगा और वे पूरी निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर सकेंगे। बीडीओ को सौंपे गए ज्ञापन में प्रशासन से आवश्यक पहल कर बकाया राशि का जल्द भुगतान कराने की मांग की गई।

संक्षिप्त खबरें

महर्षि वेदव्यास जयंती पर सुलेख व सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, मेधावी छात्र हुए सम्मानित

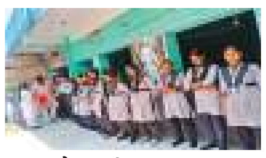

हरिहरगंज। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, हरिहरगंज में बुधवार को महर्षि वेदव्यास जी की जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में सुलेख एवं सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को मेडल एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार पाकर विद्यार्थियों में उत्साह का माहौल देखा गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य विजयेन्द्र प्रसाद ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने महर्षि वेदव्यास के जीवन, व्यक्तित्व एवं उनके महान योगदान पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से उनके आदर्शों का अनुसरण करने का आह्वान किया। इस अवसर पर विद्यालय के भैया-बहनों ने महर्षि वेदव्यास जी के जीवन और उनके आदर्शों पर अपने विचार व्यक्त किए। वहीं आचार्यों ने विद्यार्थियों को गुरु-शिष्य परंपरा का महत्व बताते हुए गुरुजनों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का भाव रखने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के सफल संचालन एवं आयोजन में शिक्षक मोहन ठाकुर, संजय कुमार सिंह, हंसराज गुप्ता, नीलिमा मेहता, कशिश कुमारी, प्रियंका कुमारी, विभा कुमारी, तान्या कुमारी एवं मनीषा कुमारी ने सराहनीय भूमिका निभाई।

अंतिम संस्कार की लकड़ी काटते समय पेड़ से गिरकर व्यक्ति की दर्दनाक मौत

गुमला। सदर थाना क्षेत्र के कुटासी टोंगरीटोली में एक हृदयविदारक हादसे में 47 वर्षीय लक्ष्मण गोप की आम के पेड़ से गिरकर मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, वह अपनी बड़ी माता दोदी देवी के अंतिम संस्कार के लिए लकड़ी काटने आम के पेड़ पर चढ़े थे। इसी दौरान उनका पैर फिसल गया और संतुलन बिगड़ने से वह ऊंचाई से नीचे गिर पड़े। गंभीर चोट लगने के कारण उनकी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। इस घटना से पूरे परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। घटना की सूचना मिलते ही गुमला सदर थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए गुमला सदर अस्पताल भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मामले की जांच प्रारंभ कर दी है। मृतक के परिजन सुरेश गोप ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि उनकी बड़ी माता दोदी देवी लंबे समय से बीमार थीं और उनके निधन के बाद अंतिम संस्कार की तैयारी चल रही थी। इसी उद्देश्य से लक्ष्मण गोप आम के पेड़ पर चढ़कर लकड़ी काट रहे थे। लकड़ी काटने के दौरान अचानक उनका पैर फिसल गया, जिससे वह नीचे गिर पड़े और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने इसे प्रथम दृष्टया दुर्घटनावश हुई मौत माना है तथा आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी कर मामले की जांच जारी रखी है।

गुमला में अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद, पहचान के लिए पुलिस ने की अपील

गुमला। गुमला जिले के रायडीह प्रखंड अंतर्गत सुरसांग थाना क्षेत्र के बिरकेरा टंगराटोली स्थित घोड़ा पहाड़ के समीप मंगलवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद होने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। स्थानीय ग्रामीणों ने शव पड़े होने की सूचना सुरसांग थाना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल पर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया एवं पंचनामा की कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए गुमला सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस के अनुसार मृतक की आयु लगभग 40 वर्ष तथा लंबाई करीब 5.5 फीट है। हालांकि अब तक उसकी पहचान नहीं हो सकी है। सुरसांग थाना पुलिस आसपास के गांवों में पूछताछ कर रही है तथा मृतक की शिनाख्त के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि मृतक की पहचान होने के बाद ही उसकी मृत्यु के कारणों और घटना की वास्तविक परिस्थितियों का स्पष्ट पता चल सकेगा। पुलिस ने बताया कि नियमानुसार शव को गुमला सदर अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस में 72 घंटे तक सुरक्षित रखा जाएगा। इस अवधि के दौरान यदि मृतक के परिजन अथवा उसकी पहचान करने वाला कोई व्यक्ति सामने आता है, तो आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव उन्हें सौंप दिया जाएगा। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि यदि किसी को मृतक के संबंध में कोई जानकारी हो तो तत्काल सुरसांग थाना अथवा निकटतम पुलिस थाना से संपर्क कर पुलिस की जांच में सहयोग करें।

मजदूरी करने जा रहे व्यक्ति की ट्रेन में चढ़ने के दौरान पैर फिसला हुई मौत

मेदिनीनगर। चैनपुर थाना क्षेत्र के पूर्व मोहल्ला निवासी स्वर्गीय अशोक राम के पुत्र मिथिलेश कुमार उम्र 35 वर्ष की ट्रेन में चढ़ने के दौरान पैर फिसला और मौत हो गई। इस घटना के बारे में परिजनों ने बताया कि मिथिलेश कुमार अपने परिवार का भरण पोषण और रोजी-रोटी की तलाश में धनबाद मजदूरी करने जा रहा था।मंगलवार को मिथिलेश कुमार बरवाडीह रेलवे स्टेशन पहुंचा था। रेलवे स्टेशन पर बीडीएम सवारी ट्रेन पर चढ़ने के दौरान उसका पैर फिसल गया।जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद वहां पर मौजूद अन्य यात्रियों के द्वारा इस घटना की जानकारी जीआरपी थाना की पुलिस को दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही जीआरपी थाना की पुलिस बरवाडीह रेलवे स्टेशन पहुंचकर घायल मिथिलेश कुमार को इलाज के बरवाडीह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे।जहां प्राथमिक उपचार के बाद भी चिकित्सको ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया।

लावालौंग में सड़क, बिजली और नेटवर्क की मांग को लेकर ग्रामीणों का धरना

झारखंड दर्शन संवाददाता

लावालौंग/ चतरा। वर्षों से सड़क, बिजली और मोबाइल नेटवर्क जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित लावालौंग के ग्रामीणों का आक्रोश बुधवार को प्रखंड मुख्यालय में आयोजित एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन के दौरान खुलकर सामने आया। सैकड़ों ग्रामीणों ने प्रशासन, स्थानीय विधायक और सांसद के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए चेतावनी दी कि यदि 15 अगस्त तक उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो वे भूख हड़ताल, उग्र आंदोलन और पुनः वोट बहिष्कार का रास्ता अपनाएंगे। धरना में शामिल ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान क्षेत्र में सड़क निर्माण, निर्बाध बिजली आपूर्ति और मोबाइल नेटवर्क की सुविधा उपलब्ध कराने के बड़े-बड़े वादे किए गए थे, लेकिन चुनाव समाप्त होने के बाद जनप्रतिनिधियों ने क्षेत्र की कोई सुध नहीं ली। ग्रामीणों का कहना था कि कई बार ज्ञापन सौंपने और वोट बहिष्कार जैसे आंदोलन करने के बावजूद सरकार और प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। प्रदर्शनकारियों ने लावालौंगझपांकी सड़क के निर्माण को क्षेत्र की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए कहा कि सड़क की जर्जर स्थिति के कारण बरसात के दिनों में कई गांवों का संपर्क मुख्यालय से कट जाता है। इससे मरीजों को अस्पताल पहुंचाने, विद्यार्थियों के विद्यालय आने-जाने तथा ग्रामीणों के दैनिक आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा अनियमित बिजली आपूर्ति और मोबाइल नेटवर्क की खराब स्थिति से लोगों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। धरना के दौरान हमारी मांगें पूरी करो और सांसद-विधायक झूठे वादे करना बंद करो जैसे नारों से प्रखंड मुख्यालय गूंज उठा। ग्रामीणों ने स्पष्ट कहा कि यदि 15 अगस्त तक उनकी समस्याओं के समाधान की दिशा में ठोस पहल नहीं की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार और प्रशासन की होगी। धरना-प्रदर्शन में शंकर साहू, महमूद खान, नेमन भारती, छठू सिंह भोक्ता, सरजू यादव, भोला राम, मुकेश यादव, अंशु यादव सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय भांवर में 39 छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण

झारखंड दर्शन संवाददाता

हरिहरगंज। प्रखंड क्षेत्र के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय, भाँवर में बुधवार को राज्य सरकार की साइकिल योजना के तहत छात्र-छात्राओं के बीच 39 साइकिलों का वितरण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाध्यापक दिलीप कुमार पासवान, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष अखिलेश कुमार मेहता एवं समाजसेवी हीरालाल यादव ने संयुक्त रूप से किया। मौके पर अतिथियों ने कहा कि सरकार की साइकिल योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को विद्यालय आने-जाने में सुविधा उपलब्ध कराना तथा शिक्षा के प्रति उनका उत्साह बढ़ाना है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से नियमित रूप से विद्यालय आने, मन लगाकर पढ़ाई करने और साइकिल का सुरक्षित उपयोग करने की अपील की।साइकिल मिलने पर छात्र-छात्राओं में काफी खुशी देखी गई। विद्यार्थियों ने कहा कि अब उन्हें विद्यालय आने-जाने में पहले की अपेक्षा अधिक सुविधा होगी, जिससे उनकी पढ़ाई भी नियमित रूप से जारी रह सकेगी। कार्यक्रम में धनंजय कुमार, सत्य प्रकाश सिंह, उमरेश साहू सहित विद्यालय के शिक्षक, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। समारोह शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

आईजी शैलेंद्र कुमार ने लंबित कांडों की समीक्षा की, समयबद्ध निष्पादन के दिए निर्देश

झारखंड दर्शन संवाददाता

चतरा। उत्तरी छोटानागपुर प्रक्षेत्र, बोकारो के पुलिस महानिरीक्षक शैलेंद्र कुमार बुधवार को चतरा पहुंचे। पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचने पर पुलिस जवानों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया। इसके बाद आईजी ने कार्यालय के सभागार में रामगढ़ एवं चतरा जिले के पुलिस अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की।
बैठक में चतरा के पुलिस अधीक्षक सहित दोनों जिलों के सभी वरीय पुलिस पदाधिकारी एवं थाना प्रभारी उपस्थित रहे। समीक्षा बैठक का मुख्य उद्देश्य दोनों जिलों में लंबे समय से लंबित आपराधिक कांडों की प्रगति की समीक्षा करना तथा उनके शीघ्र निष्पादन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश देना था। आईजी शैलेंद्र कुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक लंबित मामले की निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण जांच सुनिश्चित करते हुए उसका समयबद्ध निष्पादन किया जाए। उन्होंने कहा कि पुलिस का दायित्व केवल प्राथमिकी दर्ज करना नहीं, बल्कि मामलों की प्रभावी जांच कर उन्हें तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाना भी है। किसी भी मामले के अनावश्यक रूप से लंबित रहने से संबंधित पक्षों को परेशानी होती है और न्याय प्रक्रिया भी प्रभावित होती है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के विरुद्ध मामले दर्ज हैं, उनके मामलों की जांच समय पर पूरी कर विधिसम्मत कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि किसी निर्दोष व्यक्ति का भविष्य लंबित मुकदमों के कारण प्रभावित न हो और दोषियों को भी समय पर न्यायिक प्रक्रिया का सामना करना पड़े। आईजी ने अधिकारियों से लंबित मामलों के निष्पादन में तेजी लाने, अनुसंधान की गुणवत्ता बनाए रखने तथा कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया।

जिला स्तरीय जवाहरलाल नेहरू हॉकी प्रतियोगिता में लेपो सिमरिया का दबदबा

झारखंड दर्शन संवाददाता

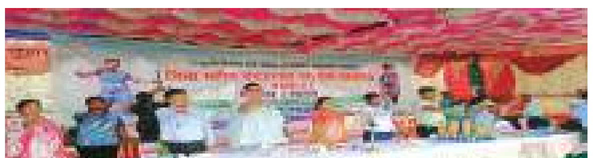

चतरा। झारखंड शिक्षा परियोजना, रांची के तत्वावधान में जिला स्तरीय जवाहरलाल नेहरू हॉकी प्रतियोगिता 2026-27 का आयोजन बुधवार को पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, चतरा के खेल मैदान में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला परिषद अध्यक्ष, जिला शिक्षा अधीक्षक रामजी कुमार तथा पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय के प्राचार्य ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधीक्षक रामजी कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में अंडर-15 बालक, अंडर-17 बालक एवं अंडर-17 बालिका वर्ग के खिलाड़ियों ने भाग लिया। तीनों आयु वर्गों में जिले की कुल 20 टीमों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह, अनुशासन और खेल भावना के साथ मुकाबलों में हिस्सा लिया। अंडर-17 बालक वर्ग में उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय, लेपो, सिमरिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। उत्क्रमित उच्च विद्यालय, पिंडराकौन, गिद्धौर उपविजेता रहा, जबकि गंगा स्मारक प्लस टू उच्च विद्यालय, गिद्धौर ने तृतीय स्थान हासिल किया। अंडर-15 बालक वर्ग में भी उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय, लेपो सिमरिया, विजेता बना। उत्क्रमित उच्च विद्यालय, पिंडराकौन, गिद्धौर ने दूसरा तथा उत्क्रमित उच्च विद्यालय, सोकी, मयूरहंड ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।
अंडर-17 बालिका वर्ग में भी उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय, लेपो, सिमरिया ने प्रथम स्थान हासिल कर अपना दबदबा कायम रखा। सीएम एसओई, चतरा उपविजेता रहा, जबकि कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, टंडवा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में चतरा जिला ओलंपिक संघ के सचिव राकेश कुमार सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष चंद्रेश शर्मा तथा शारीरिक शिक्षा शिक्षक राघवेंद्र चौधरी, दीपक कुमार, अबोध राम, विकास कुमार, सविता माल्तो, संतोष कुमार सिंह, प्रियंका कुमारी, कुसुम कुमारी, मंजू कुमारी, राकेश कुमार,वीरेंद्र कुमार, चंद्रशेखर, प्रियांक सिंह, सुबीर कुमार, राजाराम यादव एवं महादेव महतो सहित सभी सहयोगियों की भूमिका सराहनीय रही।

ई-विद्यावाहिनी में शिक्षक व विद्यार्थियों की ऑनलाइन उपस्थिति अनिवार्य, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

झारखंड दर्शन संवाददाता

गुमला। जिला शिक्षा पदाधिकारी सह जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, झारखंड शिक्षा परियोजना, कविता खलखो ने जिले के सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारियों, क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारियों, लेखापाल-सह-कंप्यूटर ऑपरेटर तथा प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारियों को ई-विद्यावाहिनी पोर्टल पर शिक्षकों, शिक्षकेत्तर कर्मियों, सहायक अध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं की शत-प्रतिशत ऑनलाइन उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। यह आदेश स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार के निर्देश तथा सचिव की अध्यक्षता में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस के निर्णयों के अनुपालन में जारी किया गया है। जारी निर्देश में बताया गया है कि वर्ष 2026 में जिले के सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों में शिक्षकों की औसत उपस्थिति 82.85 प्रतिशत तथा विद्यार्थियों की औसत उपस्थिति 63.21 प्रतिशत दर्ज की गई है। विभाग ने इस स्थिति में सुधार के लिए विशेष कार्ययोजना लागू करने का निर्णय लिया है। सभी विद्यालयों में प्रतिदिन ई-विद्यावाहिनी पोर्टल पर ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करना अनिवार्य होगा। प्रखंड स्तर पर एमआईएस समन्वयक एवं कंप्यूटर ऑपरेटर प्रतिदिन उपस्थिति विवरण डाउनलोड कर उसकी समीक्षा करेंगे तथा संबंधित व्हाट्सएप समूह में साझा करेंगे। निर्देश के अनुसार निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी शिक्षकों की ऑनलाइन उपस्थिति के सत्यापन के आधार पर ही वेतन एवं मानदेय का भुगतान सुनिश्चित करेंगे। साथ ही सभी शिक्षक एवं प्रधानाध्यापक केवल ऑनलाइन माध्यम से ही अवकाश आवेदन कर सकेंगे। ऑफलाइन अथवा अन्य किसी माध्यम से दिए गए आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने प्रत्येक सप्ताह और प्रत्येक माह विद्यालयवार उपस्थिति की समीक्षा करने तथा लगातार अनुपस्थित रहने वाले शिक्षकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

चार साल बाद कब्र से निकाला गया नर कंकाल, डायन-बिसाही के शक में हत्या की जांच तेज

झारखंड दर्शन संवाददाता

गुमला। जिले के रायडीह थाना क्षेत्र के नवागढ़ बैगाटोली में चार वर्ष पूर्व हुई संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने नए सिरे से जांच शुरू की है। अंधविश्वास और डायन-बिसाही के संदेह में कथित हत्या के आरोपों की जांच के तहत पुलिस ने दंडाधिकारी की मौजूदगी में मृतक मलकन बैगा (65) का कंकाल कब्र से बाहर निकलवाया। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की निगरानी में कब्र की खुदाई की गई, जहां से नर कंकाल बरामद हुआ। कंकाल को कब्जे में लेकर गुमला सदर अस्पताल भेजा गया, लेकिन केवल अस्थि अवशेष होने के कारण चिकित्सकों ने पोस्टमार्टम करने में असमर्थता जताई। अब वैज्ञानिक जांच के लिए कंकाल को रिम्स, रांची भेजा जा रहा है। मामले में नया मोड़ तब आया जब मृतक की पुत्री उर्मिला देवी ने 13 जुलाई को रायडीह थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। उन्होंने आरोप लगाया कि सात जून 2022 को उनके पिता की हत्या डायन-बिसाही और तंत्र-मंत्र के संदेह में कर दी गई थी। शिकायत के अनुसार, धान रोपनी के कार्य से लौटने के दौरान आरोपियों ने मलकन बैगा की लाठी-डंडों से पिटाई की और बाद में घर में घुसकर उनकी हत्या कर दी।

इस मामले में गांव के नौ लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया है। उर्मिला देवी का कहना है कि हत्या के बाद आरोपियों ने पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी थी। भय के कारण परिवार ने पुलिस को सूचना नहीं दी और शव का अंतिम संस्कार करने के बजाय उसे दफना दिया। चार वर्ष बाद हिम्मत जुटाकर दर्ज कराई गई प्राथमिकी के आधार पर पुलिस ने जांच तेज कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि फॉरेंसिक रिपोर्ट मिलने के बाद साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्कूल जाने के लिए जान जोखिम में डालने को मजबूर पोटम गांव के बच्चे, सड़क और पुल की मांग तेज

झारखंड दर्शन संवाददाता

लावालौंग/ चतरा। झारखंड के चतरा जिले के लावालौंग प्रखंड अंतर्गत हेडूम पंचायत का पोटम गांव आज भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। यहां के ग्रामीणों और स्कूली बच्चों को हर वर्ष बरसात के मौसम में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। गांव तक पहुंचने के लिए न तो पक्की सड़क है और न ही बरसाती नाले पर पुल का निर्माण कराया गया है, जिसके कारण आवागमन जोखिम भरा बना हुआ है। उत्क्रमित मध्य विद्यालय, पोटम में अध्ययनरत बच्चे प्रतिदिन उफनते नाले को पार कर विद्यालय पहुंचने के लिए विवश हैं। सामने आई तस्वीरों में स्पष्ट दिखाई देता है कि मासूम बच्चे पानी से लबालब भरे नाले के किनारे खड़े होकर अपनी जान जोखिम में डालकर उसे पार कर रहे हैं। बरसात के दौरान नाले का जलस्तर बढ़ जाने से स्थिति और अधिक भयावह हो जाती है तथा किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका बनी रहती है।
ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से सड़क और पुल निर्माण की मांग जनप्रतिनिधियों तथा प्रशासन के समक्ष उठाई जाती रही है, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई है। उनका आरोप है कि विकास के दावों के बावजूद पोटम गांव आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। ग्रामीणों ने राज्य सरकार, जिला प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से अविलंब सड़क एवं पुल निर्माण कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि शीघ्र आवश्यक कदम नहीं उठाए गए तो बच्चों की सुरक्षा पर लगातार खतरा बना रहेगा। ग्रामीणों का मानना है कि सड़क और पुल बनने से न केवल बच्चों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित होगी, बल्कि पूरे गांव को आवागमन की समस्या से भी स्थायी राहत मिलेगी।

हरिहरगंज में सार्वजनिक शौचालय सह स्नानघर का हुआ लोकार्पण

महिला–पुरुषों के लिए अलग व्यवस्था, स्नानघर, बेडरूम व दिव्यांगों के लिए भी विशेष सुविधा

झारखंड दर्शन संवाददाता

हरिहरगंज। नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत न्यू बस स्टैंड परिसर में बुधवार को नव निर्मित सार्वजनिक शौचालय सह स्नानघर का लोकार्पण किया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष कुमारी शीला चौधरी, उपाध्यक्ष सुशील कुमार रवि, सांसद प्रतिनिधि राजीव रंजन, विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव तथा कार्यपालक पदाधिकारी फैजुर रहमान अंसारी ने संयुक्त रूप से शिलापट्ट का अनावरण एवं फीता काटकर उद्घाटन किया। नगर पंचायत की ओर से निर्मित इस आधुनिक सार्वजनिक शौचालय में महिला एवं पुरुषों के लिए अलग-अलग पांच-पांच सीटों की व्यवस्था की गयी है। इसके अलावा एक-एक स्नानघर, आपातकालीन स्थिति में ठहरने के लिए दो बेडरूम तथा दिव्यांगजनों की सुविधा के अनुरूप विशेष व्यवस्था भी उपलब्ध कराई गयी है। नगर पंचायत अध्यक्ष कुमारी शीला चौधरी एवं कार्यपालक पदाधिकारी फैजुर रहमान अंसारी ने कहा कि नगर पंचायत का उद्देश्य शहर को स्वच्छ, सुंदर और खुले में शौच से मुक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि न्यू बस स्टैंड पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्रियों एवं स्थानीय लोगों का आवागमन होता है। ऐसे में इस सार्वजनिक शौचालय के शुरू होने से लोगों को स्वच्छ और सुविधाजनक व्यवस्था का लाभ मिलेगा। उन्होंने नागरिकों से शौचालय का नियमित उपयोग करने तथा इसकी साफ-सफाई बनाए रखने में सहयोग की अपील की। मौके पर सिटी मैनेजर नजीबुल्लाह अंसारी, सांसद प्रतिनिधि राजीव रंजन, विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव, जेई कुलदीप कुमार, वार्ड पार्षद अमरजीत यादव, कृष्ण कुमार क्रांतिकारी, पवन पासवान, अवधेश मेहता, आकाश कुमार, समाजसेवी जानू चौधरी, टुडे आलम, कलीम शाह, शौचालय संचालक अरुण कुमार, पप्पू चौधरी सहित कई जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय लोग उपस्थित थे।

जर्जर सड़क की मरम्मत को लेकर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, कोयला ढुलाई पूरी तरह ठप

झारखंड दर्शन संवाददाता

टंडवा। टंडवा-केरेडारी आम्रपाली मार्ग पर लकराही मोड़ से चुंदरू मंदिर फोरलेन तक की जर्जर सड़क की शीघ्र मरम्मत की मांग को लेकर बुधवार को ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। कांग्रेस नेता सुभाष दास के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने प्रदर्शन करते हुए आम्रपाली-चुंदरू मार्ग पर चल रही कोयला ढुलाई पूरी तरह ठप कर दी। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि सड़क की बदहाल स्थिति के कारण लोगों का आवागमन अत्यंत कठिन हो गया है और हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। आंदोलन की सूचना मिलते ही सीसीएल के महाप्रबंधक संजीव कुमार के निर्देश पर चंद्रगुप्त परियोजना के परियोजना पदाधिकारी भूषण कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने आंदोलनकारियों से वार्ता कर उनकी समस्याएं सुनीं और आश्वासन दिया कि सीसीएल द्वारा सड़क की तत्काल मरम्मत कराई जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सड़क के स्थायी कालीकरण का कार्य संबंधित विभाग से अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त होते ही शुरू कर दिया जाएगा। ग्रामीणों ने कहा कि आम्रपाली परियोजना से प्रतिदिन बड़ी संख्या में भारी कोयला वाहनों का परिचालन होता है, जिससे सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। धूल, गड्ढों और अनियंत्रित यातायात के कारण स्थानीय लोगों, स्कूली बच्चों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शनकारियों ने सड़क की तत्काल मरम्मत, दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए ट्रैफिक गार्ड की तैनाती तथा नियमित साफ-सफाई के लिए स्थायी कर्मियों की नियुक्ति की मांग की। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि सीसीएल जल्द ठोस कदम नहीं उठाता और उनकी मांगों पर अमल नहीं होता, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा तथा कोयला ढुलाई का विरोध जारी रहेगा। ग्रामीणों का कहना है कि विकास परियोजनाओं का लाभ तभी सार्थक होगा, जब स्थानीय लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

नाइट राइडर्स ने रयान टेन डोशेट को बनाया हेड ऑफ क्रिकेट स्ट्रैटेजी

एजेंसी

कोलकाता। नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स ने अपने पूर्व खिलाड़ी और कोचिंग स्टाफ के अहम सदस्य रहे रयान टेन डोशेट को हेड ऑफ क्रिकेट स्ट्रैटेजी नियुक्त किया है। इस नई भूमिका में वह नाइट राइडर्स समूह की वैश्विक फ्रेंचाइजी. के लिए क्रिकेट रणनीति, प्रतिभा की पहचान, खिलाड़ी भर्ती और विकास का नेतृत्व करेंगे। रयान टेन डोशेट स्काउटिंग, खिलाड़ी चयन, टीम संयोजन और प्रदर्शन मूल्यांकन की रणनीति तैयार करेंगे। साथ ही वह विभिन्न फ्रेंचाइजी. के कोचिंग स्टाफ के साथ मिलकर पूरे नाइट राइडर्स नेटवर्क में एक समान क्रिकेट दर्शन और कार्यशैली विकसित करने पर काम करेंगे।

नई जिम्मेदारी के तहत वह त्रिनबागो नाइट राइडर्स (कैरेबियन प्रीमियर लीग), अबू धाबी नाइट राइडर्स (आईएलटी20) और लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स (मेजर लीग क्रिकेट) के सहायक कोच की भूमिका भी निभाएंगे। नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वेंकी मैसूर ने बुधवार को फ्रैंचाइजी की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा कि रयान का परिवार में दोबारा स्वागत करते हुए उन्हें बेहद खुशी हो रही है। उन्होंने कहा कि नाइट राइडर्स की क्रिकेट संस्कृति की उनकी गहरी समझ और अंतरराष्ट्रीय व फ्रेंचाइजी क्रिकेट का अनुभव उन्हें

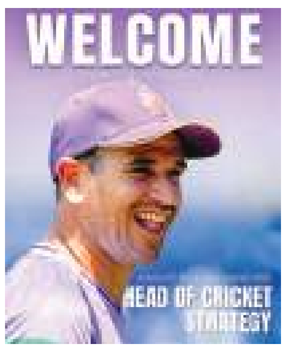

इस भूमिका के लिए सबसे उपयुक्त बनाता है। उनके नेतृत्व में नाइट राइडर्स नेटवर्क के विकास को नई दिशा मिलेगी।

अपनी नियुक्ति पर रयान टेन डोशेट ने कहा कि वह एक बार फिर नाइट राइडर्स परिवार से जुड़कर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि यह विभिन्न वैश्विक फ्रेंचाइजी.की कोचिंग और विश्लेषण टीमों के साथ मिलकर स्काउटिंग, खिलाड़ी विकास प्रणाली को मजबूत करने और दीर्घकालिक क्रिकेट रणनीति तैयार करने का शानदार अवसर है। रयान टेन डोशेट का नाइट राइडर्स के साथ सफर 2011 में खिलाड़ी के रूप में शुरू हुआ था। वह कोलकाता नाइट राइडर्स की 2012 और 2014 की आईपीएल विजेता टीम के सदस्य रहे। इसके बाद 2022 में वह कोचिंग समूह का हिस्सा बने और 2024 में टीम की तीसरी आईपीएल खिताबी जीत में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एशियाई खेल 2026 के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम घोषित

हरमनप्रीत सिंह संभालेंगे कमान, मनप्रीत सिंह उपकप्तान

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने बुधवार को जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होने वाले 20वें एशियाई खेल 2026 के लिए 20 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कप्तानी स्टार डिफेंडर और ड्रैग-फ्लिक विशेषज्ञ हरमनप्रीत सिंह करेंगे, जबकि अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह टीम के उपकप्तान होंगे।

भारत मौजूदा एशियाई खेल चैंपियन के रूप में टूर्नामेंट में उतरेगा। हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारतीय टीम ने 2023 के हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक का टिकट हासिल किया था। इस बार भी टीम का लक्ष्य खिताब बचाने के साथ-साथ लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक का सीधा कोटा हासिल करना होगा। गोलकीपिंग की जिम्मेदारी मोहित एचएस और सूरज करकेरा संभालेंगे। रक्षापंक्ति में जरमनप्रीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय, सुमित और यशदीप सिवाच शामिल हैं।

मिडफील्ड में राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल, हार्दिक सिंह,

मनप्रीत सिंह, नीलकांत शर्मा और विवेक सागर प्रसाद टीम की कमान संभालेंगे। वहीं आक्रमण की जिम्मेदारी दिलप्रीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, सुखजीत सिंह, मनदीप सिंह और अभिषेक के कंधों पर होगी।

भारतीय टीम को पूल-ए में मेजबान जापान, दक्षिण कोरिया, बांग्लादेश, श्रीलंका और इंडोनेशिया के साथ रखा गया है। भारत अपने अभियान की शुरूआत 20 सितंबर को इंडोनेशिया के खिलाफ करेगा। इसके बाद टीम 22 सितंबर को श्रीलंका, 24 सितबर को दक्षिण कोरिया, 26 सितबर को जापान और 28 सितंबर को बांग्लादेश से भिड़ेगी।

मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने टीम चयन पर कहा कि यह बेहद अनुभवी टीम है और सभी खिलाड़ियों का लक्ष्य एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक जीतकर

भारतीय टीम

गोलकीपर : मोहित एचएस, सूरज करकेरा। फेंडर: जरमनप्रीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय, सुमित, यशदीप सिवाच। मिडफील्डर: राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, नीलकांत शर्मा, विवेक सागर प्रसाद। फॉरवर्ड : दिलप्रीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, सुखजीत सिंह, मनदीप सिंह, अभिषेक।

लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना है।

कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि उन्हें टीम के हर खिलाड़ी पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा संतुलन टीम की सबसे बड़ी ताकत है। खिलाड़ियों को बिना दबाव के अपनी जिम्मेदारी समझते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच वर्ल्ड कप 2026 के लिए रवाना

फ्रैंकफर्ट में जर्मनी के खिलाफ दो प्रैक्टिस मैच खेलेगी भारतीय टीम

एजेंसी

बेंगलुरु। भारतीय महिला हॉकी टीम बुधवार सुबह यूरोप के लिए रवाना हुई। एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप बेल्जियम और नीदरलैंड 2026 की मेजबानी में 15 से 30 अगस्त तक खेला जाएगा। टीम ने बेंगलुरु से मुंबई की यात्रा की और फिर फ्रैंकफर्ट, जर्मनी के लिए उड़ान भरी, जहाँ वह इस बड़े इवेंट से पहले अपनी तैयारियों के आखिरी चरण को पूरा करेगी। फ्रैंकफर्ट में रहने के दौरान, भारतीय टीम 31 जुलाई और 1 अगस्त को जर्मनी के खिलाफ दो प्रैक्टिस मैच खेलेगी ताकि टीम के तालमेल को बेहतर बनाया जा सके और यूरोपीय परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाला जा सके।

ट्रेनिंग कैंप के बाद, टीम 2 अगस्त को एम्स्टर्डम के लिए रवाना होगी ताकि नीदरलैंड में वर्ल्ड कप की अपनी तैयारियों को

हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे : सलीमा टेटे

टीम के रवाना होने से पहले, कप्तान सलीमा टेटे ने टीम की तैयारियों पर भरोसा जताते हुए कहा, 'पूरी टीम आने वाली चुनौती के लिए उत्साहित है। हमारी ट्रेनिंग अच्छी रही है, और अब उस लय को प्रैक्टिस मैचों और फिर वर्ल्ड कप में भी बनाए रखना है। अपने पहले मैच में चीन का सामना करना एक अहम परीक्षा होगी, और हम टूर्नामेंट की शुरूआत सकारात्मक तरीके से करना चाहते हैं। एक टीम के तौर पर, हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और देश का नाम रोशन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' जर्मनी में महीनों की तैयारी और अहम ट्रेनिंग (जिसमें मेजबान टीम के खिलाफ दो प्रैक्टिस मैच भी शामिल हैं) के साथ, टीम अच्छी शुरूआत करने के लिए उत्सुक है।

जारी रख सके। भारत 16 अगस्त को चीन के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगा, जिसके बाद पूल ऊ में दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ मैच खेलेगा।

राष्ट्रमंडल खेल-2026 : छठे दिन भारत को दो रजत पदक, 12 पदकों के साथ तालिका में नौवें स्थान पर

नई दिल्ली (एजेंसी) । राष्ट्रमंडल खेल-2026 के छठे दिन भारत ने अपने खाते में दो और रजत पदक जोड़कर कुल पदकों की संख्या 12 पहुंचा दी। एथलेटिक्स में गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में ऐतिहासिक रजत पदक जीता, जबकि हरजिंदर कौर ने महिलाओं के 69 किलोग्राम भार वर्ग में कुल 227 किलोग्राम वजन उठाकर दूसरा रजत अपने नाम किया। इन दोनों उपलब्धियों के साथ भारत के खाते में अब 2 स्वर्ण, 7 रजत और 3 कांस्य सहित कुल 12 पदक हो गए हैं। पदक तालिका में भारतीय दल नौवें स्थान पर बना हुआ है। पदक तालिका में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा लगातार कायम है। ऑस्ट्रेलिया ने अब तक 35 स्वर्ण, 18 रजत और 27 कांस्य सहित कुल 80 पदक जीतकर पहला स्थान मजबूत किया है। कनाडा 13 स्वर्ण, 10 रजत और 12 कांस्य सहित कुल 35 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि इंग्लैंड 10 स्वर्ण, 18 रजत और 15 कांस्य सहित कुल 43 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर बना हुआ है। मेजबान स्कॉटलैंड 7 स्वर्ण के साथ चौथे, नाइजीरिया पांचवें, मलेशिया छठे, दक्षिण अफ्रीका सातवें और न्यूजीलैंड आठवें स्थान पर हैं। भारत नौवें स्थान पर है, जबकि जमैका शीर्ष-10 में दसवें स्थान पर मौजूद है। भारत को अब आगामी मुकाबलों में एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, सहित अन्य स्पधाओं से पदकों की उम्मीद रहेगी, जिससे पदक तालिका में उसकी स्थिति और मजबूत हो सकती है।

हरजिंदर कौर ने भारोत्तोलन में देश को दिलाया रजत पदक

एजेंसी

ग्लासगो। भारतीय भारोत्तोलक हरजिंदर कौर ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को महिलाओं के 69 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया। हरजिंदर ने स्नैच और क्लीन एंड जर्क के सभी छह प्रयास सफलतापूर्वक पूरे किए और कुल 227 किलोग्राम वजन उठाकर दूसरे स्थान पर रहीं।

स्नैच स्पर्धा में हरजिंदर ने 96 किलोग्राम से शुरूआत की और इसके बाद 99 किलोग्राम तथा 101 किलोग्राम वजन भी सफलतापूर्वक उठाया। स्नैच में 101 किलोग्राम के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ वह कनाडा की शार्लोट सिमोनो के बाद दूसरे स्थान पर रहीं। सिमोनो ने 108 किलोग्राम वजन उठाकर बढ़त बनाई थी।

क्लीन एंड जर्क में भी

● लगातार दूसरे राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतने का किया कारनामा

हरजिंदर ने अपनी शानदार लय बरकरार रखी। उन्होंने पहले प्रयास में 120 किलोग्राम, दूसरे में 123 किलोग्राम और अंतिम प्रयास में 126 किलोग्राम वजन सफलतापूर्वक उठाया। इस तरह उन्होंने स्नैच में 101 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 126 किलोग्राम सहित कुल 227 किलोग्राम वजन उठाकर रजत पदक पर कब्जा जमाया।

कनाडा की शार्लोट सिमोनो ने 240 किलोग्राम (108 किलोग्राम स्नैच और 132 किलोग्राम क्लीन एंड जर्क) के राष्ट्रमंडल खेल रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। ऑस्ट्रेलिया की न्या फीबी हेमैन ने कुल 218 किलोग्राम वजन उठाकर कांस्य पदक हासिल किया। यह हरजिंदर कौर का लगातार दूसरे राष्ट्रमंडल खेलों में पदक है। इससे पहले उन्होंने बर्मिंघम 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में महिलाओं के 71 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीता था। ग्लासगो 2026 में उन्होंने 69 किलोग्राम भार वर्ग में उतरकर एक बार फिर भारत को पदक दिलाया।

गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में जीता रजत पदक

एजेंसी

ग्लासगो। भारतीय धावक गुलवीर सिंह ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में इतिहास रचते हुए मंगलवार को पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में रजत पदक अपने नाम किया। इसके साथ ही वह इस स्पर्धा में पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष एथलीट बन गए। उन्होंने 27 मिनट 49.78 सेकंड का समय निकालकर यह उपलब्धि हासिल की।

यह राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुष 10,000 मीटर स्पर्धा में भारत का पहला पदक है। वहीं, पुरुष और महिला दोनों वर्गों को मिलाकर इस स्पर्धा में भारत को 16 वर्षों बाद पदक मिला है। इससे पहले दिल्ली 2010 राष्ट्रमंडल खेलों में कविता राऊत ने महिला 10,000 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीता था।

दौड़ की शुरूआत में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी गुलवीर सिंह शीर्ष धावकों के साथ बने रहे। 4,000

मीटर तक वह तीसरे स्थान पर थे, लेकिन आधी दूरी पूरी होने तक छठे स्थान पर खिसक गए। इसके बाद उन्होंने शानदार वापसी करते हुए 6,000 और 7,000 मीटर तक पांचवां स्थान हासिल किया। 8,000 मीटर पर वह फिर छठे स्थान पर पहुंचे, लेकिन अंतिम एक किलोमीटर बाकी रहते चौथे स्थान पर आ गए।

आखिरी चरण में गुलवीर सिंह ने जबरदस्त तेजी दिखाई। उन्होंने अंतिम एक किलोमीटर की दूरी 2 मिनट 29.2 सेकंड में पूरी करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ दिया और रजत पदक पर कब्जा जमाया।

ऑस्ट्रेलिया के काइ रॉबिन्सन ने 27 मिनट 48.93 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि आइल ऑफ मैन के डेविड मुलार्की ने 27 मिनट 50.28 सेकंड के साथ कांस्य पदक हासिल किया। स्वर्ण और रजत के बीच केवल 0.85 सेकंड तथा रजत और कांस्य के बीच महज 0.50 सेकंड का अंतर रहा।

गुलवीर सिंह का यह प्रदर्शन भारतीय लंबी दूरी की दौड़ के इतिहास में एक नई उपलब्धि के रूप में दर्ज हो गया है और उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों की 10,000 मीटर स्पर्धा में भारत के 16 वर्षों के पदक इंतजार को भी समाप्त कर दिया।

ताइपे ओपन-2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट

प्रणय और अनमोल खरब दूसरे दौर में, रौनक व श्रियांशी बाहर

ताइपे। भारत के अनुभवी शटलर एच.एस. प्रणय ने ताइपे ओपन-2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत करते हुए पुरुष एकल के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। सातवीं वरीयता प्राप्त प्रणय ने जापान के मिनोरू कोगा को केवल 35 मिनट में 21-11, 21-14 से हराकर अगले दौर का टिकट कटाया। विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता प्रणय इस सीजन संघर्ष से गुजर रहे थे। ताइपे पहुंचने से पहले वह इस वर्ष केवल तीन बार शुरूआती दौर पार कर सके थे। अब दूसरे दौर में उनका मुकाबला भारत के मिथुन मंजूनाथ और हांगकांग के जेसन गुनावन के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। महिला एकल में अनमोल खरब ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे दौर में जगह बनाई। उन्होंने भारत की ही इशिका जायसवाल को 56 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 21-15, 11-21, 21-19 से हराया। अब अनमोल का सामना अश्मिता चालिहा और चीनी ताइपे की दूसरी वरीयता प्राप्त टी लिन ह्सियांग के बीच होने वाले मैच की विजेता से होगा। हालांकि, भारत को कुछ निराशा भी हाथ लगी। पुरुष एकल में रौनक चौहान को सिंगापुर के रिची डुटा रिचार्डो ने 21-14, 21-16 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। वहीं महिला एकल में श्रियांशी वालिशेट्टी को थाईलैंड की सुपानिदा कातेथोंग के खिलाफ 21-11, 21-12 से हार का सामना करना पड़ा। ताइपे ओपन में भारत के कई अन्य खिलाड़ी भी चुनौती पेश कर रहे हैं और उनसे आगे के मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

जोरदार तेजी के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, लौटी रौनक

निवेशकों ने की 4.27 लाख करोड़ की कमाई

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज पूरे दिन उत्साह का माहौल बना रहा। इंट्रा-डे में सेंसेक्स लगभग 1,000 अंक उछल गया इसी तरह निफ्टी भी लगभग 300 अंक तक की मजबूती हासिल करने में सफल रहा। बाजार की इस तेजी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों को आज एक ही दिन में 4.27 लाख करोड़ रुपये का जबरदस्त मुनाफा हो गया।

आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद कुछ देर के लिए बिकवाली का दबाव भी बना लेकिन इसके बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया। पूरे दिन के कारोबार में बाजार पर तेजड़िये छाए रहे। हालांकि मंदड़ियों ने कई बार बिकवाली का दबाव बनाने की कोशिश भी की लेकिन खरीदारी के जोश के आगे उनकी कोई भी कोशिश सफल नहीं हो सकी। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.16 प्रतिशत और निफ्टी 1.10 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 675.85 अंक यानी 0.86 प्रतिशत की मजबूती के साथ 77,423.77 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होने के थोड़ी देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन गया, जिससे यह सूचकांक 77,333.24 अंक के स्तर तक लुढ़क गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे सेंसेक्स की चाल में दोबारा तेजी आ गई।

लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से शाम तीन बजे के थोड़ी देर पहले सेंसेक्स 999.57 अंक यानी 1.30 प्रतिशत उछल कर 77,765.49 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद मुनाफा वसूली के चक्कर में मामूली बिकवाली भी हुई, जिसके कारण सेंसेक्स दिन के ऊपरी स्तर से 110 अंक से अधिक फिसल कर 888.68 अंक की बढ़त के साथ 77,654.60 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 191.30 अंक यानी 0.80 प्रतिशत की छलांग लगा कर 24,176.65 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलने के बाद कुछ देर के लिए बिकवाली का दबाव भी बना, जिसकी वजह से यह सूचकांक गिर कर 24,136.75 अंक के स्तर पर आ गया। इसके बाद बाजार पर पूरी तरह से खरीदार हावी हो गए, जिससे निफ्टी की चाल में भी तेजी आ गई। हालांकि दिन के कारोबार के दौरान बीच-बीच में बिकवाली के मामूली झटके भी लगते रहे लेकिन खरीदारी का जोर इतना अधिक था कि इस सूचकांक की चाल पर कोई खास असर नहीं हो सका।

आईटीआर दाखिल करने के आखिरी तीन दिन, 31 जुलाई के बाद लगेगी लेट फीस

एजेंसी

नई दिल्ली। आकलन वर्ष 2026-27 यानी वित्त वर्ष 2025-26 के लिए आयकर रिटर्न आईटीआर फाइल करने के लिए अब सिर्फ 3 दिनों का समय बचा है। आम करदाताओं के लिए रिटर्न फाइल करने की अंतिम तारीख 31 जुलाई, 2026 है। वहीं, बिजनेस क्लास (आईटीआर-3 और आईटीआर-4) के कुछ करदाताओं के लिए यह 31 अगस्त, 2026 है।

आयकर विभाग ने बुधवार को 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा कि आईटीआर की डेडलाइन चूकना 'हिट विकेट' होने जैसा है, जिसे आसानी से टाला जा सकता है। देर से आयकर रिर्टन भरने पर लगने वाली फीस और ब्याज से बचें, जल्दी आईटीआर फाइल करके इसे 'फ्री हिट' में बदलें। विभाग ने कहा कि आकलन वर्ष 2026-27 के लिए आईटीआर-1 और आईटीआर-2, 31 जुलाई, 2026 से पहले मिला लें और अपना रिर्टन http://incometax.gov.in पर फाइल कर दें।

विभाग के मुताबिक अगर आप 31 जुलाई तक आईटीआर भरने से चूक जाते हैं तो 31 दिसंबर तक जुर्माना भरकर 'बिलेटेड रिटर्न' फाइल कर सकते हैं। हालांकि, इसके लिए आपको लेट फीस देनी होगी। आईटीआर आपकी पूरी आय, निवेश और वित्तीय लेन-देन का आधिकारिक रिकॉर्ड होता है।

उल्लेखनीय है कि अगर किसी व्यक्तिगत करदाता की सालाना आय 5 लाख रुपये से ज्यादा है, तब उसे 5 हजार रुपये की लेट फीस देनी होगी। अगर करदाता की सलाना इनकम 5 लाख रुपये से कम है, तब उसे लेट फीस के रूप में एक हजार रुपये भरने होंगे।

एलआईसी ने वित्त मंत्री को 12,207 करोड़ रु. के लाभांश का चेक सौंपा

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने बुधवार को केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 12,207 करोड़ रुपये का डिविडेंड चेक (लाभांश चेक) सौंपा।

एलआईसी ने एक बयान में बताया कि भारतीय जीवन बीमा निगम के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और एमडी आर. दोराईस्वामी ने आज वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री सीतारमण को 12,207.25 करोड़ रुपये का लाभांश का चेक सौंपा। यह सरकार का डिविडेंड हिस्सा है, जिसे 27 जुलाई 2026 को हुई सालाना आम बैठक में शेयरधारकों ने मंजूरी दी थी।

बीमा कंपनी ने कहा कि इस मौके पर केंद्रीय वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के सचिव संजय लोहिया के साथ एलआईसी के वरिष्ठ अधिकारियों में प्रबंध निदेशक (एमडी) रत्नाकर पटनायक और एमडी आर. चंदर तथा उत्तरी जोन के जोनल मैनेजर (प्रभारी) एनएस राघवा भी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि एलआईसी अपनी स्थापना के 70 शानदार साल पूरे कर रही है और 31 मार्च 2026 तक इसका एसेट बेस 59.03 लाख करोड़ है। यह भारतीय जीवन बीमा बाजार में मार्केट लीडर बनी हुई है।

संक्षिप्त खबरें

मर्सी हॉस्पिटल में डॉ. समीक्षा सोनथालिया ने संभाली शिशु एवं नवजात रोग विशेषज्ञ की जिम्मेदारी

गिरिडीह। मर्सी हॉस्पिटल, गिरिडीह में शिशु एवं नवजात रोग विशेषज्ञ डॉ॰ समीक्षा सोनथालिया ने अपनी सेवाएं प्रारंभ कर दी हैं। उनके अस्पताल से जुड़ने के बाद अब बच्चों एवं नवजात शिशुओं से संबंधित विभिन्न बीमारियों के लिए विशेषज्ञ परामर्श, सटीक जांच तथा आधुनिक उपचार की सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होंगी। इससे गिरिडीह सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, डॉ॰ समीक्षा सोनथालिया बाल एवं नवजात चिकित्सा के क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक हैं। उनके अनुभव और विशेषज्ञता से नवजात शिशुओं की देखभाल, सामान्य एवं गंभीर बीमारियों का उपचार तथा बच्चों के समग्र स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाया जाएगा। इससे अभिभावकों को भी अपने बच्चों के इलाज के लिए दूर-दराज के बड़े शहरों का रुख करने की आवश्यकता कम होगी। मर्सी हॉस्पिटल परिवार ने डॉ॰ समीक्षा सोनथालिया का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके मार्गदर्शन में अस्पताल की बाल एवं नवजात चिकित्सा सेवाएं नई ऊंचाइयों तक पहुंचेंगी। अस्पताल प्रबंधन ने कहा कि संस्थान का उद्देश्य क्षेत्रवासियों को गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित एवं आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है। अस्पताल ने यह भी भरोसा दिलाया कि भविष्य में अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार कर मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे गिरिडीह जिले में स्वास्थ्य सेवाओं का स्तर और अधिक मजबूत होगा।

दुग्दा योग केंद्र में गुरु पूजन एवं हवन के साथ मनाई गई गुरु पूर्णिमा

चंद्रपुरा। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर बुधवार को पतंजलि योग समिति, दुग्दा के योग केंद्र में श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ गुरु पूजन और हवन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ योगाचार्य श्यामसुंदर मोदी एवं प्रो. कमलेश प्रसाद सिंह ने योग गुरु स्वामी रामदेव जी महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित कर तथा दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत हवन एवं पूजन संपन्न कराया गया। योगाचार्य श्यामसुंदर मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि जीवन में गुरु का स्थान सर्वोपरि होता है। गुरु ही मनुष्य को अज्ञान रूपी अंधकार से निकालकर ज्ञान, सत्य और सदाचार के मार्ग पर अग्रसर करते हैं। उन्होंने कहा कि गुरु के बताए मार्ग का अनुसरण कर व्यक्ति अपने जीवन को सफल, सार्थक एवं अनुशासित बना सकता है। गुरु पूर्णिमा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि गुरु के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। हवन एवं पूजन में मुखिया रेणु सिंह, सुनील कुमार पांडेय, निरंजन अग्रवाल, हिरामन महतो, रामप्रवेश साव, मुन्नी सिंह, रीना सिंह, रामलता देवी, प्रीति ठक्कर, कुमारी देवी तथा बेबी सिंह सहित अनेक योग साधकों और श्रद्धालुओं ने भाग लिया। सभी ने वैदिक परंपरा के अनुसार आहुति अर्पित कर समाज में सुख, शांति, समृद्धि और मानव कल्याण की प्रार्थना की। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद एवं खीर का वितरण किया गया। आयोजकों ने कहा कि इस प्रकार के आध्यात्मिक आयोजन समाज में गुरु-शिष्य परंपरा, भारतीय संस्कृति और नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

गुरु पूर्णिमा पर श्री कबीर ज्ञान मंदिर में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

गिरिडीह। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर गिरिडीह स्थित श्री कबीर ज्ञान मंदिर में भव्य आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने पंक्तिबद्ध होकर परम वंदनीय सद्गुरु मां ज्ञान के चरणों में श्रद्धा-सुमन अर्पित किए तथा गुरु वंदना कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। पूरे मंदिर परिसर में भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक उल्लास का वातावरण बना रहा। कार्यक्रम में झारखंड के अलावा बिहार, पश्चिम बंगाल एवं छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। गुरु पूजन महोत्सव के दौरान बच्चों एवं बालिकाओं ने गुरु भक्ति पर आधारित मनमोहक भावनृत्य प्रस्तुत किया। इसके पश्चात गुरु महिमा पर आधारित नाट्य मंचन ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। भजन संध्या में प्रस्तुत गुरु वंदना और भक्ति गीतों से पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा। आयोजन के अंत में श्रद्धालुओं ने सद्गुरु का आशीर्वाद प्राप्त कर समाज में प्रेम, सद्भाव, सेवा और आध्यात्मिक मूल्यों को अपनाने का संकल्प लिया। पूरे कार्यक्रम का समापन श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के वातावरण में हुआ। गुरु पूर्णिमा महोत्सव ने गुरु-शिष्य परंपरा के प्रति लोगों की आस्था को और अधिक सुदृढ़ करने का संदेश दिया।

सद्गुरु मां ज्ञान ने गुरु-शिष्य परंपरा का बताया महत्व

गिरिडीह। गुरु पूर्णिमा महोत्सव के अवसर पर श्री कबीर ज्ञान मंदिर में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए परम वंदनीय सद्गुरु मां ज्ञान ने गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भगवान शिव स्वयं आदिगुरु हैं तथा गुरु गीता में गुरु की महिमा का अत्यंत सुंदर वर्णन मिलता है। सच्चे मन से गुरु भक्ति करने वाले शिष्य पर ईश्वर की विशेष कृपा बनी रहती है और प्रकृति भी उसकी रक्षा करती है। उन्होंने कहा कि गुरु के मार्गदर्शन से ही जीवन का अज्ञान रूपी अंधकार दूर होता है तथा सत्य, ज्ञान और आत्मबोध का मार्ग प्रशस्त होता है। गुरु केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि शिष्य के व्यक्तित्व, संस्कार और जीवन-दृष्टि का निर्माण भी करते हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है। सद्गुरु मां ज्ञान ने भगवान श्रीकृष्ण और अर्जुन के प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि जब श्रीकृष्ण ने गुरु की भूमिका निभाई, तभी अर्जुन का मोह दूर हुआ और वह अपने कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ सके।

बेरमो में बैंकिंग समस्याओं के समाधान को लेकर समन्वय बैठक, लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन पर जोर

झारखंड दर्शन संवाददाता

बेरमो। बेरमो प्रखंड कार्यालय में बुधवार को बैंकिंग सेवाओं से संबंधित लंबित मामलों के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी मुकेश कुमार एवं अग्रणी जिला प्रबंधक बेरमो ने संयुक्त रूप से की। बैठक में प्रखंड क्षेत्र की विभिन्न बैंक शाखाओं के शाखा प्रबंधकों एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक के दौरान बैंकिंग योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं तथा उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा की गई। झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी के एफटीसी प्रिंस गुप्ता ने मुद्रा ऋण योजना से संबंधित लंबित मामलों को प्रमुखता से उठाते हुए शीघ्र निष्पादन की आवश्यकता बताई। वहीं प्रखंड उद्यमी अमित कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत लाभुकों को ऋण स्वीकृति एवं अन्य बैंकिंग प्रक्रियाओं में आ रही कठिनाइयों की जानकारी दी। प्रखंड तकनीकी प्रबंधक सार्जन महतो ने किसान क्रेडिट कार्ड के लिए बैंकों में जमा किए गए आवेदनों के लंबित रहने की समस्या से अधिकारियों को अवगत कराया। उन्होंने किसानों के हित में इन आवेदनों का जल्द निपटारा करने का आग्रह किया। बैठक में बीडीओ मुकेश कुमार एवं एलडीएम ने सभी बैंक अधिकारियों को निर्देश दिया कि विभिन्न सरकारी योजनाओं से जुड़े लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन करें, ताकि पात्र लाभार्थियों को समय पर बैंकिंग सुविधाओं और योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने विभागों और बैंकों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर भी बल दिया। बैठक में आदित्य चौधरी, गौरव कुमार सिन्हा, मुक्ति कुमारी सहित विभिन्न बैंक शाखाओं के अधिकारी एवं संबंधित विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

दुष्कर्म एवं शारीरिक शोषण के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा न्यायिक हिरासत में

झारखंड दर्शन संवाददाता

बेरमो। दुष्कर्म एवं शारीरिक शोषण के मामले में बेरमो पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इस संबंध में बेरमो थाना प्रभारी रोहित कुमार सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र के कारो बस्ती निवासी एक पीड़िता द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर बेरमो थाना कांड संख्या 110/26 दर्ज किया गया था। पीड़िता ने आरोपी पर दुष्कर्म तथा लंबे समय तक शारीरिक शोषण करने का आरोप लगाया है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल अनुसंधान प्रारंभ किया। जांच के दौरान उपलब्ध साक्ष्यों एवं तथ्यों के आधार पर नामजद आरोपी बजरंगी मुंडा, निवासी ट्रांसपोर्टिंग रोड, जवाहर नगर को विधिसम्मत तरीके से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी से आवश्यक पूछताछ की गई तथा कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के उपरांत उसे न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। न्यायालय के निर्देश पर आरोपी को न्यायिक हिरासत में तेनुघाट जेल भेज दिया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच जारी है तथा अनुसंधान के दौरान प्राप्त होने वाले सभी तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने स्पष्ट किया कि महिलाओं के विरुद्ध अपराध के मामलों में त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई करना उसकी प्राथमिकता है।

तेज रफ्तार बाइक हादसे में दो युवकों की दर्दनाक मौत, एक ने कूदकर बचाई जान

झारखंड दर्शन संवाददाता

गुमला। गुमला सदर थाना क्षेत्र के खरका पुल के समीप मंगलवार को तेज रफ्तार और अनियंत्रित बाइक दुर्घटना में दो युवकों की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि तीसरे युवक ने समय रहते बाइक से छलांग लगाकर अपनी जान बचा ली।

हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बड़काडीह गांव निवासी 25 वर्षीय मंगरा उरांव, 24 वर्षीय चरकू उरांव और सूरज उरांव एक ही बाइक पर सवार होकर बड़काडीह की ओर जा रहे थे। रास्ते में मंगरा उरांव ने मछली खाने की इच्छा जताई, जिसके बाद तीनों खरका की ओर मछली खरीदने के लिए निकल पड़े। खरका पुल के समीप पहुंचते ही तेज रफ्तार के कारण बाइक अनियंत्रित हो गई और पुल से नीचे जा गिरी। हादसा इतना भीषण था कि मंगरा उरांव और चरकू उरांव की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं सूरज उरांव ने समय रहते बाइक से छलांग लगा दी, जिससे उसकी जान बच गई। उसे मामूली चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। तीनों युवकों को तत्काल सदर अस्पताल पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मंगरा उरांव और चरकू उरांव को मृत घोषित कर दिया, जबकि घायल सूरज उरांव का प्राथमिक उपचार किया गया। सूचना मिलने पर पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस दर्दनाक हादसे से मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है तथा पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।

चंद्रपुरा योग केंद्र में हवन-यज्ञ और भजन-कीर्तन के साथ मनाई गई गुरु पूर्णिमा

झारखंड दर्शन संवाददाता

चंद्रपुरा। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर बुधवार को चंद्रपुरा योग केंद्र में पतंजलि योग समिति एवं भारत स्वाभिमान न्यास के संयुक्त तत्वावधान में हवन-यज्ञ, भजन-कीर्तन तथा गुरु वंदना का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला परिषद सदस्य नीतू सिंह, पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी देवेंद्र गुप्ता तथा भारत स्वाभिमान न्यास के जिला प्रभारी श्यामदेव प्रसाद मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-यज्ञ से हुआ। हवन का संचालन जिला प्रभारी देवेंद्र गुप्ता ने कराया। उन्होंने कहा कि गुरु जीवन से अज्ञान का अंधकार दूर कर ज्ञान का प्रकाश फैलाते हैं। गुरु के मार्गदर्शन से ही व्यक्ति का जीवन सफल एवं सार्थक बनता है। हवन में बड़ी संख्या में योग साधकों एवं साधिकाओं ने भाग लेकर सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इसके बाद भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ, जिसका संचालन संजय गुप्ता एवं कमल महतो ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत गुरु वंदना से हुई और श्रद्धालुओं ने भक्ति गीतों के माध्यम से गुरु के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। भारत स्वाभिमान न्यास के जिला प्रभारी श्यामदेव प्रसाद ने कहा कि ऐसे आध्यात्मिक आयोजन समाज में नैतिक मूल्यों और संस्कारों को मजबूत करते हैं तथा लोगों को योग एवं भारतीय संस्कृति से जोड़ने का कार्य करते हैं। इस अवसर पर सूर्यनंदन पांडेय, जगमोहन आर्य, सुभाष वर्णवाल, कमल महतो, अनीता कुमारी, कंचन शरण, सारिका, बेबी विश्वकर्मा, किरण गुप्ता, राजेश लाल, नरेंद्र सिंह, योगेंद्र प्रसाद, ईश्वर महतो, सुरेश, खेदन रजक, गिरधारी महतो, सुबोध सिंह सहित सैकड़ों योग साधक एवं साधिकाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

विद्या मंदिर दुग्दा में गुरु पूर्णिमा एवं महर्षि वेदव्यास जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई

झारखंड दर्शन संवाददाता

चंद्रपुरा। पंडित बागेश्वरी पांडेय सरस्वती विद्या मंदिर, दुग्दा में बुधवार को गुरु पूर्णिमा उत्सव सह महर्षि वेदव्यास जयंती श्रद्धा, उल्लास एवं आध्यात्मिक वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य वरुण कुमार चौधरी, आचार्य नकुल देव महतो एवं आचार्या श्रुति कुमारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित, पुष्पार्चन एवं वंदना के साथ किया। इसके पश्चात विद्यालय के भैया-बहनों ने भगवा ध्वज के समक्ष श्रद्धापूर्वक गुरु दक्षिणा अर्पित कर गुरु-शिष्य परंपरा के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान छात्र सोनू कुमार महतो ने कहा कि गुरु पूर्णिमा गुरुजनों के प्रति सम्मान, श्रद्धा और कृतज्ञता प्रकट करने का पावन अवसर है। उन्होंने कहा कि गुरु ही मनुष्य को अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाते हैं। छात्राओं नव्या कुमारी, तेजस्विनी कुमारी, रौशनी कुमारी, श्रेया सिंह एवं एंजल प्रिया ने भी गुरु पूर्णिमा के महत्व पर अपने विचार व्यक्त करते हुए भारतीय संस्कृति में गुरु की भूमिका को रेखांकित किया। प्रधानाचार्य वरुण कुमार चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि गुरु पूर्णिमा गुरु-शिष्य परंपरा को सुदृढ़ करने का पर्व है। भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है, क्योंकि गुरु ही जीवन को सही दिशा प्रदान करते हैं।

विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति की ओर से सभी आचार्यों एवं आचार्याओं को उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। विद्यालय के सचिव ऋषिकांत तिवारी ने कहा कि गुरु पूर्णिमा का यह पावन पर्व गुरुजनों के प्रति आस्था, सम्मान और विश्वास व्यक्त करने का अवसर है। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी आचार्य, आचार्याएं तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

गोवा में बोकारो के प्रवासी मजदूर का निधन, गांव में शोक

बोकारो। रोजगार के सिलसिले में गोवा गए बोकारो जिले के नावाडीह प्रखंड, ऊपरघाट अंतर्गत ग्राम पारटांड (मुंगो रांगामाटी) निवासी 21 वर्षीय प्रवासी मजदूर मनोज कुमार महतो का दो दिन पूर्व असामयिक निधन हो गया। मृतक मनोज कुमार महतो गांव के चंद्रशेखर महतो का पुत्र था और गोवा में बिजली विभाग में कार्यरत था। घटना की सूचना मिलते ही भाजपा नेता भरत यादव और भैरव महतो ने गंगा नारायण सिंह से संपर्क कर पार्थिव शरीर को गांव भिजवाने का आग्रह किया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए गंगा नारायण सिंह ने गोवा के प्रशासनिक अधिकारियों व पुलिस प्रशासन से समन्वय स्थापित किया। दो दिनों तक चली कानूनी और चिकित्सकीय प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद बुधवार को मनोज के पार्थिव शरीर को विमान से उनके पैतृक गांव रवाना कर दिया गया। इस दौरान गोवा में कागजी प्रक्रिया पूरी कराने के समय मनोज के भाई संतोष महतो और फलेंद्र महतो भी उपस्थित रहे।

जलती छड़ी से फूल और किताब से निकाला कबूतर
चिन्मय विद्यालय में अंतरराष्ट्रीय जादूगर डॉ. शिवाजी का 'मैजिक एवं इल्यूजन शो'

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। चिन्मय विद्यालय बोकारो में बुधवार को एक भव्य एवं मनोरंजक मैजिक एवं इल्यूजन शो का आयोजन किया गया। इस खास कार्यक्रम में विख्यात अंतरराष्ट्रीय जादूगर डॉ. शिवाजी ने अपने जादुई कारनामों से विद्यार्थियों और शिक्षकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में चिन्मय मिशन बोकारो की आवासीय आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती, सचिव महेश त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष आर. एन. मलिक, प्राचार्य सूरज शर्मा, वरीय उप प्राचार्य नरेंद्र कुमार एवं उप प्राचार्य डॉ. रोशन शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। रोमांचक जादुई कारनामों से भरे इस कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. शिवाजी ने जादू की बारीकियां समझाने के साथ की। उन्होंने पलक झपकते ही जलती हुई छड़ी को खूबसूरत फूल में बदल दिया, जिसे देख बच्चे दंग रह गए। इसके बाद खाली किताब से जिंदा कबूतर निकालने और अनोखे पेपर ट्रिक के प्रदर्शन पर पूरा सभागार तालियों की गूंज से सराबोर हो उठा। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. शिवाजी ने कहा कि जादू कोई तंत्र-मंत्र या अंधविश्वास नहीं, बल्कि यह विज्ञान, गणित और हाथ की सफाई के सही तालमेल की कला है। इस दौरान उन्होंने बच्चों को कुछ आसान और मजेदार जादुई ट्रिक्स भी सिखाए और शानदार आयोजन के लिए विद्यालय प्रबंधन का आभार व्यक्त किया। विद्यालय के प्राचार्य सूरज शर्मा ने कहा कि चिन्मय विद्यालय केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे रचनात्मक और मनोरंजक कार्यक्रम बच्चों में जिज्ञासा, कल्पनाशीलता और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय जादूगर डॉ. शिवाजी एवं उनकी पत्नी लिशा का आभार जताया।

बेरमो की खदानों से गोमिया के जंगलों तक बोकारो में एसआईआर-2026 ने रचा इतिहास
15 लाख से अधिक मतदाताओं का शत-प्रतिशत सत्यापन पूरा

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। बेरमो की कोयला खदानों, बोकारो की गगनचुंबी इमारतों और गोमिया की दुर्गम पगडंडियों के बीच बीते एक महीने से एक मौन लोकतांत्रिक क्रांति आकार ले रही थी। यह रैलियों के शोर-शराबे से परे, घर-घर दी जा रही एक निःशब्द दस्तक की कहानी है। एक भी वोटर न छूटे के संकल्प के साथ संचालित विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान बोकारो जिले में मानवीय जिजीविषा और तकनीकी सटीकता का एक ऐतिहासिक महा-अभियान बन गया है। जिले के नौ प्रखंडों, 251 पंचायतों और 1,581 बूथों पर तैनात बीएलओ की समर्पित टीम ने 15,35,267 मतदाताओं के भौतिक सत्यापन का विशाल लक्ष्य हासिल किया, जहां हर बीएलओ पर औसतन 971 नागरिकों का जिम्मा था। 30 जून को शुरू हुए इस अभियान का शुरुआती सफर आसान नहीं था। डमी प्रशिक्षण के कारण कई बीएलओ ऐप संचालन में असहज थे और ऊपर से मुहर्रम के कारण प्रशासनिक तंत्र विधि-व्यवस्था बनाए रखने में व्यस्त रहा। लेकिन पर्व समाप्त होते ही प्रशासन ने पूरी ताकत से वापसी की। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग से लैस एक हाई-टेक 'वॉर रूम' स्थापित किया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अजय नाथ झा ने प्रतिदिन शाम 6:30 बजे समीक्षा बैठकों की कमान संभाली। आसन्न चुनाव न होने से उपजी जन-उदासीनता को तोड़ने के लिए टोटो के माध्यम से प्रचार-प्रसार रथ उतारे गए। सबसे बड़ी बात यह रही कि बीडीओ और अंचलाधिकारी दफ्तर छोड़ खुद बीएलओ के साथ धरातल पर उतर आए। बोकारो के 66% शहरी परिवेश में बहुमंजिला इमारतों के सुरक्षा गार्डों और निजता के डर जैसी मानसिक दीवारों को बीएलओ ने सुबह-शाम काम कर-के तोड़ा, जहां अंततः चास निगम क्षेत्र में वार्ड पार्षदों के सहयोग से शहरी जड़ता समाप्त हुई। गोमिया के जंगलों और झुमरा पहाड़ के दुर्गम इलाकों में पीवीटीजी बस्तियों तक पहुँचने के लिए टीमों ने सुदूर क्षेत्रों में ही डेरा डाला। जब फुटकाडीह में नेटवर्क की समस्या आई, तो प्रशासन ने रातों-रात सेल ऑन व्हील्स टावर खड़ा करवाकर डेटा सिंक करवाया और लुगु बुरु की पगडंडियां नापने वाले बीएलओ ने जिले का पहला बीएलओ ऑफ द डे पुरस्कार जीता। उधर बेरमो की सक्रिय कोयला खदानों में श्रमिक कॉलोनियों के विस्थापन और रात्रि पाली के थके खनिकों की संशय को दूर करने के लिए स्थानीय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स का सहारा लिया गया।

चास में पतंजलि योग परिवार ने मनाई गुरु पूर्णिमा

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर पतंजलि योग परिवार चास, बोकारो की ओर से सनातन गुरु-शिष्य परंपरा का श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ निर्वहन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम के दौरान संगठन के सदस्यों ने योग ऋषि योगाचार्य स्वामी रामदेव महाराज के चित्रों पर श्रद्धापुष्प अर्पित किए और उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर साधकों ने समस्त बोकारो वासियों के सुख, समृद्धि और आरोग्य की मंगलकामना की। कार्यक्रम में पतंजलि योग समिति के जिला महामंत्री गौरी शंकर सिंह के साथ दयाराम, जया, संध्या, मोना, वीणा, रेनू, कृष्णा, अनु, सरोज, अर्चना और मीनाक्षी सहित कई अन्य योग साधक व साधिकाएं उपस्थित रहे। सभी ने योग और योग गुरुओं के महत्व पर प्रकाश डालते हुए नियमित योगाभ्यास को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया।

संक्षिप्त खबरें

प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को दी अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर देशवासियों और वन्यजीव प्रेमियों को शुभकामनाएं देते हुए बाघ संरक्षण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराई है। उन्होंने कहा कि भारत को इस बात पर गर्व है कि दुनिया के लगभग 70 प्रतिशत बाघ हमारे देश में निवास करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर कहा कि भारत में बाघ संरक्षण के प्रयास प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवन जीने की हमारी सदियों पुरानी संस्कृति और जनभागीदारी की भावना से प्रेरित हैं। विज्ञान आधारित संरक्षण, सामुदायिक सहभागिता और सतत विकास के माध्यम से देश बाघ संरक्षण को और अधिक मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने बाघ संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले वन कर्मियों, वैज्ञानिकों और संरक्षणवादियों के समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि उनके अथक प्रयासों से भारत ने इस क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाने और मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि सामूहिक प्रयासों से भारत जैव विविधता संरक्षण के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करता रहेगा।

नोएडा सीवेज प्लांट हादसे पर एनएचआरसी ने लिया संज्ञान, दो सप्ताह में रिपोर्ट तलब

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने गौतमबुद्ध नगर (नोएडा) की एक आवासीय सोसाइटी में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के अंदर जहरीली गैस से दो लोगों की मौत के मामले पर स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस आयुक्त, गौतमबुद्ध नगर को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने कहा कि यह गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन का मामला है। आयोग ने कहा कि रिपोर्ट में जांच की स्थिति और मृतकों के परिजनों को दी गई क्षतिपूर्ति, यदि कोई हो, का विवरण शामिल होना चाहिए। मीडिया रिपोर्ट से जानकारी मिली कि 26 जुलाई को सफाईकर्मी टैंक की सफाई के लिए अंदर गया और बेहोश हो गया। उसे बचाने के लिए सुरक्षा गार्ड भी अंदर गया लेकिन वह भी बेहोश हो गया। दोनों को पुलिस और दमकलकर्मियों ने बाहर निकाला और अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

दानपेटी लेकर संसद पहुंचे सपा सांसद, केंद्र सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली। राम मंदिर में कथित चढ़ावे और दान चोरी के आरोपों को लेकर बुधवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसदों ने संसद भवन परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। सपा सांसद हाथों में दानपेटी और पोस्टर लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते नजर आए। प्रदर्शन में सपा प्रमुख अखिलेश यादव, सांसद डिंपल यादव और पार्टी के कई अन्य सांसद शामिल हुए। सपा नेताओं ने आरोप लगाया कि मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए दान की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सरकार विफल रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि जो सरकार मंदिर की दानपेटी की सुरक्षा नहीं कर सकती, वह देश और युवाओं का भविष्य कैसे सुरक्षित रखेगी। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जवाबदेही तय करने की मांग की।

असम के कछार में फैक्ट्री विस्फोट पर एनएचआरसी ने दो सप्ताह में रिपोर्ट तलब की

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने असम के कछार जिले में धातु प्रसंस्करण फैक्ट्री में हुए विस्फोट से चार मजदूरों की मौत और दो अन्य के गंभीर रूप से घायल होने की घटना पर स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने असम के मुख्य सचिव और कछार के पुलिस अधीक्षक को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने कहा कि रिपोर्ट में घायलों की स्वास्थ्य स्थिति और मृतकों के परिजनों व घायल मजदूरों को दी गई क्षतिपूर्ति का विवरण शामिल होना चाहिए। मीडिया रिपोर्ट में जानकारी मिली कि 26 जुलाई को फैक्ट्री में विस्फोट के बाद पिघला हुई धातु मजदूरों पर गिरी, जिससे चार की मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हुए। हादसे के समय फैक्ट्री में 100 से अधिक मजदूर मौजूद थे। स्थानीय लोगों और मृतकों के परिजनों ने आरोप लगाया कि इस फैक्ट्री में पहले भी ऐसे हादसे हो चुके हैं। आयोग ने कहा कि यदि मीडिया रिपोर्ट सही है तो यह गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन का मामला है।

अमरनाथ यात्रा के 22वें जत्थे में 2,051 लोग कड़ी सुरक्षा के बीच जम्मू से रवाना

जम्मू। अमरनाथ यात्रा का 22वां जत्था आज तड़के 2:45 बजे 82 गाड़ियों के काफिले में रवाना हुआ, जिसमें 48 बसें, आठ मीडियम मोटर वाहन, 25 लाइट मोटर वाहन और एक दोपहिया वाहन शामिल था। अधिकारियों ने बताया कि कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच वार्षिक श्री अमरनाथ यात्रा के लिए 2,051 तीर्थयात्रियों का नया जत्था बुधवार तड़के जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। इस जत्थे में 1,570 पुरुष तीर्थयात्री, 369 महिलाएं, दो बच्चे, 58 साधु, 21 साध्वियां, एक साधु बच्चा और 30 विदेशी नागरिक (14 पुरुष और 16 महिलाएं) शामिल हैं। सभी तीर्थयात्री बालटाल रूट से यात्रा कर रहे हैं, क्योंकि मरम्मत कार्य के चलते पहलगाम रूट के लिए कोई काफिला तय नहीं था।

रक्षा मंत्री ने लखनऊ में देश के पहले सैन्य चिकित्सा विभाग का किया वर्चुअल उद्घाटन

युद्धक्षेत्र की चुनौतियों से निपटना आसान होगा : राजनाथ

एजेंसी

लखनऊ। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को लखनऊ के कमांड हॉस्पिटल (सेंट्रल कमांड) में देश के पहले समर्पित डिपार्टमेंट ऑफ मिलिट्री मेडिसिन का वर्चुअल उद्घाटन किया। सेना की मेडिकल सेवाओं के महानिदेशालय (डीजीएमएस) के तहत स्थापित यह विभाग सैन्य चिकित्सा, शोध, प्रशिक्षण और भविष्य के युद्धक्षेत्रों में चिकित्सा तैयारियों को अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से बनाया गया है। यह विभाग सैनिकों को आधुनिक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के साथ सैन्य चिकित्सा के क्षेत्र में शोध और विशेषज्ञता विकसित करने का केंद्र बनेगा।

उद्घाटन अवसर पर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय सैनिक दुनिया के सबसे कठिन इलाकों और प्रतिकूल मौसम में तैनात रहते हैं। ऐसे में उनकी जरूरतों के अनुरूप विशेष चिकित्सा प्रोटोकॉल विकसित करना समय की मांग है। उन्होंने कहा कि यह विभाग भविष्य के युद्धों और बदलती सुरक्षा चुनौतियों के अनुरूप देश की चिकित्सा क्षमता को मजबूत करेगा और सैनिकों का मनोबल भी बढ़ाएगा।

उन्होंने कहा कि इस आधुनिक दौर में यह विभाग शोध एवं विकास के प्रमुख केंद्र के रूप में कार्य करेगा और नई तकनीकों से पैदा होने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए देश को तैयार करेगा। उन्होंने इसे भविष्य की सुरक्षा जरूरतों के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। रक्षा मंत्री ने उम्मीद जताई कि यह विभाग आर्मी मेडिकल कॉर्प्स के युवा डॉक्टरों के लिए आधुनिक युद्धक्षेत्र चिकित्सा, बैटलफील्ड नर्सिंग और एडवांस ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट का प्रशिक्षण केंद्र बनेगा। साथ ही छात्रों को मिलिट्री मेडिसिन में सुपर स्पेशलाइजेशन करने का अवसर मिलेगा, जिससे सैन्य चिकित्सा के

● रक्षा मंत्री ने युद्ध की तैयारी बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी आधारित निवारक स्वास्थ्य देखभाल का आह्वान किया

क्षेत्र में भारत की वैश्विक पहचान भी मजबूत होगी।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि इलाज से पहले बीमारी की रोकथाम पर ध्यान देना राष्ट्रीय सुरक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने एआई, वियरेबल डिवाइस, प्रिडिक्टिव एनालिटिक्स और एडवांस डायग्नोस्टिक्स जैसी तकनीकों के उपयोग से सैनिकों के स्वास्थ्य की रियल टाइम निगरानी और संभावित स्वास्थ्य जोखिमों की समय रहते पहचान करने पर जोर दिया। उनके अनुसार बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था सीधे तौर पर सैनिकों की युद्ध क्षमता और देश की सुरक्षा से जुड़ी है।

उन्होंने निवारक स्वास्थ्य सेवा की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इसे वास्तविक उपचार से पहले रक्षा की पहली पंक्ति के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने एक ऐसी प्रणाली विकसित करने का आह्वान किया जो रोग निगरानी, टीकाकरण, स्वच्छता, पोषण, शारीरिक फिटनेस, व्यावसायिक स्वास्थ्य और नियमित स्वास्थ्य जांच के माध्यम से प्रारंभिक चरण में ही स्वास्थ्य जोखिम की पहचान कर उसे कम कर सके। उन्होंने कहा कि निवारक स्वास्थ्य सेवा सीधे तौर पर युद्ध की तैयारी और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी है। हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), पहनने योग्य उपकरणों, भविष्यसूचक विश्लेषण और उन्नत निदान जैसी तकनीकों का लाभ उठाकर सैनिकों के स्वास्थ्य की वास्तविक समय में निगरानी और संभावित स्वास्थ्य जोखिमों की शीघ्र पहचान कर सकते हैं।

रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन का समापन करते हुए इस नए सैन्य चिकित्सा विभाग को राष्ट्र की सैन्य मानसिकता में क्रांतिकारी बदलाव का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि हमें मिलकर इस विभाग को विश्व के सर्वश्रेष्ठ 'युद्धक्षेत्र चिकित्सा अनुसंधान केंद्र' में बदलना होगा।

इस कार्यक्रम में सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह, सेना उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन, केंद्रीय कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्या सेनगुप्ता, सेना चिकित्सा कोर के महानिदेशक सर्जन वाइस एडमिरल आरती सरीन, एडजुटेंट जनरल लेफ्टिनेंट जनरल वीपीएस कौशिक और सेना चिकित्सा सेवा महानिदेशक एवं सेना चिकित्सा कोर के कर्नल कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल सीजी मुरलीधरन, रक्षा विभाग के अतिरिक्त सचिव मनीष त्रिपाठी, कमांड अस्पताल (केंद्रीय कमान), लखनऊ के कमांडेंट मेजर जनरल आलोक भल्ला और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

आइशी घोष को हिरासत में लेने के प्रयास पर राज्यसभा में हंगामा

विपक्ष ने लोकतंत्र पर बताया हमला, नड्डा बोले- सामान्य कार्रवाई

एजेंसी

नई दिल्ली। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की छात्र नेता और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्रसंघ (जेएनयूएसयू) की पूर्व अध्यक्ष आइशी घोष को हिरासत में लेने के दिल्ली पुलिस के कथित प्रयास को लेकर बुधवार को राज्यसभा में विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई। विपक्ष ने इसे लोकतंत्र पर हमला करार दिया, जबकि सरकार ने इसे सामान्य कानून-व्यवस्था से जुड़ी कार्रवाई बताते हुए विपक्ष पर मामले के राजनीतिकरण का आरोप लगाया।

माकपा सांसद जॉन ब्रिटास ने सदन में यह मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया कि मंगलवार को दिल्ली पुलिस के कुछ कर्मी पार्टी मुख्यालय एकेजी भवन में आइशी घोष को गिरफ्तार करने के उद्देश्य से पहुंचे। उन्होंने दावा किया कि पुलिस ने बताया कि वह वर्ष

2021 में जेएनयू परिसर में हुए एक प्रदर्शन से जुड़े मामले में कार्रवाई कर रही है। ब्रिटास ने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मी बिना वर्दी के पार्टी कार्यालय में दाखिल हुए और इसका उद्देश्य भय का माहौल बनाना था।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने ब्रिटास का समर्थन करते हुए कहा कि यदि किसी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दल के कार्यालय में पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों के अधिकारी बिना उचित वारंट के किसी को गिरफ्तार करने के लिए प्रवेश करते हैं तो यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक स्थिति है। उन्होंने कहा कि ऐसी कार्रवाई के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए और यह स्पष्ट होना चाहिए कि उन्हें वहां किसके निर्देश पर भेजा गया था।

सरकार की ओर से सदन के नेता एवं केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह कानून-व्यवस्था से जुड़ी सामान्य कार्रवाई थी। उन्होंने कहा कि जब छात्र कार्यकर्ता कानून-व्यवस्था का उल्लंघन करते हैं तो पुलिस को अपने दायित्व के अनुसार कार्रवाई करनी पड़ती है और इसे असामान्य नहीं माना जाना चाहिए।

नड्डा ने आपातकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि वह स्वयं छात्र जीवन में सक्रिय रहे हैं और कांग्रेस शासन के दौरान उन्हें कई बार कक्षा से गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने कहा कि छात्र राजनीति में सक्रिय रहने वालों को ऐसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है और विपक्ष को पुलिस की सामान्य कानून-व्यवस्था संबंधी कार्रवाई का राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि मंगलवार को दिल्ली पुलिस की एक टीम कथित तौर पर एक पुराने मामले में आइशी घोष को हिरासत में लेने के लिए माकपा के एकेजी भवन पहुंची थी।

कट्टरपंथी सांसद अमृतपाल की रिहाई की मांग पर चंडीगढ़ में आंदोलन, कई घंटे तक चला हंगामा

एजेंसी

चंडीगढ़। देशद्रोह के मामले में असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद कट्टरपंथी सांसद अमृतपाल सिंह की रिहाई की मांग पर बुधवार को वारिस पंजाब दे पार्टी के कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए। कार्यकताओं ने मोहाली के रास्ते चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री आवास की तरफ कूच का प्रयास किया लेकिन पुलिस ने वाटर कैनन व लाठीचार्ज करके उन्हें रोक दिया। इसके बावजूद कुछ कट्टरपंथी चंडीगढ़ की सीमा में दाखिल हुए तो पुलिस ने बल का प्रयोग करके उन्हें हिरासत में ले लिया। मोहाली व चंडीगढ़ की सीमा पर प्रदर्शनकारियों व पुलिस के बीच झड़प इतनी बढ़ी कि कई घंटे तक हंगामा होता रहा। प्रदर्शनकारी वाटर कैनन वैन पर चढ़ गए और पुलिस को वहां से खदेड़ कर उसका रूख मोड़ दिया।

वारिस पंजाब दे की तरफ से आज पंजाब भर में प्रदर्शन करने का आहवान किया गया था।

कट्टरपंथी कार्यकताओं के चंडीगढ़ कूच को देखते हुए चंडीगढ़ व मोहाली में कई जगह ट्रैफिक डायवर्ट किया गया था। पार्टी के नेता एवं विधायक मनप्रीत अयाली ने कहा कि हम यहां शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने के लिए आए हैं, किसी तरह की तोडफोड़ नहीं करना चाहते हैं। अमृतपाल लोगों के प्रतिनिधि हैं, लेकिन जेल में रखे जाने से वह बतौर सांसद अपने संवैधानिक कर्तव्य का पालन नहीं कर पा रहे हैं। सांसद अमृतपाल के वकील इमान सिंह खारा ने कहा कि एनएसए हटाई जा चुकी है। इसके बाद अजनाला हिंसा और 11 और झूठे केस दर्ज कर उन्हें असम जेल में रखा गया है।

पाकिस्तान के बलोचिस्तान में डिप्टी कमिश्नर समेत चार लोगों की हत्या

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत प्रांति बलोचिस्तान में हथियारबंद लोगों ने बरखान के डिप्टी कमिश्नर समेत चार लोगों की हत्या कर दी। मरने वालों में बाकी तीन स्क्वायड दस्ते के सदस्य बताए गए हैं। इस दौरान प्रांतीय सरकार ने नुश्की जिले में लागू कर्फ्यू की अवधि 31 जुलाई तक बढ़ा दी है।

द बलोचिस्तान पोस्ट और दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार हथियारबंद लोगों ने बरखान जिले में घाटा चौक के पास नाकाबंदी कर गाड़ियों की चेकिंग की। इस दौरान बरखान के डिप्टी कमिश्नर मुरीद बुगती और उनके बॉडीगार्ड्स को अपने साथ ले गए। बलोचिस्तान के गृहमंत्री के प्रवक्ता

के मुताबिक, हथियारबंद लोगों ने बाद में डिप्टी कमिश्नर मुरीद बुगती की हत्या कर दी। तुर्बत के दारमकोल पेडरक इलाके में आज अज्ञात हथियारबंद मोटरसाइकिल सवारों तीन लोगों को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस अधिकारियों ने घटना की पुष्टि की और मरने वालों की पहचान शाह बेग, अमानुल्लाह और अल्ताफ हुसैन के रूप में की है।

लोकसभा में पेश हुआ जन्म–मृत्यु पंजीकरण संशोधन विधेयक

रिकॉर्ड होंगे डिजिटल, देरी पर सख्त नियम

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में बुधवार को जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किया गया। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने विपक्ष के हंगामे के बीच यह बिल सदन में रखा। इस विधेयक का उद्देश्य देशभर में जन्म और मृत्यु के रिकॉर्ड को डिजिटल करना और फर्जी दस्तावेजों पर रोक लगाना है।

नए प्रावधानों के तहत जन्म और मृत्यु के पंजीकरण में देरी पर सख्त नियम लागू होंगे। यदि रजिस्ट्रेशन कराने में एक से दो साल की देरी होती है तो जिला मजिस्ट्रेट, उप-मंडल मजिस्ट्रेट या कार्यकारी मजिस्ट्रेट की लिखित मंजूरी अनिवार्य होगी। वहीं, दो साल से अधिक की देरी होने पर मामला सीधे अदालत जाएगा और प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश के बाद ही प्रमाण पत्र जारी किया जा सकेगा।

इस कानून के तहत अब पूरे देश के जन्म और मृत्यु के रिकॉर्ड को एक केंद्रीय डिजिटल डेटाबेस से जोड़ा जाएगा। इससे देश के किसी भी हिस्से में होने वाले जन्म या मृत्यु की जानकारी एक ही जगह ऑनलाइन उपलब्ध होगी। इस डेटाबेस को मतदाता सूची, राशन कार्ड, पासपोर्ट और अन्य राष्ट्रीय पहचान पत्रों से भी जोड़ा जाएगा। कोई नागरिक 18 वर्ष का होगा, उसका नाम स्वतः मतदाता सूची में जुड़ जाएगा। वहीं, किसी व्यक्ति की मृत्यु होने पर सरकारी रिकॉर्ड से उसका नाम आसानी से हटाया जा सकेगा। इससे सरकारी योजनाओं में होने वाली गड़बड़ियों और फर्जी लाभ उठाने की घटनाओं पर रोक लगेगी।

नए कानून के लागू होने के बाद जन्म प्रमाण पत्र सबसे मुख्य दस्तावेज बन जाएगा। अब तक स्कूल में प्रवेश, ड्राइविंग लाइसेंस या सरकारी नौकरियों में आवेदन के लिए अलग-अलग दस्तावेजों का इस्तेमाल किया जाता था। लेकिन इस बिल के पास होने के बाद जन्म प्रमाण पत्र ही उम्र और पहचान का एकमात्र आधिकारिक दस्तावेज माना जाएगा।

अध्यात्म अंतर्राष्ट्रीय इस्सयोग समाज का भव्य गुरु पूर्णिमा महोत्सव सम्पन्न

गुरु के सान्निध्य में शब्द नहीं, चेतना बोलती है : माँ विजया

झारखंड दर्शन संवाददाता

जयपुर। गुरु केवल ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि चेतना को जागृत करने वाला दिव्य माध्यम है। जब गुरु और शिष्य के बीच आत्मिक निकटता स्थापित हो जाती है,तब शब्द गौण हो जाते हैं और अंतर्मन स्वयं संवाद करने लगता है। गुरु की कृपा से शिष्य के भीतर सुप्त आध्यात्मिक शक्तियाँ जागृत होती हैं और उसका जीवन नई दिशा प्राप्त करता है। इन्हीं आध्यात्मिक भावों के बीच जगतपुरा स्थित वृंदावन पैलेस में अंतर्राष्ट्रीय इस्सयोग समाज के तत्वावधान में गुरु पूर्णिमा महोत्सव अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ।देश-विदेश से आए हजारों इस्सयोगी साधक-साधिकाओं ने सद्गुरुमाता माँ विजया के श्रीचरणों में श्रद्धा-सुमन अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवशर पर संस्था की अध्यक्ष एवं ब्रह्मनिष्ठ सद्गुरुमाता माँ विजया ने कहा कि गुरु और शिष्य के बीच जब वास्तविक निकटता स्थापित हो जाती है,तब संवाद के लिए शब्दों की आवश्यकता नहीं रहती। चेतना स्वयं जागृत होकर सूक्ष्म स्तर पर संवाद स्थापित करती है। एक समर्थ गुरु अपने शिष्य के मन को पढ़ लेता है और उसके विचार दिव्य लय में प्रवाहित होने लगते हैं। उन्होंने कहा कि गुरु के निकट बैठना भी

साधना का महत्वपूर्ण अंग है। आध्यात्मिक शक्तियाँ दिखाई नहीं देतीं, किंतु उनका प्रभाव अत्यंत व्यापक और गहरा होता है। प्रत्येक साधक को प्रतिदिन प्रातःकाल कम-से-कम एक घंटे की आंतरिक साधना अवश्य करनी चाहिए। नियमित साधना से मन शांत और स्थिर होता है। मन की चंचलता समाप्त होते ही आत्मिक शक्तियाँ जागृत होने लगती हैं और जीवन सकारात्मक परिवर्तन की ओर अग्रसर हो जाता है।

संस्था के संयुक्त सचिव डॉ. अनिल सुलभ ने बताया कि महोत्सव का शुभारम्भ दिव्य ओंकार,अखण्ड भजन-कीर्तन और गुरु वंदना के साथ हुआ। संस्था के सचिव कुमार सहाय वर्मा एवं संयुक्त सचिव (मुख्यालय) ई. उमेश कुमार ने समस्त इस्सयोगियों की ओर से प्रतिनिधि यजमान के रूप में गुरु-पूजन किया, जबकि दिल्ली से पधारे वरिष्ठ इस्सयोगी आचार्य दीनानाथ शास्त्री ने वैदिक विधि-विधान से पूजन सम्पन्न कराया। सद्गुरुमाता के आगमन पर पूरा सभागार भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। नृत्य, मंगलगीत और पुष्पवर्षा के बीच उनका भव्य स्वागत किया गया। स्थानीय संयोजकों डॉ. प्रशांत एन. सुरभझाला, विनोद राय,मृदुला राय एवं मीनल अग्रवाल ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया कनाडा, अमेरिका, ओमान, रूस तथा भारत के विभिन्न राज्यों से आए साधकों ने अपने आध्यात्मिक अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस्सयोग ने उनके जीवन में आत्मविश्वास, शांति और आध्यात्मिक जागरण का नया प्रकाश भर दिया है। संध्याकाल आयोजित विशेष सत्र में सद्गुरुमाता माँ विजया ने सौ से अधिक नव-जिज्ञासु महिला एवं पुरुष साधकों को इस्सयोग की सूक्ष्म साधना के लिए 'शक्तिपात-दीक्षा' प्रदान की।

राष्ट्रीय राजमार्गों से अतिक्रमण हटाने के लिए एनएचएआई ने शुरू किया अभियान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क सुरक्षा बहाल करने और सुगम यातायात सुनिश्चित करने के लिए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय तथा भारतीय राष्ट्रीय

राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने देशभर में अतिक्रमण हटाने का अभियान शुरू किया है। उच्चतम न्यायालय के निदेर्शों पर चलाए जा रहे इस अभियान का उद्देश्य राजमार्गों पर अवैध निर्माण, वाणिज्यिक प्रतिष्ठान और अनधिकृत पहुंच को हटाकर सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करना है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बताया कि एनएचएआई, पीआईयू राजकोट ने हाल ही में बड़े पैमाने पर अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया। इस दौरान 693 किलोमीटर राजमार्ग का सर्वेक्षण कर 1,403 नोटिस जारी किए गए। इनमें अवैध संरचनाएं, अनधिकृत वाणिज्यिक पहुंच और बिना अनुमति बनाए गए मीडियन कट शामिल थे। कार्रवाई के तहत 361 अवैध पहुंच और अतिक्रमण हटाए गए तथा 150 अनधिकृत मीडियन गैप स्थायी रूप से बंद किए गए। यह अभियान जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षकों के सहयोग से चलाया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक निमिषा कुमारी द्वारा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा० लि० काठीटांड़, रातू रांची, झारखंड 835222 से मुद्रित व 364, को ऑपरेटिव कालोनी, बोकारो स्टील सिटी, बोकारो, 827003 से प्रकाशित।
प्रबंध संपादक विनय कुमार तिवारी* (* पी आर बी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) आर एन आई न०- JHA/HIN/ 2018/ 76658 फोन न०8340571405, 9955023741